MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 10 मार्च, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-67

'क्लस्टर बम' की एंट्री

ईरान-इजरायल जंग से यरुशलम में हो रही है बारूद की बारिश

तेल अवीव, 09 मार्च (एजेंसियां)। ईरान और इजरायल के बीच चल रही जंग लगातार भड़कती जा रही है। दोनों तरफ से हमलों का सिलसिला जारी है और आसमान से मिसाइलों और बमों की बारिश हो रही है। इजरायल और अमेरिका की बमबारी में ईरान के कई तेल डिपो तबाह हो चुके हैं। तेहरान का आसमान और जमीन धुएं से काली होती दिखाई दे रही है। ईरान भी लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है। इजरायल पर हमले जारी रखे हुए है।

ईरान ने क्लस्टर बमों का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। ईरान अब क्लस्टर बम वाली बैलिस्टिक मिसाइलें दाग रहा है। रविवार सुबह ईरानी बैलिस्टिक मिसाइलें यरुशलम इलाके के ऊपर उड़ती दिखाई दीं और उनसे कई छोटे-छोटे बम गिरते देखे गए, जो कि क्लस्टर बम थे। एक्सपर्ट्स के मुताबिक इन मिसाइलों में कार्गो वॉरहेड लगा होता है, जिससे एक ही मिसाइल से छोटे-छोटे बम अलग-अलग जगहों पर गिरते हैं।

विवादित हथियार का इस्तेमाल

क्लस्टर बमों को लेकर लंबे समय से विवाद रहा है। कई देशों और संगठनों ने इन पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। बैन के समर्थकों का कहना है कि ये बम बिना सोचे-समझे बड़े इलाके में गिरते हैं और युद्ध खत्म होने के लंबे समय बाद तक भी आम नागरिकों के लिए खतरा बने रहते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स यह भी बताते हैं कि युद्धों में पहले भी क्लस्टर बमों का इस्तेमाल होता रहा है।

इजरायल ने खुद लेबनान में पिछले युद्धों के दौरान क्लस्टर बमों का इस्तेमाल किया था। रूस और सीरिया समेत कई दूसरे देशों ने भी इन हथियारों का इस्तेमाल किया है। अमेरिका ने आखिरी बार 2003 में इराक में इनका इस्तेमाल किया था। अमेरिका अभी भी इन्हें अपने हथियारों के जखीरे में रखता है और क्लस्टर बमों पर प्रतिबंध लगाने वाले अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन का हिस्सा नहीं बना है।

इजरायल में एक की मौत, 11 लोगों की गई जान

रविवार को उत्तरी तेल अवीव में भी हमलों के बाद नुकसान की खबरें सामने आईं। सवाल उठ रहा है कि बैलिस्टिक मिसाइलों और क्लस्टर बमों के कारण इतनी क्षति हुई या फिर आसमान में हुए इंटरसेप्शन के मलबे से नुकसान हुआ। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट में भी ऐसी ही तस्वीरें देखने को मिली हैं। ईरान की मिसाइल क्षमता को देखते हुए पूरे इलाके में हाई अलर्ट की स्थिति बनी हुई है। ▶10पर

ईरानी मिसाइलें तुर्की तक पहुंचीं

पाक को ईरानी हमले का डर

ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल की जंग में ईरानी मिसाइलें तुर्की को भी निशाना बना रही हैं। सोमवार को भी ईरान ने तुर्की के हवाई क्षेत्र में बैलेस्टिक मिसाइल दागी जिसे पूर्वी भूमध्यसागर में तैनात नाटो के एयर और मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। तुर्की पर ईरानी खतरों के बीच अब उसके करीबी दोस्त पाकिस्तान की चिंता बढ़ गई है। पाकिस्तान ने अपने शिपिंग और समुद्री व्यापार को खतरे से बचाने के लिए 'ऑपरेशन मुहाफिजुल बह्र' शुरू किया है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशन्स ने एक बयान में कहा कि पाकिस्तान की नौसेना ने राष्ट्रीय शिपिंग और समुद्री व्यापार को प्रभावित करने वाले खतरों से निपटने के लिए ये ऑपरेशन शुरू किया है। ▶10पर

रेस्टोरेंट्स बंद होने की कगार पर

एलपीजी की कमी से मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई में संकट

मुंबई, 09 मार्च (एजेंसियां) । मुंबई में एलपीजी सिलेंडर की कमी का असर अब होटल और रेस्टोरेंट इंडस्ट्री पर दिखने लगा है। होटल और रेस्टोरेंट एसोसिएशन का दावा है कि यदि एलपीजी की सप्लाई जल्द सामान्य नहीं हुई तो अगले दो दिनों में शहर के रेस्टोरेंट बंद होने की नौबत आ सकती है। कमर्शियल गैस की सप्लाई रुकने और डिलीवरी में देरी से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। इंडिया होटल्स एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय शेट्टी ने चेतावनी दी है कि गैस की कमी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि यही हाल रहा तो अगले दो दिनों में मुंबई के सभी रेस्टोरेंट्स को बंद करना पड़ सकता है। अभी तक एसोसिएशन के करीब 10 से 20 फीसदी मेंबर्स को गैस सप्लाई में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है।

60 फीसदी रेस्टोरेंट्स तक पहुंचेगा संकट

विजय शेट्टी का कहना है कि अब हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं। मंगलवार तक यह संकट 60 फीसदी रेस्टोरेंट्स तक पहुंच सकता है। उसके अगले दिन तक 100 फीसदी रेस्टोरेंट्स पर असर पड़ने की आशंका है। ▶10पर

25 दिन बाद दूसरा सिलेंडर

केंद्र सरकार ने घरेलू एलपीजी सिलेंडर की रीफिल बुकिंग के नियमों में बदलाव किया है। अब उपभोक्ता एक सिलेंडर डिलीवर होने के बाद दूसरा सिलेंडर 21 दिन के बजाय 25 दिन बाद ही बुक कर सकेंगे। मिडिल ईस्ट टेंशन के बीच सरकार ने यह कदम गैस की जमाखोरी रोकने और सभी उपभोक्ताओं को समान रूप से सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए उठाया है। पिछले कुछ समय से यह देखा जा रहा था कि जरूरत न होने पर भी लोग सिलेंडर बुक करके स्टॉक कर रहे थे। सरकार का मानना है कि वेटिंग पीरियड को 25 दिन करने से बेवजह की बुकिंग पर लगाम लगेगी। ▶10पर

आबकारी नीति मामले में सीबीआई को मिली राहत

निचली अदालत की टिप्पणियों पर रोक

नयी दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां) दिल्ली उच्च न्यायालय ने कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के संबंध में केंद्रीय जांच एजेंसियों को बड़ी राहत देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सहित सभी 23 आरोपियों को बरी करते समय निचली अदालत की ओर से केन्द्रीय जांच ब्यूरो पर की गयी टिप्पणियों पर रोक लगा दी है। न्यायालय ने सभी आरोपियों को नोटिस भी जारी किये हैं। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने आरोपियों को बरी किये जाने के निचली अदालत के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की याचिका पर सोमवार को सुनवाई करते हुए निचली अदालत के आदेश में की गई टिप्पणियों पर रोक लगा दी।

उच्च न्यायालय ने निचली अदालत को यह भी निर्देश दिया है कि इस याचिका पर कोई फैसला होने तक वह आबकारी नीति के संबंध में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रहे मामले पर आगे सुनवाई नहीं करे। उच्च न्यायालय ने उन सभी आरोपियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है ▶10पर

ज्ञानेश के खिलाफ महाभियोग!

राहुल ने भर दी हामी-टीएमसी करेगी अगुवाई, विपक्ष की बन गई रणनीति

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां) चुनाव आयोग का पूरा पैनल पश्चिम बंगाल के दो दिनों के दौरे पर है, जिसका वहां पर तृणमूल कांग्रेस विरोध कर रही है। वहीं संसद में तृणमूल कांग्रेस देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी में है। TMC सांसद अभिषेक बनर्जी ने बजट सत्र के पहले भाग में ही कहा था कि उनकी पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग लाना चाहती है। मगर उसी वक्त कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला किया, उस वक्त सभी विपक्षी दलों के सांसदों ने प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए मगर तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने हस्ताक्षर नहीं किए।

अब जब बजट सत्र का दूसरा चरण शुरू हुआ तो तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर वह विपक्ष के साथ है और विपक्ष के साथ वोट भी करेगी।

इंडिया गठबंधन की संसद भवन में जो बैठक हुई, उसमें राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, अखिलेश यादव सहित कई विपक्षी दल के नेता थे। उसमें तृणमूल कांग्रेस के तरफ से शताब्दी रॉय शामिल हुईं और उन्होंने बैठक में कहा कि बंगाल में जिस ढंग से SIR का प्रक्रिया की जा रही है वह बहुत अनुचित है, इसमें चुन-चुन कर तृणमूल कांग्रेस के वोट काटे जा रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने चुनाव आयोग के साथ 3 बार बैठकें की। मगर वो बेनतीजा रही। बंगाल में सही वोटरों का नाम काटा जा रहा है इसलिए तृणमूल कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग लाना चाहती हैं।

राहुल गांधी भी पहले उठा चुके सवाल

विपक्ष के बाकी नेता इस पर सहमत दिखे। क्योंकि राहुल गांधी बिहार चुनाव से ही चुनाव आयोग पर निशाना साधते नजर आए हैं। वो दिल्ली में कई प्रेस कांफ्रेंस कर बोगस वोटरों के मुद्दे पर मुख्य चुनाव आयुक्त को कटघरे में खड़ा कर चुके हैं। राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देने के लिए चुनाव आयोग ने दिल्ली में एक बड़ी प्रेस कांफ्रेंस भी की थी। अखिलेश यादव भी उत्तर प्रदेश में SIR की प्रक्रिया को लेकर सवाल उठा चुके हैं। यही हाल डीएमके और इंडिया गठबंधन के अन्य दलों का भी है। यानि एक बार फिर पूरा विपक्ष एकजुट है मगर उसकी अगुवाई तृणमूल कांग्रेस कर रही है।

पहली बार मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग

अभी तक संसद में किसी भी मुख्य चुनाव आयुक्त या चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग नहीं लाया गया है। इतना जरूर हुआ है कि भारत के संसदीय इतिहास में 5 बार हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के जजों के खिलाफ महाभियोग लाया गया है और अभी जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ भी महाभियोग लाने की प्रक्रिया चल रही है जिसके लिए 100 से अधिक लोकसभा और 50 से अधिक राज्यसभा सांसद अपने हस्ताक्षर कर चुके हैं।

मुख्य चुनाव आयुक्त पर महाभियोग चलाने के लिए राज्यसभा में 50 तो लोकसभा में 100 सांसदों के हस्ताक्षर चाहिए। इस पर तृणमूल कांग्रेस को कोई समस्या नहीं होगी। तृणमूल कांग्रेस नेता शताब्दी रॉय ने कहा कि उनकी पार्टी महाभियोग के प्रस्ताव के ड्राफ्टिंग में जुटी है।

राज्यसभा की संख्या के आधार पर सरकार को कोई दिक्कत नहीं होगी और महाभियोग का विपक्ष का प्रस्ताव गिर जाएगा। 245 की राज्यसभा में एनडीए के पास 134 सांसद हैं जबकि इंडिया गठबंधन के पास 79 सांसद हैं, 30 सांसद ऐसे पार्टियों से हैं जो ना एनडीए में हैं और ना ही इंडिया गठबंधन में।

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^{0}
न्यूनतम : 21^{0}

लोकसभा में विपक्ष का हंगामा

सरकार बोली- स्पीकर को हटाने के प्रस्ताव पर बहस के लिए तैयार

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)। संसद के बजट सत्र के दूसरे फेज के पहले दिन की लोकसभा की कार्यवाही खत्म हुई। विपक्ष ने अमेरिकी-इजराइल और ईरान जंग पर जमकर हंगामा किया। विपक्ष जंग के बाद पश्चिम एशिया में बने हालातों का भारत पर असर पर चर्चा की मांग करता रहा। सरकार ने कहा कि विपक्ष स्पीकर ओम बिड़ला के खिलाफ नो कॉन्फिडेंस मोशन लाई है, हम इस पर चर्चा करने पर तैयार हैं, विपक्ष चर्चा करे, लेकिन विपक्ष दूसरा मोशन ले आया है, जिसका विदेश मंत्री ने बहुत अच्छे से जबाव दिया है। इसके बाद सदन मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित किया गया।

वहीं, सोमवार को विदेश मंत्री ने पहले राज्यसभा में और फिर लोकसभा में गल्फ देशों से भारतीयों की वापसी और एनर्जी संकट को लेकर तैयारियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा- इस समय ईरान की लीडरशिप से कॉन्टैक्ट मुश्किल है, लेकिन भारत शांति और बातचीत के पक्ष में है। राज्यसभा में जब जयशंकर संबोधन दे रहे थे तब विपक्ष ने राज्यसभा का वॉक आउट किया। लोकसभा में उनके संबोधन के दौरान विपक्ष ने वी वॉन्ट डिस्कशन के नारे लगाए, खूब हंगामा किया। चेयर के बार-बार बोलने पर भी विपक्षी सांसद शांत नहीं हुए थे। राज्यसभा की कार्यवाही अभी जारी है।

भारत के लिए चिंता की बात: मौजूदा संघर्ष भारत के लिए भी चिंता की बात है। हम पड़ोसी हैं, और वेस्ट एशिया में स्थिरता बनाए रखना हमारी भी जिम्मेदारी है। खाड़ी देशों में एक करोड़ भारतीय रहते और काम करते हैं।

ईरान में भारतीय: ईरान में भी, कुछ हजार भारतीय पढ़ाई या नौकरी के लिए हैं। यह इलाका हमारी एनर्जी सिक्योरिटी के लिए बहुत जरूरी है और इसमें तेल और गैस के कई जरूरी सप्लायर शामिल हैं। सप्लाई चेन में रुकावटें और अस्थिरता गंभीर मुद्दे हैं। ▶10पर

एसिड पीड़ितों के पुनर्वास पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां) एसिड अटैक के पीड़ितों से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सरकारों को सख्त निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने दो-टूक कहा कि एसिड अटैक पीड़ितों को सरकारी नौकरी या गुजारा भत्ता दे। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से पूछा है कि पीड़ितों के पुनर्वास के लिए नौकरी की नीति अब तक क्यों नहीं बनी? ▶10पर

मोजतबा खामेनेई बने ईरान के नए सर्वोच्च नेता

नेतन्याहू के साथ सहमति के बाद ही रुकेगा हमला : ट्रंप

तेहरान, 09 नवंबर (एजेंसियां) इजरायल-अमेरिका का ईरान के साथ चल रहे युद्ध के बीच ईरान ने सोमवार को मोजतबा खामेनेई को अपना नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी (एमएनए) ने बताया, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान की विशेषज्ञों की परिषद (असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स) ने सोमवार तड़के अयातुल्ला सैय्यद मोजतबा खामेनेई को इस्लामिक क्रांति का तीसरा नेता घोषित किया। आठ सितंबर 1969 को मशहद में जन्मे मोजतबा खामेनेई, अली खामेनेई के दूसरे बेटे हैं। उनका चुनाव 88 सदस्यीय असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' ने किया। वह ईरान के राजनीतिक हलके में एक चर्चित शख्सियत हैं, तथा ईरान रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के बीच भी काफी लोकप्रिय हैं। यमन के हूती समूह ने मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किए जाने का स्वागत किया है और इसे ईरान के भीतर एकता और शक्ति का प्रतीक बताया है। ▶10पर

जर्मनी में इंसानों के लिए खतरा बने भेड़ियों को देखते ही गोली मारने के आदेश

बर्लिन, 09 मार्च (एजेंसियां)।

जर्मनी में पिछले तीन दशकों से संरक्षित भेड़ियों की बढ़ती आबादी अब इंसानों और पशुपालकों के लिए बड़ी मुसीबत बन गई है। इस समस्या से निपटने के लिए जर्मनी के निचले सदन (बुंडेस्टाग) ने एक ऐतिहासिक और कड़ा कानून पारित किया है, जिसके तहत अब भेड़ियों का शिकार करना कानूनी रूप से मान्य होगा। यह फैसला उन हजारों किसानों और ग्रामीणों के पक्ष में लिया गया है जो लंबे समय से इन शिकारी जानवरों के आतंक से जूझ रहे थे। चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लाए गए इस बिल को विपक्षी दलों का भी व्यापक समर्थन मिला है, जो दर्शाता है कि अब वन्यजीव संरक्षण और ग्रामीण सुरक्षा के बीच संतुलन बनाना अनिवार्य हो गया है।

आंकड़ों के अनुसार, अकेले वर्ष 2024 में भेड़ियों ने लगभग 4,300 पालतू जानवरों, जिनमें मुख्य रूप से भेड़, बकरियां और बछड़े शामिल थे, को अपना निवाला बनाया। क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन के नेताओं ने इस कानून की वकालत करते हुए कहा कि भेड़ियों की बढ़ती संख्या ने पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बिगाड़ दिया है और बेगुनाह मवेशियों की सुरक्षा के लिए यह कदम उठाना जरूरी था। नए कानून के तहत जर्मनी के सभी 16 राज्यों को यह अधिकार दिया गया है कि वे जुलाई से अक्टूबर के बीच उन क्षेत्रों में शिकार की अनुमति दे सकें जहां भेड़ियों का घनत्व बहुत अधिक है। विशेष रूप से उन भेड़ियों को किसी भी मौसम में मारने की अनुमति होगी जिन्होंने पहले कभी पालतू जानवरों पर हमला किया है। इस नीतिगत बदलाव के पीछे एक बेहद चर्चित व्यक्तिगत घटना भी जुड़ी हुई है। साल 2022 में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन के प्रिय पालतू टट्टू डाली को हनोवर के पास एक भेड़िये ने मार दिया था। इस हाई-प्रोफाइल घटना के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भेड़ियों के कंजर्वेशन स्टेटस की समीक्षा की मांग तेज हो गई। आखिरकार यूरोपीय संघ ने भी अपनी सुरक्षा रेटिंग में ढील दी, जिससे जर्मनी जैसे देशों के लिए शिकार को वैध बनाने का रास्ता साफ हो गया। इसे एक बड़े कूटनीतिक और नीतिगत बदलाव के तौर पर देखा जा रहा है जिसने दशकों पुराने संरक्षण नियमों को बदल दिया है। हालांकि, इस कानून को लेकर जर्मनी के भीतर विरोध के स्वर भी तेज हैं।

न्यूज ब्रीफ

अफगानिस्तान के विदेश मंत्री का पाकिस्तान पर गंभीर आरोप, आर्मी जनरलों ने खतरे में डाली इलाके की सुरक्षा

काबुल। पाकिस्तानी आर्मी जनरलों पर अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी ने गंभीर आरोप लगाया। स्थानीय मीडिया के अनुसार, अमीर खान मुत्तकी ने कहा कि आर्मी जनरलों ने देश के अंदरूनी मसलों को सुलझाने के बजाय पूरे इलाके की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। काबुल में विभिन्न देशों के राजदूतों के लिए आयोजित एक इफ्तार कार्यक्रम के दौरान मुत्तकी ने कहा कि पाकिस्तान के सैन्य नेतृत्व का अपने देश के सांसदों, धार्मिक नेताओं और जनता के साथ टकराव चल रहा है। उन्होंने कहा कि बातचीत करने के बजाय दबाव और टकराव के जरिए समस्याओं को हल करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस तरह का दबाव सिर्फ विरोध को और मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, अपने आंतरिक मुद्दों को सुलझाने के बजाय पाकिस्तानी जनरलों ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है। अफगानिस्तान की एरियाना न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, मुत्तकी ने कहा कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) कोई नया संगठन नहीं है और यह उस समय से सक्रिय है जब अफगानिस्तान में तालिबान सत्ता में नहीं आया था। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब पाकिस्तानी अधिकारी बार-बार यह दावा कर रहे हैं कि अफगानिस्तान में मौजूद कुछ समूह, खासकर टीटीपी, पाकिस्तान के अंदर होने वाले हमलों में शामिल हैं।

जब ईरान से अलग होकर बना था कुर्दों का स्वतंत्र देश, छोटा लेकिन प्रभावशाली

तेहरान। 1946 में ईरान के उत्तर-पश्चिमी शहर महाबाद में कुर्दों ने अपने स्वतंत्र राज्य, महाबाद गणराज्य या कुर्दिस्तान गणराज्य की स्थापना की थी। 22 जनवरी 1946 को कुर्द नेता काजी मुहम्मद ने इस गणराज्य की घोषणा की। काजी मुहम्मद लंबे समय से कुर्दों के सांस्कृतिक और राजनीतिक अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे थे और स्वतंत्र कुर्द राज्य आंदोलन के प्रमुख चेहरे बन चुके थे।
द्वितीय विश्व युद्ध के बाद क्षेत्र में बदलते भू-राजनीतिक हालात ने कुर्द आंदोलन को अवसर दिया। उस समय उत्तरी ईरान में सोवियत संघ की मौजूदगी थी, जिसका समर्थन कुर्द विद्रोहियों को मिला।इस समर्थन से कुर्दों ने महाबाद और आसपास के क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित किया और स्वतंत्र राष्ट्र की घोषणा कर दी। महाबाद गणराज्य में महाबाद, बुकान, पिरानशहर, उर्मिया और सलमास जैसे कुर्द बहुल क्षेत्र शामिल थे। इस छोटे राज्य ने सांस्कृतिक और सामाजिक सुधारों की शुरुआत की। कुर्द भाषा में शिक्षा को बढ़ावा मिला, साहित्यिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिला और महिलाओं की शिक्षा पर जोर दिया गया। गणराज्य की सैन्य शक्ति पेशमर्गा सेना थी। हालांकि, यह स्वतंत्रता लंबे समय तक कायम नहीं रह सकी।

कई पर्यटन स्थलों के नाम में छिपी है सच्ची कहानियां

तुर्कमेनिस्तान। दुनिया में कई पर्यटन स्थल ऐसे भी हैं जिनके नाम ही लोगों के दिल में दहशत भर देने के लिए काफी हैं। नरक का द्वार, भूतों का शहर और मौत की घाटी जैसे नाम सिर्फ रोमांच बढ़ाने के लिए नहीं रखे गए, बल्कि इन जगहों के पीछे ऐसे कुदरती हादसे, ऐतिहासिक घटनाएं और मानवीय गलतियां जुड़ी हैं। इन नामों के पीछे छिपे किस्से न केवल चौंकाते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि प्रकृति और इतिहास किस तरह किसी जगह की पहचान को बदल सकते हैं।
तुर्कमेनिस्तान के काराकुम रेगिस्तान में स्थित दरवाज़ा गैस क्रेटर को नरक का द्वार कहा जाता है। रेत के बीचों-बीच फैला यह विशाल जलता हुआ गड्ढा पिछले लगभग 50 वर्षों से लगातार आग उगल रहा है। इसकी शुरुआत 1971 में हुई, जब सोवियत वैज्ञानिक प्राकृतिक गैस की खोज के दौरान गलती से जमीन के भीतर मौजूद एक बड़े गैस भंडार को ध्वस्त कर बैठे। गैस के अनियंत्रित रूप से निकलने के खतरे को देखते हुए इंजीनियरों ने इसमें आग लगा दी, यह सोचकर कि गैस कुछ दिनों में खत्म हो जाएगी। लेकिन गैस का भंडार इतना विशाल था कि आग आज तक नहीं बुझी है। रात के समय इसका दृश्य किसी जलते हुए दरवाज़े या पाताल की आग जैसा प्रतीत होता है।

अमेरिका-दक्षिण कोरिया का फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास शुरू, बढ़ सकता है तनाव

सियोल, 09 मार्च (एजेंसियां)।

मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच कोरियाई प्रायद्वीप में भी तनाव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। यूएस और साउथ कोरिया ने सोमवार से संयुक्त सैन्य अभ्यास फ्रीडम शील्डशुरू कर दिया है। यह बड़ा सैन्य अभ्यास 19 मार्च तक चलेगा, जिसमें हजारों सैनिक और कई सैन्य इकाइयां शामिल होंगी। दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ्स आफ स्टाफ के अनुसार इस अभ्यास में लगभग 18 हजार दक्षिण कोरियाई सैनिक भाग ले रहे हैं। वहीं अमेरिकी सैनिकों की संख्या का खुलासा नहीं किया है। यह अभ्यास मुख्य रूप से कमांड पोस्ट और कंप्यूटर सिमुलेशन पर आधारित होता है, जिसके जरिए बदलते युद्ध परिदृश्यों और संयुक्त सैन्य रणनीतियों का परीक्षण किया जाता है।

इस संयुक्त अभ्यास के बीच दक्षिण कोरियाई मीडिया में यह चर्चा भी तेज है कि वाशिंगटन कुछ सैन्य संसाधनों को दक्षिण कोरिया से हटाकर मध्य-पूर्व क्षेत्र में तैनात कर रहा है। रिपोर्टों में कहा गया है कि कुछ अमेरिकी पैट्रियट एंटी-मिसाइल सिस्टम और अन्य सैन्य उपकरणों को संभावित रूप से ईरान के खिलाफ अभियान के लिए स्थानांतरित किया जा सकता है। हालांकि अमेरिकी सेना ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए इन दावों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने भी इन रिपोर्टों पर सीधा जवाब नहीं दिया, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि इससे दोनों देशों की संयुक्त रक्षा रणनीति पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ेगा।दूसरी ओर नोर्थ कोरिया लगातार इस तरह के सैन्य अभ्यासों का विरोध करता रहा है। उत्तर कोरिया का कहना है कि ये अभ्यास उसके खिलाफ संभावित हमले की तैयारी का हिस्सा हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने हाल ही में प्योंगयांग में आयोजित एक सम्मेलन के दौरान सियोल के प्रति कड़ा रुख दोहराया था, हालांकि उन्होंने अमेरिका के साथ बातचीत की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं की।

विश्लेषकों के अनुसार दोनों देशों के बीच तनाव पहले से ही बढ़ा हुआ है। 2019 में ट्रंप और किम जोंग उन के बीच हुई शिखर वार्ता विफल होने के बाद उत्तर कोरिया ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ अधिकांश वार्ताएं बंद कर दी थीं। इसके बाद से प्योंगयांग ने अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को तेज कर दिया है।

भारत-चीन को प्रतिद्वंद्वी नहीं साझेदार बनना चाहिएः वांग यी

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने भारत और चीन के संबंधों को लेकर महत्वपूर्ण बयान देते हुए कहा कि दोनों देशों को एक-दूसरे को प्रतिद्वंद्वी के बजाय साझेदार और खतरे के बजाय अवसर के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि एशिया के विकास और वैश्विक संतुलन के लिए दोनों देशों के बीच सहयोग और विश्वास बेहद जरूरी है। बता दें कि पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में सैन्य गतिरोध के कारण दोनों देशों के संबंध लगभग पांच वर्षों तक तनावपूर्ण रहे। हालांकि हाल की उच्च स्तरीय बैठकों के बाद संबंधों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई है। दोनों देशों ने वीजा और उड़ान सेवाओं को फिर से शुरू करने सहित कई कदम उठाए हैं, जिससे आपसी संबंधों में धीरे-धीरे सुधार देखा जा रहा है। बीजिंग में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा तय किए गए मार्ग पर चलकर ही दोनों देशों के संबंधों को स्थिर और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाया जा सकता है। वांग यी ने कहा कि हाल के वर्षों में दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच हुई बैठकों ने रिश्तों को सुधारने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष अगस्त में तियानजिन में मोदी और शी जिनपिंग की सफल मुलाकात हुई थी। इसके साथ ही वर्ष 2024 में कजान में हुई उनकी बैठक से शुरू हुई सकारात्मक पहल को आगे बढ़ाते हुए तियानजिन शिखर सम्मेलन ने दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूती दी है। वांग ने कहा कि इन बैठकों के बाद सभी स्तरों पर संवाद फिर से सक्रिय हुआ है और द्विपक्षीय व्यापार ने नया रिकार्ड भी बनाया है। साथ ही लोगों के बीच संपर्क और आदान-प्रदान भी बढ़ा है, जिससे दोनों देशों की जनता को ठोस लाभ मिल रहा है। वांग यी ने कहा कि भारत और चीन को भविष्य के संबंधों को लेकर सही रणनीतिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अच्छे पड़ोसी की तरह संबंध बनाए रखना चाहिए और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति तथा स्थिरता बनाए रखने के लिए संयुक्त रूप से काम करना चाहिए। उनके अनुसार, विकास और आर्थिक सहयोग पर ध्यान केंद्रित करना दोनों देशों के हित में है।

ईरानी मिसाइल हमले में भारतीय नागरिक की मौत की खबर खारिज, घायल का इलाज जारी

रियाद, 09 मार्च (एजेंसियां)।

ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच जारी भीषण संघर्ष के बीच भारत के लिए राहत की खबर आई है। रविवार को सऊदी अरब के अल खर्ज शहर पर ईरानी मिसाइल हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत की रिपोर्टें आई थीं, लेकिन इंडिया के रियाद स्थित दूतावास ने सोमवार को इसे पूरी तरह खारिज कर दिया। दूतावास ने बताया कि हमले में कोई भारतीय नागरिक नहीं मारा गया है और घायल व्यक्ति का इलाज जारी है। भारतीय मिशन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, राहत की बात है कि कल शाम अल खर्ज में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में किसी भारतीय की मौत नहीं हुई। दूतावास ने यह भी कहा कि वह सऊदी अधिकारियों के संपर्क में है और घटना की स्थिति पर करीब से नजर बनाए हुए है। घटना के तुरंत बाद काउंसलर वाय सबीर ने देर रात अल खर्ज का दौरा किया और घायल नागरिक से मुलाकात की। यह जानकारी उन प्रारंभिक रिपोर्टों के बाद आई है, जिनमें दावा किया गया था कि मिसाइल हमले में दो लोग मारे गए, जिनमें एक भारतीय और एक बांग्लादेशी शामिल थे। सऊदी सिविल डिफेंस के जनरल डायरेक्टरेट ने भी शुरुआत में दो विदेशी नागरिकों की मौत की बात कही थी। हालांकि अब यह स्पष्ट हो गया है कि भारतीय नागरिक सुरक्षित हैं।

इस बीच, सऊदी अरब में भारत के राजदूत सुहेल एजाज खान ने रविवार को भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से डिजिटल माध्यम से बात की और सहायता का भरोसा दिलाया। राजदूत ने कहा कि दूतावास जरूरतमंद नागरिकों को हरसंभव मदद प्रदान करने के लिए तैयार है। उन्होंने 24 घंटे सक्रिय नियंत्रण कक्ष की स्थापना और त्वरित सहायता की पहल के बारे में भी जानकारी दी। भारतीय मिशन ने अपने नागरिकों को सतर्क रहने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। लोगों से कहा गया है कि वे स्थानीय अधिकारियों की हिदायतों को ध्यानपूर्वक मानें और घबराएं नहीं। साथ ही, भारत और सऊदी अरब की एयरलाइन कंपनियों ने जेद्दा और मदीना में अपनी सामान्य उड़ानें फिर से शुरू कर दी हैं, जिससे नागरिकों को यात्रा में सुविधा मिल रही है।

ईरान-इजरायल संघर्ष लंबा खिंचा तो दुबई में पड़ जाएंगे खाने-पीने के लाले

रियाद। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और ईरान तथा इजरायल के बीच जारी संघर्ष का असर अब खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था और आपूर्ति व्यवस्था पर दिखाई देने लगा है। खासतौर पर दुबई में खाद्य आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई है। रिपोर्टों के अनुसार, शहर में ताजा फल और सब्जियों का भंडार सीमित रह गया है और यदि समुद्री व्यापार जल्द सामान्य नहीं हुआ तो स्थिति गंभीर हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि दुबई के पास ताजा खाद्य पदार्थों का केवल 8 से 10 दिन का स्टाक बचा था। बताया जा रहा है कि 7 मार्च तक यह भंडार घटकर करीब आठ दिनों का रह गया था। इसका मुख्य कारण स्ट्रैट आफ हार्मुज का बंद होना बताया जा रहा है, जो वैश्विक समुद्री व्यापार का एक अत्यंत महत्वपूर्ण मार्ग है। रिपोर्ट के अनुसार, विश्लेषक शनाका एंस्लेम परेरा ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लाजिस्टिक्स विशेषज्ञ स्टीफन पाल के बयान का हवाला देते हुए कहा, कि सप्लाई चेन डेटा के आधार पर दुबई में खाद्य भंडार सीमित अवधि के लिए ही उपलब्ध है।

काठमांडू की हवा प्रदूषित,एक्यूआई 200 के पास

काठमांडू, 09 मार्च (एजेंसियां)।

नेपाल की राजधानी काठमांडू इस समय गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में है। शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 200 के करीब पहुंच गया है। इस सूचकांक को बहुत अस्वस्थ की श्रेणी कहा जाता है।

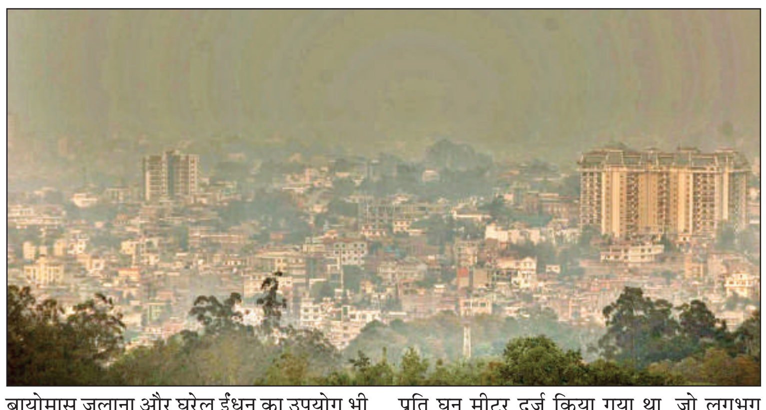

विशेषज्ञों के अनुसार हवा में मौजूद बेहद सूक्ष्म कण पीएण2.5 प्रदूषण का मुख्य कारण हैं। ये कण स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक होते हैं और खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों तथा पहले से बीमार लोगों के लिए गंभीर जोखिम पैदा करते हैं।

वातावरण विभाग के महानिदेशक ज्ञान राज सुवेदी ने बताया कि काठमांडू में खराब वायु गुणवत्ता के पीछे शहरी उत्सर्जन और प्रतिकूल मौसम की स्थिति दोनों जिम्मेदार हैं। शांत हवाएं और बारिश की कमी के कारण धुआं, धूल और अन्य प्रदूषक वातावरण में फैल नहीं पाते और घाटी में ही जमा हो जाते हैं।

उन्होंने कहा कि वाहनों से निकलने वाला धुआं, विशेष रूप से डीजल चालित वाहन जो तय मानकों से अधिक धुआं छोड़ते हैं, प्रदूषण का बड़ा स्रोत बन गए हैं। इसके अलावा औद्योगिक गतिविधियां, निर्माण कार्य से उठने वाली धूल, बायोमास जलाना और घरेलू ईंधन का उपयोग भी हवा को खराब कर रहे हैं।

वातावरण विभाग का मानना है कि काठमांडू के आसपास के क्षेत्रों से आने वाला प्रदूषण और मौसमी जंगल की आग भी स्थिति को और गंभीर बना रहे हैं। इसके अलावा तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण ऊर्जा खपत, परिवहन की मांग और औद्योगिक गतिविधियां बढ़ी हैं, जिससे पीएण2.5, कार्बन मोनोआक्साइड और नाइट्रोजन डाइआक्साइड जैसे प्रदूषकों की मात्रा में वृद्धि हो रही है।

आंकड़ों के अनुसार काठमांडू में प्रदूषण कोई नई समस्या नहीं है। वर्ष 2025 के आखिरी में शहर में पीएम2.5 का औसत स्तर 45.1 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज किया गया था, जो लगभग एक्यूआई 128 के बराबर है। यह स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तय वार्षिक सुरक्षित सीमा 5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से लगभग नौ गुना अधिक है। वर्तमान में काठमांडू दुनिया के सबसे अधिक प्रदूषित प्रमुख शहरों में तीसरे स्थान पर है। पिछले 30 दिनों से काठमांडू की वायु गुणवत्ता लगातार अस्वस्थ श्रेणी में बनी हुई है।

विशेषज्ञों ने लोगों को विशेष रूप से प्रदूषण के चरम समय में बाहर कम निकलने और सावधानी बरतने की सलाह दी है। मौसम में बदलाव और उत्सर्जन नियंत्रण उपायों के प्रभावी क्रियान्वयन के बाद ही आने वाले दिनों में वायु गुणवत्ता में धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद जताई जा रही है।

नेपाल : 165 सांसदों में 40 वर्ष से कम आयु के 60 युवा सांसदों की जीत

काठमांडू, 09 मार्च (एजेंसियां)।

नेपाल में प्रतिनिधि सभा चुनाव के तहत सोमवार तक घोषित 160 निर्वाचन क्षेत्रों के परिणामों के अनुसार नई संसद में 40 वर्ष से कम उम्र के सांसदों की संख्या 60 तक पहुंच गई है। हालांकि अभी 110 समानुपातिक सांसदों में भी कई युवा सांसदों के आने की उम्मीद है। नेपाल की कुल आबादी में 16 से 40 वर्ष आयु वर्ग की हिस्सेदारी लगभग 40.35 प्रतिशत है। वर्ष 2022 के प्रतिनिधि सभा चुनाव में 165 निर्वाचन क्षेत्रों में से 40 वर्ष से कम उम्र के केवल 10 उम्मीदवार ही जीत पाए थे। उस समय 70 वर्ष से अधिक उम्र के 14 सांसद निर्वाचित हुए थे, जबकि 40 से 70 वर्ष आयु वर्ग के सांसदों की संख्या सबसे अधिक (138) थी।

इस बार संसद में युवाओं की मजबूत मौजूदगी - हालांकि इस बार के चुनाव परिणामों ने संसद की उम्र संरचना में बड़ा परिवर्तन दिखाया है। अब तक घोषित परिणामों के अनुसार 40 वर्ष से कम उम्र के 60 उम्मीदवार प्रतिनिधि सभा के लिए निर्वाचित हो चुके हैं।इस वर्ग में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) का स्पष्ट वर्चस्व दिखाई दे रहा है। 60 में से 52 सांसद इसी पार्टी से चुने गए हैं, जबकि नेपाली से 4, सीपीएन यूएमएल से 2 और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी तथा श्रम संस्कृति पार्टी से एक-एक उम्मीदवार निर्वाचित हुए हैं।

25 वर्षीय प्रशांत सबसे युवा सांसद - मकवानपुर-2 से 25 वर्षीय प्रशांत उप्रेती इस बार के सबसे युवा प्रतिनिधि सभा सदस्य बने हैं। वो आरएसपी के तरफ से सांसद में निर्वाचित हुए हैं। इसके अलावा पूर्वी नवलपरासी-2 से 26 वर्षीय मनीष खनाल, कैलाली-2 से 26 वर्षीय केपी खनाल, रूपन्देही-2 से 28 वर्षीय सुलभ खरेल, सिरहा-1 से 28 वर्षीय बब्लु गुप्ता और झापा-1 से 29 वर्षीय निशा डांगी जैसे युवा नेता भी संसद में पहुंचे हैं। ये सभी आरएसपी से जीत कर आए हैं। इसी तरह काठमांडू-5 से 29 वर्षीय सस्मित पोखरेल, काठमांडू-1 से 30 वर्षीय रन्जु न्यौपाने, सिरहा-2 से 30 वर्षीय शिवशंकर यादव, चितवन-3 से 30 वर्षीय सोबिता गौतम, मोरंग-6 से 31 वर्षीय रुबिना आचार्य और प्युठान-1 से 31 वर्षीय सुशांत वैदिक भी आरएसपी से इसी युवा आयु वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं।

बालेन्द्र शाह भी युवा श्रेणी में - चुनाव से पहले प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बालेन्द्र शाह (बालेन) भी भी युवा समूह में आते हैं। 36 वर्षीय शाह ने झापा-5 से के पी शर्मा ओली को पराजित कर प्रतिनिधि सभा की सीट जीती है।

मध्यम आयु वर्ग और वरिष्ठ नेताओं की स्थिति - 51 से 60 वर्ष आयु वर्ग के 36 उम्मीदवार प्रतिनिधि सभा में निर्वाचित हुए हैं। इनमें से 28 रास्वपा से हैं, जबकि नेपाली कांग्रेस के 4 उम्मीदवार जीते हैं। इसके अलावा नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी और यूएमएल के दो-दो उम्मीदवार भी इसी आयु वर्ग में आते हैं। 60 वर्ष से अधिक आयु के उम्मीदवार अपेक्षाकृत कम संख्या में निर्वाचित हुए हैं। अब तक घोषित परिणामों के अनुसार इस आयु वर्ग के केवल 9 सांसद प्रतिनिधि सभा में पहुंचे हैं।

विश्लेषकों की राय - राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार संसद में युवाओं की बढ़ती भागीदारी उत्साहजनक संकेत है। हालांकि उनका कहना है कि यदि राजनीतिक शक्ति संतुलन नहीं बन पाया तो यह प्रभाव उतना मजबूत नहीं हो पाएगा। राजनीतिक विश्लेषक सुचेता प्याकुरेल के अनुसार नेपाल की संसदीय राजनीति में युवाओं की भागीदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है। 1991 में युवा प्रतिनिधित्व 5 प्रतिशत से भी कम था, जो संविधान सभा काल में 8-10 प्रतिशत तक पहुंच गया और हाल के वर्षों में लगभग 12 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। वहीं युवा राजनीतिक विश्लेषक नवीन तिवारी का कहना है कि संसद में युवाओं की बढ़ती मौजूदगी सकारात्मक संकेत जरूर है, लेकिन केवल उम्र के आधार पर बड़े बदलाव की उम्मीद करना सही नहीं होगा।

युवाओं की विकसित होती सोच देश की सबसे बड़ी ताकत : मोदी

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट के बाद आयोजित वेबिनार श्रृंखला के चौथे वेबिनार को संबोधित किया, जिसका विषय था सबका साथ सबका विकास – जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति। पीएम ने बजट घोषणाओं के प्रभावी कार्यान्वयन पर विचार-विमर्श करने के लिए विशेषज्ञों और नीति निर्माताओं का स्वागत किया। पीएम ने कहा, जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति मात्र एक विषय नहीं है। यह इस बजट का मूल उद्देश्य और इस सरकार का संकल्प है। पीएम मोदी ने विशेष रूप से उभरती 'देखभाल अर्थव्यवस्था' और वैश्विक स्तर पर देखभालकर्ताओं की बढ़ती मांग की ओर ध्यान आकर्षित किया और विशेषज्ञों से युवाओं को सशक्त बनाने के लिए नए प्रशिक्षण मॉडल विकसित करने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने कहा, मैं इस वेबिनार में उपस्थित स्वास्थ्य क्षेत्र के विशेषज्ञों से नए प्रशिक्षण मॉडल और साझेदारियों को विकसित करने के लिए सुझाव देने का आग्रह करूंगा ताकि देश में प्रशिक्षण व्यवस्था और भी मजबूत हो सके। प्रधानमंत्री ने दूरस्थ क्षेत्रों तक टेलीमेडिसिन की पहुंच की सफलता का उल्लेख किया। इसकी बढ़ती लोकप्रियता को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री ने उपयोगकर्ता अनुभव को और सरल बनाने तथा जन जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। पीएम मोदी ने कहा, मेरा मानना है कि टेलीमेडिसिन के बारे में जागरूकता और इसके उपयोग में आसानी बढ़ाने की अभी भी आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री ने भारत के युवाओं की विकसित होती सोच को देश की सबसे बड़ी ताकत बताया और इस भावना के अनुरूप शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि नई शिक्षा नीति एक ऐसे पाठ्यक्रम की नींव रखती है जो बाजार की मांगों और वास्तविक अर्थव्यवस्था, विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वचालन और डिजिटल अर्थव्यवस्था जैसे क्षेत्रों के अनुरूप होना चाहिए।

पीएम मोदी ने कहा, हमें अपनी शिक्षा प्रणाली को वास्तविक अर्थव्यवस्था से जोड़ने की प्रक्रिया को तेज करना होगा। शिक्षा, रोजगार और उद्यम के बीच संबंधों पर चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने ए.वी.जी.सी. (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स) क्षेत्र को बढ़ावा देने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने शैक्षणिक संस्थानों से अपने परिसरों को उद्योग सहयोग और अनुसंधान-आधारित शिक्षा के केंद्रों में बदलने का आह्वान किया ताकि छात्रों को आवश्यक वास्तविक दुनिया का अनुभव मिल सके।

मोदी ने कहा, मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि इस वेबिनार में, अपने परिसरों को उद्योग सहयोग और अनुसंधान-आधारित शिक्षा के केंद्रों के रूप में विकसित करने पर विचार-विमर्श अवश्य करें।

प्रधानमंत्री ने विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती संख्या पर गर्व व्यक्त किया और भविष्य की प्रौद्योगिकियों में बेटियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। युवा शोधकर्ताओं को बिना किसी बाधा के नवाचार और प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने वाले एक सशक्त अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र का आह्वान करते हुए पीएम मोदी ने कहा, हमें ऐसा अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र बनाना होगा जहां युवा शोधकर्ताओं को नए विचारों पर प्रयोग करने और काम करने का पूरा अवसर मिले।

रोजगार सृजन में पर्यटन और संस्कृति की क्षमता पर प्रधानमंत्री ने कहा कि पारंपरिक स्थलों से परे नए पर्यटन स्थलों का विकास किसी शहर की ब्रांडिंग और समग्र विकास को बढ़ावा देता है। अब हम देश में पर्यटन स्थलों को नए सिरे से विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। प्रशिक्षित गाइड, आतिथ्य कौशल, डिजिटल संपर्क और सामुदायिक भागीदारी हमारे पर्यटन क्षेत्र के स्तंभ बन रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि इसके साथ ही स्वच्छता और सतत प्रथाएं भी आवश्यक हैं। भारत को एक वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में मजबूत करने के लिए हम मिलकर काम कर रहे हैं, ऐसे में पर्यटन और संबंधित क्षेत्रों पर आपके सुझाव अत्यंत महत्वपूर्ण होंगे।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय प्रगति को गति देने के लिए संस्थानों, उद्योग और शिक्षा जगत के बीच तालमेल के महत्व पर प्रकाश डाला और विश्वास व्यक्त किया कि ये चर्चाएं भविष्य के लिए एक ठोस रूपरेखा प्रदान करेंगी और एक विकसित भारत की नींव को मजबूत करेंगी। प्रधानमंत्री ने कहा, ऐसे प्रयासों से एक विकसित भारत की नींव और मजबूत होगी।

नवीन ने राज्यसभा चुनाव के मद्देनजर तीन राज्यों के लिए पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की

नयी दिल्ली 09 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष नितिन नवीन ने बिहार, हरियाणा और ओडिशा में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किये हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने सोमवार को विज्ञप्ति जारी कर बताया कि श्री नवीन ने छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा को बिहार का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। वहीं, गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष सांघवी को हरियाणा की जिम्मेदारी सौंपी है। इसके साथ ही महाराष्ट्र सरकार के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले को ओडिशा का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।

गौरतलब है कि भाजपा ने चार मार्च को देश के छह राज्यों में होने वाले राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनाव के लिए नौ उम्मीदवारों के नानों की घोषणा की थी।

देश के 10 राज्यों में राज्यसभा की 37 सीटों के लिए 16 मार्च को मतदान होना है और नाम वापस लेने की अंतिम तिथि सोमवार (9 मार्च) है। राज्यसभा की कुल कुल 73 सीटों में से 26 सीटों पर उम्मीदवारों का निर्विरोध चुना जाना तय है, लेकिन तीन राज्यों की 11 सीटों के लिए सियासी घमासान है। जिन राज्यों में राज्यसभा का चुनाव होने वाला है, उनमें महाराष्ट्र, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, बिहार, असम, ओडिशा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा शामिल हैं। हरियाणा, ओडिशा और बिहार में निर्धारित सीटों से ज्यादा उम्मीदवार किस्मत आजमा रहे हैं, इसलिए अगर आज कोई उम्मीदवार अपना नाम वापस नहीं लेता है तो 16 मार्च को कड़ा चुनावी मुकाबला देखने को मिलेगा।

बिहार की जिम्मेदारी विजय शर्मा को

रायपुर, 09 मार्च (एजेंसियां)। राज्यसभा की रिक्त सीटों के लिए होने वाले चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। देश के 10 राज्यों की 37 सीटों पर 16 मार्च को मतदान प्रस्तावित है। इस चुनावी प्रक्रिया को सुव्यवस्थित तरीके से संचालित करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विभिन्न राज्यों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है।

पार्टी नेतृत्व ने छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा को बिहार में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी सौंपी है। उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा को भी पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है।

बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए चुनाव होना है, जहां कुल छह उम्मीदवार मैदान में हैं। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, पूर्व विधायक शिवेश कुमार तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा के उपेंद्र कुशवाहा ने नामांकन दाखिल किया है। वहीं, राष्ट्रीय जनता दल ने एडी सिंह को अपना प्रत्याशी बनाया है।

पांचवीं सीट को लेकर मुकाबला रोचक हो गया है, जिसके चलते चुनाव की स्थिति बन गई है। इसी परिप्रेक्ष्य में भाजपा ने चुनाव प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए अपने वरिष्ठ नेताओं को पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी दी है।

पार्टी ने हरियाणा के लिए गुजरात के उप मुख्यमंत्री हर्ष सांघवी को केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया है, जबकि ओडिशा में महाराष्ट्र सरकार के मंत्री चन्द्रशेखर बावनकुले को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि इन नियुक्तियों से चुनावी प्रक्रिया में समन्वय और निगरानी मजबूत होगी।

पश्चिम एशिया संकट पर लोकसभा में चर्चा कराने की मांग

नयी दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने पश्चिम एशिया संकट के कारण भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर बढ़ रहे प्रभाव पर लोकसभा में चर्चा कराने के लिए स्थगन प्रस्ताव का नोटिस दिया है। उन्होंने सदन का कामकाज स्थगित कर इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर तत्काल चर्चा कराने की मांग की है।

अपने नोटिस में वेणुगोपाल ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव, भारत की अर्थव्यवस्था, रणनीतिक हितों और विदेशों में रह रहे भारतीय नागरिकों के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा कर रहा है। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 55 प्रतिशत हिस्सा इसी क्षेत्र से आयात करता है, ऐसे में क्षेत्र में अस्थिरता ऊर्जा आपूर्ति और आर्थिक स्थिरता पर असर डाल सकती है।

उन्होंने कहा कि क्षेत्र में जारी संघर्ष और तनाव के कारण वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ी है। साथ ही वैश्विक तेल कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई और आम लोगों की जीवन-यापन लागत पर भी असर पड़ सकता है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में संसद में इस मुद्दे पर व्यापक चर्चा जरूरी है, ताकि भारत की ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री मार्गों की स्थिरता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए ठोस रणनीति तैयार की जा सके।

कोलकाता में कालीघाट मंदिर के बाहर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को काले झंडे दिखाये गये

कोलकाता, 09 मार्च (एजेंसियां)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को सोमवार सुबह कोलकाता के कालीघाट काली मंदिर के अपने दौरे के दौरान विरोध प्रदर्शनों का सामना करना पड़ा। जब श्री कुमार मंदिर में पूजा करने पहुंचे तो प्रदर्शनकारियों का एक समूह मंदिर के बाहर जमा हो गया और वापिस जाओ के नारे लगाते हुए उन्हें काले झंडे दिखाए।यह विरोध प्रदर्शन कालीघाट इलाके में हुआ, जो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से जुड़ा इलाका है। श्री कुमार, राज्य के मुख्य चुनाव आयुक्त मनोज कुमार अग्रवाल के साथ विरोध प्रदर्शनों के बीच मंदिर में चले गये। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया है कि मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान अनेक मतदाताओं के नाम मनमाने ढंग से मतदाता सूची से हटा दिए गए थे और उन्होंने इसे लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ रोष व्यक्त किया। नारेबाजी के

बावजूद श्री कुमार ने मंदिर का दौरा जारी रखा और बाद में उन्होंने पत्रकारों से थोड़ी देर बात की, लेकिन इन विरोध प्रदर्शनों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं की।

वहां से निकलने से पहले उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल के सभी भाइयों और बहनों को मेरा नमस्कार। माँ काली सभी पर कृपा करें। चुनाव आयोग सूत्रों के मुताबिक,श्री कुमार ने पश्चिम बंगाल के लोगों की भलाई के लिए मंदिर में प्रार्थना की और राज्य में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चत करने के लिए आयोग के संकल्प को दोहराया। उन्होंने कहा कि आने वाले चुनाव बिना किसी डर के माहौल में कराए जाएंगे। गौरतलब है कि चुनाव आयोग की पूरी पीठ रविवार रात तीन दिन के दौरे पर कोलकाता पहुंची। श्री कुमार के अलावा, इस दल में चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी शामिल हैं।

आयोग का अलग-अलग राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करने का कार्यक्रम है। इसके बाद आयोग चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए चीफ सेक्रेटरी और पुलिस महानिदेशक तथा राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मिलेगा। श्री कुमार अपने दौरे के दौरान बेलूर मठ भी जा सकते हैं। रविवार रात जब श्री कुमार और उनकी टीम शहर पहुंची तो विरोध प्रदर्शन शुरू हो चुके थे। नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनेशनल एयरपोर्ट से न्यू टाउन में उनके होटल तक के रास्ते में प्रदर्शनकारियों ने काले झंडे दिखाए और वापस जाओ के नारे लगाए।

सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और वाम पार्टियों के समर्थकों ने अलग-अलग विरोध प्रदर्शन किए, जिसमें वाम कार्यकर्ताओं ने वोटर नहीं, तो वोट नहीं जैसे नारे लगाए।

नेशनल हेराल्ड केस: सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ ईडी पर याचिका पर सुनवाई 20 अप्रैल को

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)। नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर सुनवाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने 20 अप्रैल के लिए निर्धारित किया है। ईडी ने दिल्ली हाईकोर्ट में राऊज एवेन्यू कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया गया। सोमवार को दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में सुनवाई की अगली तारीख 20 अप्रैल

तय की। दरअसल, यह हाई-प्रोफाइल मामला उन आरोपों से संबंधित है, जिनमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने नेशनल हेराल्ड अखबार के मूल प्रकाशक एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की 2,000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति पर अवैध रूप से कब्जा करने के लिए साजिश रची। उन्होंने यंग इंडियन के माध्यम से मात्र 50 लाख रुपए की मामूली रकम का भुगतान किया, जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी शेयरधारक हैं।

ईडी की ओर से दाखिल चार्जशीट में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे, सुनील भंडारी, साथ ही यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड को आरोपी बनाया गया। एजेंसी का आरोप है कि इन लोगों ने मिलकर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की 2,000 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्तियों को गलत तरीके से अपने कब्जे में लिया।

ईडी का दावा है कि जांच के दौरान फर्जीवाड़े और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े अहम सबूत सामने आए। एजेंसी के अनुसार, एजेएल की संपत्तियों को बेहद कम कीमत पर हासिल करने की साजिश रची गई और इसके जरिए अवैध रूप से लाभ उठाया गया।

दिसंबर 2025 में राऊज एवेन्यू कोर्ट ने नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और दूसरों के खिलाफ चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने अपने आदेश में यह साफ किया था कि ईडी चाहे तो इस मामले में आगे जांच जारी रख सकती है। इसी आदेश के खिलाफ ईडी ने हाईकोर्ट का रुख किया।

इंडिगो की मैनचेस्टर जा रही उड़ान आधे रास्ते से दिल्ली लौटी

नयी दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)। इंडिगो की दिल्ली से मैनचेस्टर जा रही उड़ान को हवाई क्षेत्र संबंधी प्रतिबंध के कारण आधे रास्ते से वापस लौटना पड़ा।

एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने बताया कि उड़ान संख्या 6ई 033 ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से ब्रिटेन के मैनचेस्टर के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन अंतिम समय में हवाई क्षेत्र संबंधी प्रतिबंधों के कारण उसे रास्ते से दिल्ली वापस लौटना पड़ा।

दिल्ली पुलिस नौजवान की लाश पर भाजपा के लिए कर रही है दलाली : आप

नयी दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) ने उत्तम नगर में एक युवक तरुण की हत्या के मामले में कहा है कि दिल्ली पुलिस एक नौजवान की लाश पर भाजपा की दलाली कर रही है।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पुलिस द्वारा मृतक के परिजन से मिलने से रोकने पर सोमवार को कहा कि दिल्ली पुलिस एक नौजवान की लाश पर भाजपा की दलाली कर रही है। होली के दिन तरुण की हत्या कर दी गई और हम उनके परिजन से मिलकर सांत्वना देने जा रहे थे, लेकिन पुलिस ने हमें मिलने नहीं दिया।

जबकि हमारे सामने ही पुलिस ने भाजपा के 20 लोगों को मिलने के लिए जाने दिया। दिल्ली पुलिस के बेचारे सिपाहियों को आगे कर दिया जाता है और पीछे से पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा षड्यंत्र रचते हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने फिर बढ़ाया भारत का मान

ऑस्कर 2026 की प्रेजेंटर्स लिस्ट में शामिल हुआ अभिनेत्री का नाम

बॉलीवुड की 'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा जोनस हॉलीवुड में काफी समय से काम कर रही हैं। वहीं, 98वें अकादमी अवॉर्ड्स में वह पुरस्कार प्रदान करने वालीं प्रस्तुतकर्ताओं की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। इस बात की पुष्टि अभिनेत्री ने खुद सोशल मीडिया के जरिए की। प्रियंका चोपड़ा ने शुक्रवार को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया। इसमें उनके नाम के साथ प्रस्तुतकर्ता के भी नाम शामिल हैं। अभिनेत्री ने लिखा, 2026 अकादमी अवॉर्ड्स। प्रियंका के साथ इस लिस्ट में रॉबर्ट डाउनी जूनियर, ऐनी हैथवे, विल अर्नेट, ग्वेनेथ पाल्ट्रो और पॉल मेस्कल जैसे बड़े नाम शामिल हैं। ये सितारे समारोह में मंच पर आएंगे और विभिन्न श्रेणियों के प्रतिष्ठित पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित करेंगे।

पोस्ट शेयर करने के बाद प्रियंका के इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। मशहूर स्टैंडअप कॉमेडियन जाकिर खान ने कमेंट सेक्शन पर लिखा, बधाई हो। आप सच में हीरो हैं।

अकादमी अवॉर्ड्स फिल्म जगत में कलात्मक और तकनीकी के लिए दिए जाने वाला दुनिया का सबसे सम्मानित पुरस्कार है। इसे एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा प्रदान किया जाता है। यह लॉस एंजिल्स में स्थित एक पेशेवर मानद संगठन है, जो सिनेमाई उपलब्धियों में उत्कृष्टता को मान्यता देता है। यह सम्मान फिल्म उद्योग में उत्कृष्ट निर्देशकों, कलाकारों और लेखकों को प्रतिवर्ष दिया जाता है। पहली बार 1929 में शुरू हुए ये अवॉर्ड्स मनोरंजन उद्योग के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित आयोजनों में शुमार हैं।

प्रियंका जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आएंगे। फिल्म के जरिए प्रियंका 7 साल बाद घर वापसी कर रही हैं और वे महेश बाबू के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखेंगी। साथ ही, यह एसएस राजामौली का प्रोजेक्ट है, जो कभी भी अपनी कहानी कहने के अंदाज से दर्शकों को निराश नहीं करते हैं। ये सब देखते हुए फैंस के बीच उत्साह चरम पर है।

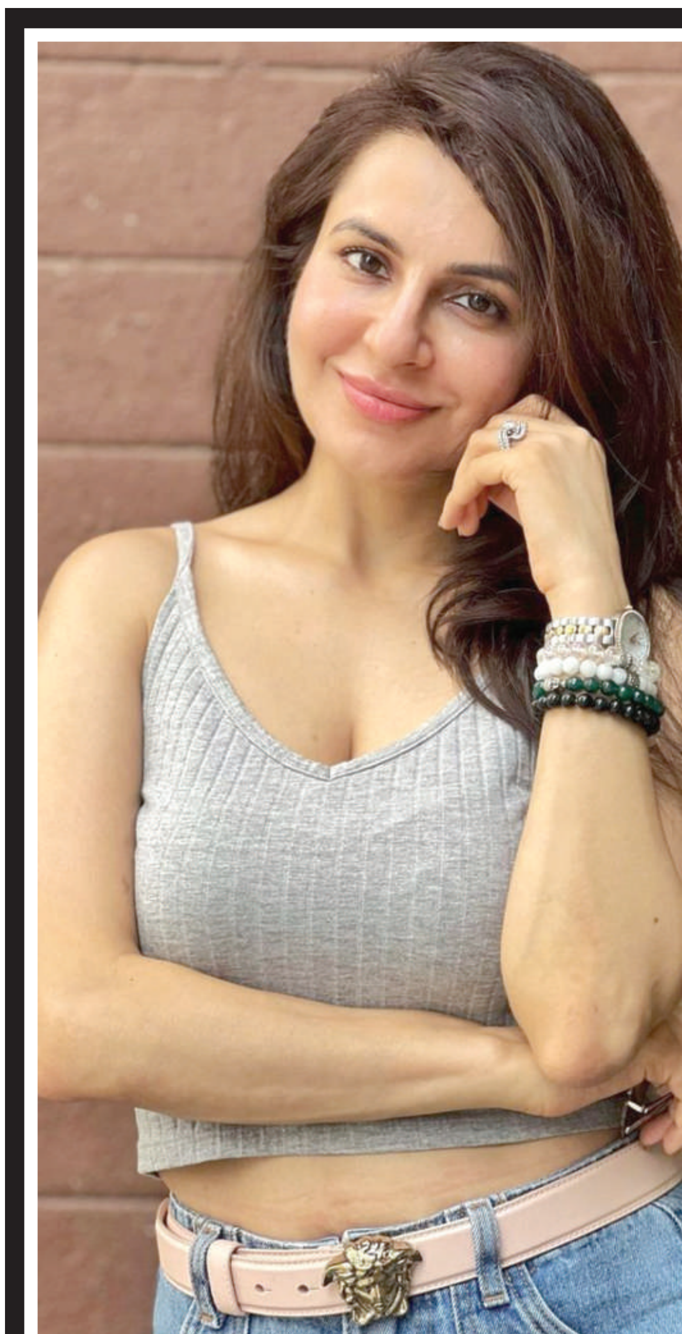

प्रकाश झा की सीरीज संकल्प से करेंगी डेब्यू

टीवी के बाद अब ओटीटी पर जादू बिखेरेंगी रूप दुर्गापाल

स्वरागिनी, 'कुछ रंग प्यार के ऐसे भी,' और 'बालवीर' जैसे कई धारावाहिकों में काम कर घर-घर में अपनी पहचान बना चुकी अभिनेत्री रूप दुर्गापाल अब ओटीटी डेब्यू करने जा रही हैं। दरअसल, अभिनेत्री जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'संकल्प' में नजर आएंगी। इस सीरीज में वे अभिनेता मोहम्मद जीशान अय्यूब की पत्नी माधुरी के किरदार में हैं। रूप ने अपने को-स्टार जीशान के अभिनय की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, जीशान बहुत ही शानदार अभिनेता है। एनएसडी से पढ़ाई करने और फिल्मों-वेब सीरीज में इतना अनुभव होने के कारण उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। उनके सीन्स को देखने का नजरिया, भाषा पर अच्छी पकड़ और एनर्जी ने मेरे साथ के सीन को बेहतर बनाया। मैं हर दिन सेट पर उनके आने का इंतजार करती थी।

अभिनेत्री ने आगे सीरीज की पूरी टीम की सराहना की। उन्होंने बताया कि शानदार कलाकारों के साथ काम करना ही उन्हें इस प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए उत्साहित कर रहा था। अभिनेत्री ने कहा, जब सबके पास अच्छा काम होता है, तो सेट पर और बाहर भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। नाना पाटेकर सर और प्रकाश सर के साथ काम करना एक्टिंग, फिल्म बनाने और जिंदगी के कई पहलुओं को समझने जैसा था। मेघना मलिक से भी बहुत कुछ सीखा। हम लंच और डिनर के दौरान भी खूब बातें करते थे। वे न सिर्फ बेहतरीन एक्टर हैं, बल्कि बहुत अच्छे इंसान भी हैं।

उन्होंने आगे बताया कि सीरीज के लिए उन्हें ऑफर कैसे मिला था। उन्होंने बताया, साल 2019 तक मैंने टेलीविजन से आगे जाने के बारे में ज्यादा नहीं सोचा था, लेकिन कोविड के दौरान सब कुछ बदल गया। लोगों को जाते देखकर मुझे एहसास हुआ कि जिंदगी बहुत छोटी है। कुछ भी कहा नहीं जा सकता। तब मैंने फैसला लिया कि अब उन चीजों को आजमाना है जिनसे पहले डर लगता था।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा की रहने वाली अभिनेत्री रूप ने सिल्वर स्क्रीन पर परफॉर्म करने के अलावा, थिएटर में भी काम किया, जो उनके लिए नया था। उन्होंने थिएटर को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए बताया, बिना कट, रीटेक के, महीनों रिहर्सल करके स्टेज पर परफॉर्म करना काफी अजीब था, लेकिन जिंदगी की अनिश्चितता ने मुझे हिम्मत दी। स्टेज पर खड़े होकर बिना किसी डर के परफॉर्म करना शानदार अनुभव था। इसी हिम्मत ने मुझे टीवी से आगे बढ़कर वेब सीरीज में आने की ताकत दी। अभिनेत्री का मानना है कि हर किसी का सफर अलग होता है और सब कुछ अपने सही समय पर ही होता है।

उन्होंने कहा, शायद मेरा सफर ऐसा ही होना था। सालों की संख्या मायने नहीं रखती। मैं बहुत खुश हूं कि यह सब अपने आप हुआ। सीरीज का निर्देशन प्रकाश झा ने किया है। रूप ने निर्देशक की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, प्रकाश सर के साथ काम करना किसी बड़े संस्थान में पढ़ाई करने जैसा था। साथ ही काम में मजा भी आता था और यादगार पल भी बनते थे।

जिंदगी से जिंदगी ही है निजात बिग बी ने बयां किया रात के सन्नाटे का सुकुन

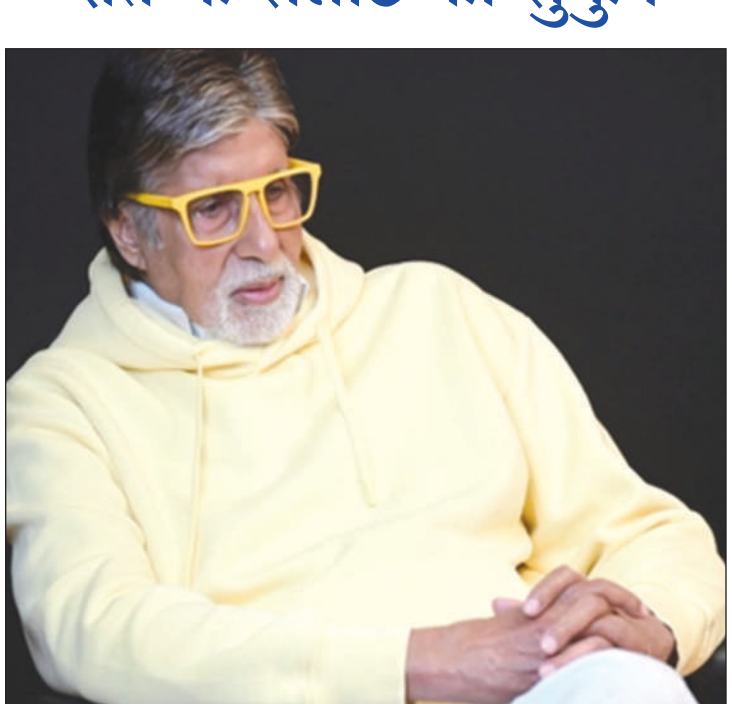

अभिनेता अमिताभ बच्चन अक्सर अपने पिता हरिवंश राय बच्चन की लिखी कविताओं को अपने भाव के साथ शब्दों के जरिए ब्लॉग में उतारते रहते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने अपने बाबूजी से प्रेरित अपने मन के भाव ब्लॉग में उतारे हैं। अभिनेता अमिताभ बच्चन ने रात के सन्नाटे की सुंदरता को खूबसूरती से बयां किया है। उन्होंने अपने ब्लॉग में मुंबई की रात की खास शांति पर दिलचस्प बात लिखी है। उन्होंने ब्लॉग में लिखा कि मुंबई जैसे व्यस्त शहर में भी रात के समय एक अजीब-सी शांति छा जाती है। दिनभर की भागदौड़ के बाद रात में सड़कें खाली हो जाती हैं और चारों तरफ गहरा सन्नाटा सा छा जाता है। उन्होंने लिखा, मुंबई की यह शांति कई लोगों को डरावनी लगती है लेकिन मेरे लिए इसमें एक अलग तरह की हैरानी और खूबसूरती छिपी हुई है। उन्होंने देर रात का किस्सा साझा करते हुए लिखा, अभी मैं यह सब लिख ही रहा था कि एक गाड़ी सड़क के गड्ढे से टकराई और वह सन्नाटा टूट गया। रात 1 बजे अक्सर किसी तेज बाइक के एग्जॉस्ट की आवाज सुनाई देती है। शायद कोई व्यक्ति देर रात काम से लौट रहा हो या नई शिफ्ट के लिए जा रहा हो। ये छोटी-छोटी आवाजें रात की खामोशी को और गहरा बनाती हैं।

अमिताभ ने आगे आसमान के रंग की खूबसूरती को अपने शब्दों में बयां किया। उन्होंने लिखा, इन दिनों मुंबई का आसमान पहले से ज्यादा नीला और साफ दिख रहा है। कई दिनों से ऐसा ही चल रहा है। निर्माण कार्यों के दौरान पानी का छिड़काव किया जाता है, जिससे धूल जमीन पर बैठ जाती है और हवा स्वच्छ हो जाती है। बरसात के दिनों में भी प्रदूषण कम हो जाता है क्योंकि बारिश धूल-मिट्टी को धोकर साफ कर देती है। साथ ही, मुंबई समुद्र के किनारे बसा होने से समुद्री हवाएं वातावरण को तरोताजा रखती हैं।

उन्होंने कहा कि प्रकृति सबसे बेहतरीन दवा है। आखिरकार दवाइयां और रसायन भी तो हमें प्रकृति से ही मिले हैं। जीवन में सब कुछ चलता रहता है। कभी लेना-देना, व्यवस्था, अव्यवस्था, कभी शोर और कभी सन्नाटा। उन्होंने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा, जिंदगी से जिंदगी ही है निजात।

रणदीप हुड्डा और लिन लैशराम ने कराया मैटरनिटी फोटोशूट

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा और उनकी पत्नी लिन लैशराम ने अपने पहले बच्चे का स्वागत करने से पहले मैटरनिटी फोटोशूट कराया। इस फोटोशूट में कपल की खुशी, रोमांस और भावनाओं की झलक दिखाई दे रही है। रणदीप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए अपने फैंस के साथ इस खूबसूरत पल को साझा किया। तस्वीरों में रणदीप और लिन दोनों ही बेहद खुश नजर आ रहे हैं।

फोटोशूट में कपल बेहद सादी आउटफिट पहने हुए हैं। रणवीर जहां ब्राउन कलर की टी-शर्ट में नजर आ रहे हैं तो वहीं लिन लैशराम वाइट कलर की ड्रेस में दिख रही है। कुछ तस्वीरों में रणदीप ने लिन के बेबी बंप पर प्यार से हाथ रखा और कैमरे के लिए पोज दे रहे हैं। एक तस्वीर में दोनों एक-दूसरे को प्यार भरी मुस्कान के साथ देख रहे हैं।

रणदीप हुड्डा के इस पोस्ट पर फैंस ने जमकर कमेंट किए। एक यूजर ने लिखा, रणदीप भैया, आपकी और लिन की जोड़ी हमेशा सुपर क्यूट लगती है। दूसरे यूजर ने लिखा, बेबी के आने की खुशी साफ झलक रही है, गॉड ब्लेस। अन्य यूजर्स ने लिखा, इतना रोमांटिक पोस्ट दिल को छू गया। लिन बहुत खूबसूरत लग रही हैं, और रणदीप भैया, आप भी कम नहीं। बेबी जल्दी आए, और दोनों को ढेर सारा प्यार और खुशियां मिलें। लिन बहुत ग्लो कर रही हैं, और रणदीप भैया भी बहुत खुश नजर आ रहे हैं। रणदीप और लिन ने 29 नवंबर 2023

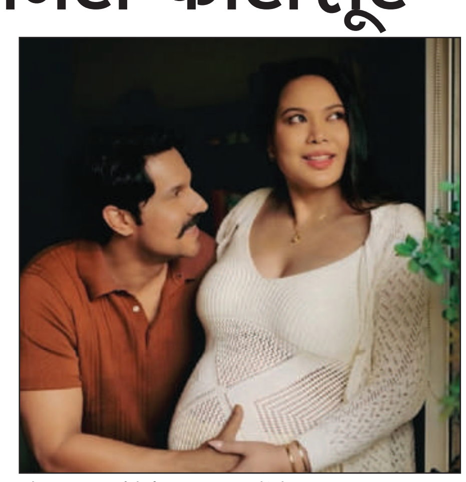

को मणिपुरी मैतेई रीति-रिवाजों के साथ शादी की थी। दोनों ने परिवार के करीबी सदस्यों और दोस्तों के बीच शादी की रस्मों को पूरा किया था। कपल की पहली मुलाकात 2011 में नसीरुद्दीन शाह के थिएटर में हुई थी। वहां दोनों की दोस्ती की शुरुआत हुई। वे थिएटर में लिन के सीनियर थे और बहुत मदद भी करते थे, और उनके अच्छे व्यवहार के कारण ही लिन भी उन्हें पसंद करने लगी।रणदीप और लिन ने शादी से पहले कई सालों तक एक-दूसरे को डेट किया था। हालांकि, कल्चर अलग होने की वजह से परिवार काफी समय तक शादी के खिलाफ था, लेकिन परिवार को मनाने के बाद कपल ने शादी कर ली।

निरहुआ की फिल्म फसल इस दिन होगी यूट्यूब पर रिलीज

भोजपुरी सिनेमा अक्सर ग्रामीण मुद्दों से जुड़ी फिल्में लेकर आती रहती है। इसी कड़ी में अभिनेता दिनेश लाल यादव निरहुआ एक ऐसी ही फिल्म 'फसल' लेकर आ रहे हैं। यह फिल्म किसानों की जिंदगी, उनकी फसलों की मुश्किलों, बिचौलियों की लूट और समाज में उनकी अनदेखी को दिखाती है। शनिवार को मेकर्स ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि अब वे इसका वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर करने जा रहे हैं। उन्होंने फिल्म का क्लिप शेयर कर लिखा, फिल्म 'फसल' का डिजिटल प्रीमियर पहली बार यूट्यूब पर होगा। यह प्रीमियर 8 मार्च को सुबह 6 बजे शुरू होगा। फिल्म में निरहुआ एक किसान के किरदार में नजर आएंगे, जो बिचौलियों और सिस्टम से जूझते दिखते हैं। आम्रपाली दुबे भी मजबूत भूमिका में हैं। निर्देशक पराग पाटिल ने इस फिल्म के जरिए सामाजिक मुद्दों को संवेदनशील तरीके से उठाया है।

हालांकि, फिल्म पहले टीवी और थिएटर पर प्रसारित की जा चुकी है और अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आने से यह और ज्यादा दर्शकों तक पहुंचेगी। निरहुआ और आम्रपाली की जोड़ी को दर्शक बहुत पसंद करते हैं। यह फिल्म न सिर्फ मनोरंजन देगी, बल्कि किसानों के मुद्दों पर भी सोचने पर मजबूर करेगी।'फसल' के गीत अरविंद तिवारी, प्यारेलाल यादव, विमल बावरा और विजय चौहान ने लिखे हैं। फिल्म के गाने आलोक कुमार, कल्पना पटवारी, नीलकमल सिंह, प्रिया सिंह राजपूत, ममता राउत और शिल्पी राज जैसे मशहूर गायकों ने गाए हैं।

श्रेयस फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले इस फिल्म के निर्माता प्रेम राय हैं, जबकि सह-निर्माता सतीश आशवानी हैं। फिल्म का निर्देशन प्रतिभाशाली पराग पाटिल ने किया है, जिन्होंने इसकी कहानी भी लिखी है। संवाद लेखन का जिम्मा राकेश त्रिपाठी ने संभाला है। फिल्म की सिनेमेटोग्राफी साहिल जे. अंसारी ने की है।

एक पखवाड़े में दो ग्रहण का लगना अशुभ संकेत

सूर्य-चंद्र ग्रहण का पड़ेगा व्यापक प्रभाव

साल 2026 का पहले सूर्य ग्रहण 17 फरवरी को लगा और साल का पहला चंद्र ग्रहण 3 मार्च को फाल्गुन शुक्ल की पूर्णिमा तिथि पर लगा। एक पखवाड़े (15 दिनों) में दो ग्रहण (सूर्य और चंद्र) का होना ज्योतिषीय रूप से अशुभ माना जाता है, जो महाभारत काल की तरह वैश्विक अशांति, युद्ध और प्राकृतिक आपदा के संकेत देता है। यह स्थिति देश–दुनिया में राजनीतिक तनाव, आर्थिक उथल–पुथल, और स्वास्थ्य संकट में वृद्धि का कारण बन सकती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर – जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि साल 2026 में यह अजीब संयोग बन रहा है कि सिर्फ 15 दिन के अंतराल में ही दो ग्रहण लगे। साल 2026 का पहले सूर्य ग्रहण 17 फरवरी को लगा और साल का पहला चंद्र ग्रहण फाल्गुन शुक्ल की पूर्णिमा तिथि पर 3 मार्च को लगा। हिंदू धर्म में सूर्य ग्रहण हो या चंद्र ग्रहण, दोनों को भी अशुभ माना गया है। देशों के बीच युद्ध होगा। आतंकवाद का सफाया होगा। सेना की हलचल बढ़ेगी। बता दें साल 2025 की शुरुआत में भी 15 दिन के अंतराल में चंद्र ग्रहण और सूर्य ग्रहण लगा था। धुलंडी यानी होली के दिन 14 मार्च 2025 को चंद्र ग्रहण लगा था और ठीक 15 दिन बाद 29 मार्च 2025 को सूर्य ग्रहण लगा था। इससे पहले साल 2022 में 25 अक्टूबर 2022को सूर्य ग्रहण और 8 नवंबर 2022को चंद्र ग्रहण था। साल 1979 में 22 अगस्त 1979को सूर्य ग्रहण और 6 सितंबर 1979 को चंद्र ग्रहण हुआ था। ठीक ऐसा ही योग इस साल भी बना है।

ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि बीती 17 फरवरी को साल 2026 का पहला सूर्य ग्रहण लगा था और इसके कुछ दिन बाद ही इजरायल, ईरान, अमेरिका और मिडिल ईस्ट के कई देशों में जंग छिड़ गई है। ईरान के सुप्रीम लीडर खामनेई की मौत के बाद अब मध्य पूर्व में इजरायल, ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता सैन्य तनाव अब कई अन्य देशों की भागीदारी के कारण व्यापक रूप ले चुका है। रूस और यूक्रेन का युद्ध पहले से ही चल रहा है, वहीं यूरोप के कुछ देश और खाड़ी क्षेत्र भी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से इस संघर्ष से जुड़े हुए हैं। साल का पहला चंद्र ग्रहण फाल्गुन पूर्णिमा मंगलवार 3 मार्च 2026 को लगा। यह खण्डग्रास चंद्र ग्रहण था। यह ग्रहण भारत के साथ साथ एशिया, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका जैसे कई देशों में इसको देखा गया। चूंकि भारत में यह ग्रहण दिखेगा, इसलिए यहां इसका सूतक काल भी मान्य था। इसके बाद से मिसाइल हमले, सीमाई झड़पें या अचानक सैन्य कार्रवाई की संभावना बढ़ गई।

होलिका दहन, चंद्र ग्रहण सूर्य, मंगल और राहु की युति, रौद्र संवत्सर यह सब स्थितियां शुभ नहीं है। भूकंप, वायुयान दुर्घटना, प्राकृतिक आपदा, महामारी और सबसे विशेष बात किसी महत्वपूर्ण राजनेता के जीवन पर अचानक संकट आम जनमानस को स्तब्ध कर देगा। भारत के पड़ोसी देशों द्वारा षड्यंत्र और किसी आतंकवादी हमले की प्रबल संभावना है। ऐसी विषम परिस्थितियों में आम जनमानस को अपने इष्ट से प्रार्थना करनी चाहिए कि सर्वत्र शांति बनी रही। भारत के धर्म की मूल भावना भी यही शिक्षा देती है कि विश्व का कल्याण हो प्राणियों में सद्भावना हो।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

घटनाएं दे रही हैं संकेत

दूसरी स्थिति होली के पहले कुंभ राशि में 23 फरवरी 2026 से सूर्य, मंगल, बुध, शुक्र और राहु की युति से एक शक्तिशाली पंचग्रही योग बना है। सूर्य, मंगल और राहु की युति कभी शुभ फल नहीं देती। दिसंबर 2019 में दिसंबर में धनु राशि में छः ग्रह एक साथ आये थे,और सूर्य ग्रहण भी था। इसके बाद भारत सहित दुनिया ने कोविड का कठिन दौर झेला था। इस वर्ष भी एक पखवाड़े में दो ग्रहण और कुंभ राशि में बन रही ग्रहों की यह स्थितियां पूरे विश्व में हलचल पैदा कर गई। विश्व में युद्ध की स्थिति बनेगी जिसमें कई देश प्रभावित होंगे। कुंभ राशि में राहु, मंगल और सूर्य की युति विध्वंसकारी योग बनाएगा, कई देशों की सत्ता और शासन हिल जायेगा, वैश्विक स्तर पर यह योग विनाशकारी साबित होगा।

राहु–मंगल योग

इस समय राहु और मंगल का प्रभाव अत्यंत महत्वपूर्ण है। मंगल सेना, अग्नि, युद्ध और आक्रामकता का कारक है, जबकि राहु विस्फोट, भ्रम, अचानक घटनाओं और रणनीतिक छल का प्रतीक है। 23 फरवरी से सक्रिय यह योग 2 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा। यह योग युद्ध को सीमित रखने के बजाय विस्तार देने की प्रवृत्ति रखता है। इजरायल और ईरान के बीच प्रत्यक्ष टकराव और अमेरिका की भागीदारी इस योग के अनुरूप दिखाई देती है। इसके साथ ही रूस और यूक्रेन के युद्ध में भी अचानक तेज गतिविधि देखी जा सकती है। यह समय सत्ता संघर्ष को और तेज कर सकता है।

मजबूत भूमिका निभा सकता है भारत

वर्तमान में मंगल और राहु का प्रभाव भारत के लिए सीमाई गतिविधियों को बढ़ा सकता है। पूर्वी सीमा, विशेषकर बांग्लादेश की दिशा में गतिविधियां बढ़ सकती हैं। आसाम और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में राजनीतिक तनाव और जनआक्रोश की स्थिति बन सकती है। हालांकि वे स्पष्ट करती हैं कि भारत पूर्ण युद्ध में शामिल नहीं होगा। भारत की स्थिति अन्य देशों की तुलना में अधिक संतुलित रहेगी और कूटनीतिक स्तर पर भारत मजबूत भूमिका निभा सकता है। ग्रहण और युद्ध की संयुक्त स्थिति का प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। शेयर बाजार में भारी उतार–चढ़ाव रहेगा। सोना और धातु क्षेत्र मजबूत हो सकते हैं। तेल की कीमतों में वृद्धि संभव है, जिससे महंगाई बढ़ेगी। अनाज और आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ सकते हैं। बैंकिंग और वित्तीय सेक्टर में भी बदलाव देखने को मिल सकते हैं। 5 जून के बाद गुरु का गोचर भारत के लिए सकारात्मक रह सकता है। इस समय भारत की अंतरराष्ट्रीय स्थिति और मजबूत हो सकती है।

रौद्र संवत्सर का आरंभ

19 मार्च को रौद्र नामक संवत्सर शुरू हो रहा है, 19 मार्च को अमावस्या में प्रतिपदा के क्षय होने से संवत् का प्रथम दिन क्षय को प्राप्त है ,संवत् रौद्र नाम का है श्र यह दोनों स्थितियां शासन सत्ता और आम जनमानस में टकराव की स्थिति बनायेगा। सूर्य,मंगल, राहु की युति जब कभी होती है तब तब सत्ता की श्रेष्ठता का शिखर झुकता है। सत्ता और शासन का विकृत रूप दिखता है। यदि इसी योग के साथ साथ बृहस्पति एक संवत के भीतर त्रिराशि (तीन राशियों में गोचर) स्पर्श करते हैं तब धर्म जगत में विप्लव उठता है श्र संत ही एक दूसरे के विरुद्ध जहर उगलने लगते हैं श्र एक संत दूसरे संत को प्रताड़ित करने लगता है, मर्यादा कलंकित होने लगती है। जब तक बृहस्पति कन्या राशि में नहीं चले जाते तब तक यह दुर्योग अपना असर दिखाएगा।

2022 में मोरबी हादसा

इससे पहले साल 2022 में 25 अक्टूबर को सूर्य ग्रहण और 8 नवंबर को चंद्र ग्रहण था। साल 1979 में 22 अगस्त को सूर्य ग्रहण और 6 सितंबर को चंद्र ग्रहण हुआ था। ठीक ऐसा ही योग इस साल भी बना है। रविवार 30 अक्टूबर 2022 को गुजरात के मोरबी में मच्छु नदी पर बना सस्पेंशन ब्रिज टूट गया। उस समय पुल पर करीब 500 लोग थे, जो नदी में जा गिरे। इस हादसे में 190 लोगों की मौत हो गई । साल 2022 से पहले 1979 में भी मच्छु नदी का डैम टूटने से हादसा हुआ था, जिसमें हजारों लोग मारे गए थे। 2022 और 1979 के इन दोनों हादसों में एक बात कॉमन है कि उस समय भी सूर्य और चंद्र ग्रहण हुए थे। ज्योतिष के ग्रंथ बृहत्संहिता में ग्रहण के बारे में भविष्यवाणियां की गई हैं। इस ग्रंथ में लिखा है कि जब–जब एक ही महीने में दो ग्रहण एक साथ होते हैं, तब–तब दुनिया में के हादसों की वजह से जनहानि होती है।

1979 में भी हुए थे ऐसे ही हादसे

43 साल पहले 11 अगस्त 1979 को भी मोरबी में डैम टूटने से बाढ़ आ गई थी और हजारों लोग मारे गए थे। उस साल 22 अगस्त को सिंह राशि में सूर्य ग्रहण हुआ था। इसके बाद 6 सितंबर को कुंभ राशि में चंद्र ग्रहण हुआ था। अक्टूबर–1979 में फिलीपींस में तूफान आया था, जिसमें बड़ी जनहानि हुई थी। ठीक ऐसे ही हादसे 2022 में भी हो रहे हैं।

बृहत्संहिता के अनुसार दो ग्रहणों का असर

वराहमिहिर द्वारा रचित ग्रंथ बृहत्संहिता के राहुचाराध्याय में लिखा है कि जब दो–दो ग्रहण एक साथ एक ही महीने में होते हैं तो तूफान, भूकंप, मानवीय भूल से बड़ी संख्या में जनहानि होने के योग बनते हैं। एक ही महीने में सूर्य और चंद्र ग्रहण होते हैं तो सेनाओं की हलचल बढ़ती है। सरकारों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। प्राकृतिक आपदा आने के योग रहते हैं।

ग्रहण योग का पड़ेगा व्यापक प्रभाव

विश्व के नजरिए से देखा जाए तो इस दौरान ग्रहों के प्रभाव से दो राष्ट्रों के मध्य तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। राष्ट्र अध्यक्षों के मध्य वाक् युद्ध की स्थिति बन सकती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं के दृष्टिकोण से बड़ी नकारात्मक सूचना प्राप्त हो सकती है। लेकिन पद प्रतिष्ठा के लिए यह समय महिलाओं के लिए ठीक है। बौद्धिकता , नए अन्वेषण, व्यापारिक दृष्टिकोण से यह अवधि शुभ फल प्रदायक साबित होगा । ग्रहण से तीन महीने तक की अवधि में आम जनमानस के स्वास्थ्य में अवरोध, सुख में कमी ,नए रोगों का उत्पन्न होना , नए रोगों के आने से या होने से सुख में कमी होना ,आपसी मतभेद मनमुटाव, राजनीतिक दलों में कटुता का भाव। बड़े वाहन की दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। भारतीय रुपए का ह्रास हो सकता है। व्यापारिक दृष्टिकोण से यह समय ठीक रहेगा। आर्थिक दृष्टिकोण से समय ठीक रहेगा एवं बौद्धिक दृष्टिकोण से भी यह समय उपयुक्त रहेगा।

शुभ–अशुभ प्रभाव

देशों के बीच युद्ध होगा। आतंकवाद का सफाया होगा। सेना की हलचल बढ़ेगी। प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना, महामारी , दुर्घटना, राजनीतिक उठापटक, जातिवाद, धार्मिक उन्माद होने की संभावना। विश्व में कुछ हिस्सों में हवा के साथ बारिश रहेगी। भूकंप या अन्य तरह से प्राकृतिक आपदा आने की भी आशंका है। जनजीवन सामान्य होगा। मौसम भी बदलेगा और बारिश भी अच्छी होगी। विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। खाने की चीजों की कीमतें सामान्य रहेंगी। दुर्घटनाएं आगजनी आतंक और तनाव होने की संभावना। आंदोलन धरना प्रदर्शन हड़ताल, बैंक घोटाला, वायुयान दुर्घटना, विमान में खराबी, शेयर बाजार में उतार–चढ़ाव होगा। राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप ज्यादा होंगे। सत्ता संगठन में बदलाव होंगे। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना।

करें पूजा–पाठ और दान

ग्रहण के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। भगवान शिव और माता दुर्गा की आराधना करनी चाहिए। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती का पाठ करना चाहिए।

हिमालय की गोद में बसा कालापानी का रहस्यमयी मंदिर, जहां मंदिर से निकलती है काली नदी

उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में, हिमालय की ऊंची–ऊंची चोटियों के बीच एक ऐसा स्थान है, जो आस्था, प्रकृति और रहस्य तीनों का अनोखा संगम माना जाता है। यह जगह है कालापानी का प्राचीन काली मंदिर। समुद्र तल से करीब 3600 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह मंदिर न सिर्फ धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक मान्यताओं के कारण भी लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कहा जाता है कि यहीं से काली नदी की शुरुआत होती है। लोगों की मान्यता है कि मंदिर के पास बहने वाली एक छोटी सी पवित्र धारा ही आगे चलकर काली नदी का रूप ले लेती है। यही काली नदी आगे जाकर भारत और नेपाल के बीच प्राकृतिक सीमा भी बनाती है। मंदिर परिसर में बहते इस जल को लोग देवी काली का आशीर्वाद मानते हैं और श्रद्धा के साथ इसे अपने साथ ले जाते हैं। कालापानी का यह काली मंदिर आदि कैलाश और ओम पर्वत की यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक अहम पड़ाव भी है। जो भी यात्री इस दुर्गम और दिव्य यात्रा पर निकलते हैं, वे यहां रुककर माता काली के दर्शन जरूर करते हैं और आगे की यात्रा के लिए आशीर्वाद लेते हैं। चारों तरफ फैली बर्फ से ढकी हिमालय की चोटियां, ठंडी हवाएं और शांत वातावरण इस जगह को और भी विशेष बना देते हैं। मंदिर के पास ही व्यास गुफा भी स्थित है। मान्यता है कि महान ऋषि वेद व्यास ने इसी गुफा में बैठकर कठोर तपस्या की थी और यहीं से उन्होंने ज्ञान की अलौकिक रोशनी से मानवता को मार्ग दिखाया। इसी कारण यह स्थान सिर्फ एक मंदिर नहीं, बल्कि एक पवित्र तपोभूमि भी माना जाता है। लोक मान्यता के अनुसार, यह जगह पांडवों की कथाओं से भी जुड़ी हुई है।

माना जाता है कि अपने वनवास के दौरान पांडवों ने इस क्षेत्र में कुछ समय बिताया था। आसपास के कई स्थानों के नाम जैसे भीम शिला और युधिष्ठिर मार्ग इन्हीं कथाओं से जुड़े बताए जाते हैं। इस क्षेत्र में रहने वाला भोटिया समुदाय काली माता को अपना रक्षक देवता मानता है। उनका विश्वास है कि माता काली इस पूरी घाटी की रक्षा करती हैं और सच्चे मन से आने वाले यात्रियों की यात्रा सुरक्षित बनाती हैं।

हालांकि कालापानी तक पहुंचना आसान नहीं है। यात्रियों को धारचूला से कठिन पहाड़ी रास्तों से गुजरना पड़ता है। लेकिन जो लोग यहां तक पहुंचते हैं, उनके लिए यह अनुभव जीवनभर याद रहने वाला बन जाता है।

सूर्य गोचर से मेष, सिंह सहित अन्य राशियों पर नकारात्मक प्रभाव रहेगा, जानें उपाय

सूर्य गोचर मीन राशि में 15 मार्च रविवार को होने जा रहा है। यहां सूर्य के स्वागत में शनि और शुक्र पहले से ही मौजूद रहेंगे। ऐसे में यहां शनि और शुक्र के साथ सूर्य की युति बनेगी। मीन राशि में सूर्य यूं तो मित्र राशि में होंगे लेकिन यहां शनि के साथ सूर्य की युति होने से और साथ ही केतु के साथ सूर्य का षडाष्टक योग भी बनेगा। ऐसे में सूर्य और शनि की युति बनने से मेष सहित कई राशियों पर सूर्य के मीन राशि में गोचर का प्रतिकूल प्रभाव दिख सकता है। ग्रहों के इस योग संयोग की गणना करने के बाद पंडित राकेश झा ने बताया कि, सूर्य के इस गोचर का नकारात्मक प्रभाव विशेष रूप से मेष, सिंह सहित 4 राशियों के जीवन पर दिखाई देगा। आइए जानते हैं सूर्य के मीन राशि में गोचर से किन–किन राशियों की प्रतिकूल स्थिति का सामना करना पड़ सकता है और उनको किन उपायों को आजमाना चाहिए।

सूर्य गोचर मीन राशि 15 मार्च रात में 1 बजकर 8 मिनट पर

सूर्य गोचर की अवधि : 15 मार्च से लेकर 14 अप्रैल 2026 तक

मेष राशि पर प्रभाव

सूर्य का गोचर आपकी राशि से द्वादश भाव में होने वाला है। ऐसे में मेष राशि के जातकों को खर्चों में काफी बढ़ोतरी हो सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखना होगा क्योंकि, आपके खर्चे ज्यादा सेहत के कारण हो सकते हैं। हालांकि, आपका खर्चा दान पुण्य पर भी होगा। जिससे आपको मानसिक शांति भी मिलती रहेगी। घर परिवार में इस समय आपकी भागीदारी थोड़ा कम रहेगी जिस वजह से आपको अपने परिवार से भावनात्मक दूरी महसूस हो सकती है। आपको सलाह है कि अपनी सेहत का विशेष तौर पर ख्याल रखें। आपको सलाह है कि अहंकार से बचें वरना आपके विवाद बढ़ सकते हैं।

उपाय : रोजाना सूर्योदय होने के बाद ठीक 1 घंटे के अंदर सूर्य को अर्घ्य दें। ऐसा करने से सूर्यदेव प्रसन्न होंगे।

सिंह राशि पर प्रभाव

सिंह राशि के लिए राशि स्वामी सूर्य का अष्टम भाव में गोचर करना और राशि में मौजूद केतु के साथ सूर्य का षडाष्टक योग बनाना प्रतिकूल फलदायी रह सकता है। सूर्यग्रहण से पीड़ित होकर सूर्य मीन राशि में गोचर करेंगे और यहां केतु और सूर्य के बीच षडाष्टक योग बना रहेगा। ऐसे में जोखिम से बचना होगा। अगर आपका कोई सरकारी काम अटका हुआ है तो थोड़ा संभलकर काम करें सतर्कता रखनी जरूरी है। बैंक से लोन ले रहे हैं तो सभी पक्षों की अच्छे से जांच कर लें नहीं तो परेशानी हो सकती है। वैसे यह समय ऋण लेन देने के मामले में आपके पक्ष में नहीं दिख रहा है। पिता और संतान से संबंधित मामलों में परेशानी हो सकती है। पड़ोसियों से भी आपको वाद–विवाद में उलझने से बचना चाहिए नहीं तो आप किसी अनचाही स्थिति का सामना कर सकते हैं। दबी हुई स्वास्थ्य संबंधी समस्या की वजह से परेशानी हो सकती है।

उपाय : ओम घृणि सूर्याय नमः मंत्र का जप रोजाना कम से कम 108 बार जप करें। इस मंत्र के जप करने से शांति और समृद्धि बनी रहेगी।

तुला राशि पर प्रभाव

तुला राशिवालों के लिए सूर्य का गोचर उनके छठे भाव में होने जा रहा है। ऐसे में तुला राशि के लोगों को थोड़ा संयम से काम करना होगा। हो सकता है कि रिश्तों में आपको आलोचनाओं का सामना करना पड़ सकता है। जिस वजह से आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही पारिवारिक जिम्मेदारियां भी बढ़ सकती हैं। इस समय आपको कोशिश करनी है कि आप अपने लाइफस्टाइल में थोड़ा सुधार लाएं। तभी आपकी सेहत में भी सुधार करना पड़ सकता है।

उपाय : आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें आपके यश और सम्मान में बढ़ोतरी होगी।

मीन राशि पर प्रभाव

सूर्य का गोचर आपकी राशि में ही होने जा रहा है। साथ ही इस समय शनि भी आपकी राशि में ही हैं। सूर्य शनि की युति बनने से मीन राशि के लोगों को रिश्तों में उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही आर्थिक मामलों में भी आपको मध्यम लाभ ही मिलेगा। आर्थिक मामलों में थोड़ा संभलकर रहें। अस्पष्ट होकर कोई भी आर्थिक निर्णय न लें। इस दौरान आप खुद पर ही ज्यादा फोकस रखेंगे जिस वजह से आपके रिश्ते प्रभावित हो सकते हैं। परिवार और रिश्तेदार आपसे असंतुष्ट रह सकते हैं।

उपाय : रविवार के दिन लाल वस्त्र का दान करें। लाल रंग का संबंध सूर्यदेव से माना जाता है।

संपादकीय

तेल संकट का सच

राजधानी दिल्ली, उप्र, बिहार, मप्र राज्यों के कई शहरों में पेट्रोल पंपों पर वाहनों की भीड़ दिखाई दे रही है। लोग पेट्रोल-डीजल को लेकर आशंकित हैं, लिहाजा हड़बड़ी में हैं कि जितना भी तेल मिल जाए, उतना तो जमा कर लिया जाए। ग्रामीण और किसान अलग किस्म की दहशत में हैं, क्योंकि तेल का संकट गहराएगा, तो उनकी खेती प्रभावित होगी। हालांकि भारत में पाकिस्तान जैसे 'लॉकडाउन' हालात नहीं हैं। वहां एक लीटर पेट्रोल 336 रुपए और डीजल 321 रुपए में बेचा जा रहा है। आशंका है कि पाकिस्तान में कभी भी 'लॉकडाउन' घोषित किया जा सकता है। कुछ जगहों पर तो गोलियां भी चल चुकी हैं। बांग्लादेश और श्रीलंका में भी तेल-गैस का संकट गंभीर रूप ले चुका है। बहरहाल भारत काफी हद तक आश्वस्त है, लेकिन विरोधाभासी बयान डरा रहे हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा है कि भारत में तेल-गैस, ईंधन की कोई कमी नहीं है। घबराने की जरूरत नहीं है। तेल के दाम भी नहीं बढ़ेंगे। भारत के पास कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पाद, गैस का 25 दिनों का भंडार है। मंत्री जी के बयान के अगले दिन ही तेल कंपनियां घरेलू एलपीजी (रसोई गैस) के दाम 60 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़ा देती हैं और कमर्शियल सिलेंडर 114.50 रुपए महंगा कर दिया जाता है। अब औसत घर को रसोई गैस का सिलेंडर 900-1000 रुपए से भी ज्यादा महंगा मिलेगा। यह कौनसा सच है, मंत्री जी? बेशक 'उज्ज्वला' योजना के करीब 10.5 करोड़ लाभार्थियों को बढ़े दामों से अलग रखा गया है। उन्हें तो प्रति सिलेंडर 300 रुपए की सबसिडी भी मिलती है। इस तरह देश में 23 करोड़ उपभोक्ता इस महंगाई के शिकार होंगे। कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पाद और गैस के भंडारण पर अलग-अलग बयान आ रहे हैं। कतर एलएनजी की 'महाशक्ति' है। वह 40 फीसदी से अधिक एलएनजी भारत को सप्लाई करता रहा है, लेकिन ईरान के लगातार हमलों के बाद कतर ने तेल-गैस का उत्पादन ही बंद कर दिया है। कतर के ऊर्जा मंत्री ने आगाह किया है कि कच्चे तेल की कीमतें 150 डॉलर तक उछल सकती हैं। युद्ध के कारण कच्चे तेल के दाम 95 डॉलर प्रति बैरल तक तो पहुंच चुके हैं। भारत करीब 85 फीसदी एलपीजी मध्य-पूर्व के देशों से ही आयात करता है और वह सप्लाई होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से ही होती रही है। ईरान के लड़ाकों ने यह मार्ग बंद कर रखा है, जाहिर है कि हमारा 50 फीसदी तेल-गैस बाधित है। एक बयान आया है कि देश में 25 करोड़ बैरल से अधिक कच्चे तेल का भंडार है, गैस भी पर्याप्त है, कुल मिला कर 7-8 सप्ताह का भंडार है, लेकिन विशेषज्ञों के भी बयान आ रहे हैं कि भारत में कुल 10 करोड़ बैरल ही कच्चा तेल है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार बयानबाजी कर रहे हैं कि तेल और गैस का संकट बढ़ रहा है। कीमतें बढ़ने लगी हैं और सरकार ने देश की संप्रभुता और विदेश नीति अमरीका को बंधक रख दी है। ऐसे बयान देश-विरोधी, भ्रमित और अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। अमरीकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने एक बयान दिया था कि ईरान युद्ध के मद्देनजर अमरीका भारत को रूसी तेल खरीदने की, 30 दिन की, 'अस्थायी छूट' देता है। ऐसे बयानों पर विरोधियों और पूर्वाग्रही विशेषज्ञों को तब बिलबिलाना चाहिए, जब भारत सरकार ने ऐसी 'छूट' की मांग की हो अथवा हमने रूस से कच्चा तेल लेना बंद कर दिया हो। फरवरी, 2026 में भी भारत ने 10 लाख बैरल से अधिक कच्चा तेल रूस से आयात किया है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप के 'बड़बोले' बयानों के बावजूद भारत रूस से तेल खरीदता रहा है और अब गैस का आयात भी बढ़ाएगा। जनवरी, 2026 में भारत ने रूस से 1.98 अरब डॉलर मूल्य का कच्चा तेल आयात किया था। रूस आगामी 30 दिनों में करीब 95 लाख बैरल तेल भारत को भेज सकता है। यह प्रक्रिया शुरू भी हो गई है। यह भी वैश्विक संकट का दौर है, जैसा कि कोरोना महामारी के दौरान था। तब भी देश ने सरकार पर भरोसा किया था और अब भी कोई चारा नहीं है। सियासत तो शांतिकाल में भी जारी रह सकती है।

पेट्रोल-डीजल को लेकर आशंकित हैं, लिहाजा हड़बड़ी में हैं कि जितना भी तेल मिल जाए, उतना तो जमा कर लिया जाए। ग्रामीण और किसान अलग किस्म की दहशत में हैं, क्योंकि तेल का संकट गहराएगा, तो उनकी खेती प्रभावित होगी। हालांकि भारत में पाकिस्तान जैसे 'लॉकडाउन' हालात नहीं हैं। वहां एक लीटर पेट्रोल 336 रुपए और डीजल 321 रुपए में बेचा जा रहा है। आशंका है कि पाकिस्तान में कभी भी 'लॉकडाउन' घोषित किया जा सकता है। कुछ जगहों पर तो गोलियां भी चल चुकी हैं। बांग्लादेश और श्रीलंका में भी तेल-गैस का संकट गंभीर रूप ले चुका है। बहरहाल भारत काफी हद तक आश्वस्त है, लेकिन विरोधाभासी बयान डरा रहे हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा है कि भारत में तेल-गैस, ईंधन की कोई कमी नहीं है। घबराने की जरूरत नहीं है। तेल के दाम भी नहीं बढ़ेंगे। भारत के पास कच्चे तेल, पेट्रोलियम उत्पाद, गैस का 25 दिनों का भंडार है। मंत्री जी के बयान के अगले दिन ही तेल कंपनियां घरेलू एलपीजी (रसोई गैस) के दाम 60 रुपए प्रति सिलेंडर बढ़ा देती हैं और कमर्शियल सिलेंडर 114 .50 रुपए महंगा कर दिया जाता है। अब औसत घर को रसोई गैस का सिलेंडर 900-1000 रुपए से भी ज्यादा महंगा मिलेगा। यह कौनसा सच है, मंत्री जी? बेशक 'उज्ज्वला' योजना के करीब 10 .5 करोड़ लाभार्थियों को बढ़े दामों से अलग रखा गया है। उन्हें तो प्रति सिलेंडर 300 रुपए की सबसिडी भी मिलती है।

कुछ अलग

बुनियादी शिक्षा

हिमाचल प्रदेश भारत का चौथा पूर्ण साक्षर राज्य बना है। 99.30 फीसदी साक्षरता दर के साथ देश में शीर्ष पर पहुंच गया है। वर्तमान राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पहले पांच वर्ष की बुनियादी शिक्षा का विशेष उल्लेख है। निःसंदेह यह सिद्धांत गांधी जी के बुनियादी शिक्षा के सिद्धांत को धरातली बनाता है। न्यूरो विज्ञान के अनुसार जब बच्चा छह वर्ष का होता है तो उसके मस्तिष्क के विकास का 85 फीसदी विकास पहले ही हो चुका होता है। शोध बताते हैं कि स्वास्थ्य, पोषण, देखभाल, सामाजिक-पर्यावरणीय वातावरण की उत्कृष्टता इन प्रारंभिक वर्षों में बच्चे के विकास को प्रभावित करती है। अतः प्रारंभिक बाल्यवस्था देखभाल और शिक्षा को नकारा नहीं जा सकता। नई शिक्षा नीति का लक्ष्य है कि वर्ष 2030 से पूर्व सार्वभौमिक बाल्यवस्था देखभाल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को प्राप्त किया जाएगा। लक्ष्य प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण है कि बच्चों की प्रथम चरण की शिक्षा पर सर्वाधिक बल दिया जाए। राज्य के स्कूलों में प्री-प्राइमरी कक्षाओं में 25000 से अधिक बच्चे अध्ययनरत हैं। इन स्कूलों में 6297 प्री-प्राइमरी टीचर्स रखना प्रस्तावित है। प्रदेश के सरकारी स्कूलों में प्री-प्राइमरी टीचर्स भर्ती करने का निर्णय 23 सितंबर 2022 को कैबिनेट की बैठक में लिया गया था, पर इसे अमलीजामा न पहनाया जा सका। वर्तमान सरकार ने 18 जून 2024 को कैबिनेट की बैठक में 6297 पद भरने का फैसला लिया। अब प्रश्न उठता है इन अध्यापकों की चयन प्रक्रिया और आवश्यक योग्यता का। सरकार ने इन अध्यापकों के चयन के लिए हिमाचल प्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कारपोरेशन को अधिकृत किया है।

ईरान और इजरायल-अमेरिका के युद्ध के बीच ईरान के द्वारा वैश्विक शिपिंग रूट होर्मुज स्ट्रीट बंद कर दिया गया

निर्यात चुनौतियों से निपटने की रणनीति बने

पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार पश्चिमी एशिया में चल रहे युद्ध से प्रभावित भारतीय निर्यातकों को राहत देने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इन दिनों निर्यातक रसद संबंधी चुनौतियों के अलावा निर्यात घरेलू बंदरगाहों पर पश्चिम एशिया जाने वाले कार्गो के अटकने से खड़े होने वाले संकट के प्रति आगाह कर रहे हैं। कुछ शिपिंग कंपनियां उच्च युद्ध-जोखिम शुल्क की मांग कर रही हैं, जबकि कुछ अन्य अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्रों में फंसे हुए हैं। उन्हें कंटेनरों की कमी, पश्चिम एशिया के लिए पोत कॉल के निलंबन या रद्द होने और तेजी से उच्च रसद लागत बढ़ने का भी सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सरकार अपने निर्यातकों को राहत देने के कुछ ठोस तरीके अपनाने की डगर पर आगे बढ़ी है।

हाल ही में 6 मार्च को वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार पश्चिमी एशिया में चल रहे युद्ध से प्रभावित भारतीय निर्यातकों को राहत देने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इन दिनों निर्यातक रसद संबंधी चुनौतियों के अलावा निर्यात घरेलू बंदरगाहों पर पश्चिम एशिया जाने वाले कार्गो के अटकने से खड़े होने वाले संकट के प्रति आगाह कर रहे हैं। कुछ शिपिंग कंपनियां उच्च युद्ध-जोखिम शुल्क की मांग कर रही हैं, जबकि कुछ अन्य अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्रों में फंसे हुए हैं। उन्हें कंटेनरों की कमी, पश्चिम एशिया के लिए पोत कॉल के निलंबन या रद्द होने और तेजी से उच्च रसद लागत बढ़ने का भी सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सरकार अपने निर्यातकों को राहत देने के कुछ ठोस तरीके अपनाने की डगर पर आगे बढ़ी है। सरकार ने तत्परतापूर्वक 2 मार्च को युद्ध से निर्मित हालात से भारतीय निर्यात पर पड़ने वाले प्रभाव पर निर्यात से संबंधित सरकारी मंत्रालयों, निर्यातकों के संगठन, लॉजिस्टिक संचालकों और शिपिंग कंपनियों के प्रतिनिधियों की विशेष बैठक में विचार मंथन के बाद बहुमंत्रालयी सहायता डेस्क सहित निर्यातकों को हरसंभव सहयोग-प्रोत्साहन दिया जाना सुनिश्चित किया है। उल्लेखनीय है कि ईरान और इजरायल-अमेरिका के युद्ध के बीच ईरान के द्वारा वैश्विक शिपिंग रूट होर्मुज स्ट्रीट बंद कर दिया गया है। दुनिया को मिलने वाला करीब एक तिहाई तेल, करीब 20 फीसदी लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) और खाद्य उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। ऐसे में इस जलमार्ग के बंद हो जाने से कच्चे तेल की ग्लोबल सप्लाई चेन प्रभावित होने लगी है। चूंकि कच्चे तेल के लिहाज से भारत का करीब 40 प्रतिशत कच्चा तेल इसी रास्ते से होकर आता है, ऐसे में यह युद्ध भारत के लिए कच्चे तेल संबंधी चिंता के साथ निर्यात चुनौती निर्मित करते हुए दिखाई दे रहा है। चूंकि भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों के करीब 85 फीसदी तक आयात पर निर्भर है, अतएव कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी भारत के आयात बिल की चिंता बढ़ाते हुए दिखाई दे रही है। स्थिति यह है कि 7 मार्च को कच्चे तेल की कीमत करीब 91 डॉलर प्रति बैरल के मूल्य स्तर पर पहुंच गई है। युद्ध के लंबा खींचने पर कच्चे तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती है और इससे पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे और इससे भारत से निर्यात घटने और व्यापार घाटा बढ़ने की चुनौती गहराते हुए दिखाई देगी। चूंकि इस युद्ध से सीधे तौर पर जुड़े हुए अमेरिका, इजरायल और ईरान सहित युद्ध से प्रभावित पश्चिम एशियाई और यूरोपीय देश भी भारत के लिए निर्यात के प्रमुख बाजार हैं, ऐसे में भारत के निर्यातकों की चिंताएं बढ़ गई हैं। पश्चिम एशिया जाने वाला माल भारत के घरेलू बंदरगाहों पर जमा होने लगा है। शिपिंग कंपनियां चालक दल, कार्गो और जहाजों की

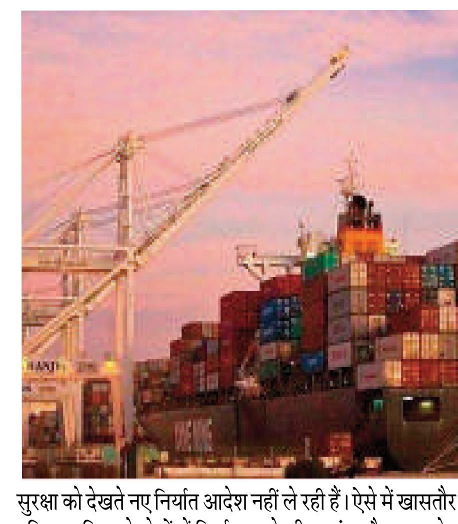

सुरक्षा को देखते नए निर्यात आदेश नहीं ले रही हैं। ऐसे में खासतौर से पश्चिम एशिया के देशों में निर्यात घटने की आशंका है। भारत ने इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में अप्रैल से दिसंबर की अवधि में पश्चिम एशिया के 13 देशों को करीब 50 अरब डालर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया, जो भारत के कुल निर्यात का करीब 15 फीसदी है। इन विभिन्न देशों में भारत से होने वाले खाद्य उत्पाद, टेक्सटाइल, इंजीनियरिंग सामान, बासमती चावल, चाय, मशीनरी, फार्मास्युटिकल्स, रत्न-आभूषण, प्लास्टिक और रबर जैसे क्षेत्रों में निर्यात प्रभावित होते हुए दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में भारत को द्विपक्षीय और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का पूरा लाभ लेते हुए निर्यात को हरसंभव तरीके से बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। यह कोई छोटी बात नहीं हैं कि पश्चिम एशिया में गहराते युद्ध के दौर में भी 2 मार्च को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी के साथ द्विपक्षीय व्यापार वार्ता की। इस वार्ता के पश्चात भारत-कनाडा के बीच यूरेनियम-परमाणु सहयोग, क्रिटिकल मिनरल्स और नवीन नवीनीकरणीय ऊर्जा समझौतों पर मुहर लगाई गई। साथ ही भारत और कनाडा ने मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के लिए टर्म्स ऑफ रेफरेंस दस्तावेज को अंतिम रूप दे दिया है। इसके तहत दोनों देश 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंचाने के लिए सहमत हुए हैं। इस समझौते पर इस वर्ष 2026 के अंत तक हस्ताक्षर होने की उम्मीद है। पिछले माह 25 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजरायली संसद 'नेसेट' को संबोधित करते हुए कहा कि इजरायल के साथ भारत का एफटीए जल्दी ही आकार लेते हुए दिखाई देगा। निःसंदेह भारत से निर्यात बढ़ाने के लिए भारत के व्यापार समझौते महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। भारत के द्वारा हाल ही के महीनों में जिन देशों के साथ एफटीए किए गए हैं, उन्हें शीघ्रतापूर्वक क्रियान्वयन की डगर पर आगे बढ़ाना होगा। इनमें 27 जनवरी को भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) के शिखर सम्मेलन के दौरान ऐलान किया गया एफटीए सबसे महत्वपूर्ण है। यह एफटीए दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तालमेल का शानदार उदाहरण है और भारत के लिए अत्यधिक लाभप्रद है। इसी तरह पिछले वर्ष 2025 में भारत के द्वारा ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ किए गए एफटीए का इस वर्ष 2026 में कार्यान्वयन अहम होगा। इन सबके साथ-साथ मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के साथ कार्यान्वित हो रहे एफटीए के और अधिक लाभ मिलते हुए दिखाई देंगे। साथ ही इस वर्ष 2026 में पेरू, चिली, आसियान, मैक्सिको, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी नए एफटीए को इसी वर्ष 2026 में आकार दिए जाने की पहल की जानी होगी। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि विस्तारित होते हुए ईरान और इजराइल-अमेरिका युद्ध के बीच भारत से निर्यात बढ़ाना कोई सरल काम नहीं है। ऐसे में भारत के द्वारा निर्यात बढ़ाने के लिए चिन्हित किए गए करीब 200 देशों में निर्यात की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। भारत से निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर निर्यातकों की दिक्कतों को कम करना होगा। ये दिक्कतें केवल शुल्क वृद्धि तक सीमित नहीं हैं, वरन् निर्यात पर लगाए गए एंटी-डंपिंग शुल्क से भी संबंधित हैं। घरेलू कच्चे माल की ऊंची लागत और ईंधन की उच्च कीमतों के कारण भी भारत के द्वारा निर्यात किए जाने वाले उत्पाद वैश्विक स्तर से करीब 15-20 फीसदी की अधिक लागत पर दिखाई देते हैं। अब घरेलू ढांचागत सुधारों के प्रति नए सिरे से प्रतिबद्धता आवश्यक होगी। इस हेतु देश में नियमों और नियामक संस्थाओं के कामकाज में मूलभूत बदलाव की जरूरत है। कर सुधारों को और गहराई देने के साथ जीएसटी प्रणाली को प्रभावी बनाना जरूरी है। यह भी महत्वपूर्ण है कि एक फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 में विनिर्माण, वस्त्र, चमड़ा और समुद्री भोजन जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए निर्यात बढ़ाने के लिए जो कई रणनीतिक उपाय किए गए हैं, उन पर नए वित्तीय वर्ष में शुरुआत से ध्यान देना होगा। उम्मीद करें कि सरकार ईरान और इजराइल-अमेरिका के विस्तारित होते हुए युद्ध की वजह से भारत के समक्ष दिखाई दे रही निर्यात चुनौतियों से निपटने और निर्यात बढ़ाने के मद्देनजर विभिन्न देशों के साथ भारत के व्यापार समझौतों के अधिकतम लाभ हेतु गुणवत्तापूर्ण उत्पादन और नए सुधारों की राह पर आगे बढ़ेगी।

देश दुनिया से

किशोर मन और डिजिटल परिवेश का संकट

समकालीन युग में तकनीक केवल सुविधा का उपकरण नहीं रही। वह हमारे सामाजिक और मानसिक जीवन की संरचना का हिस्सा बन चुकी है। विशेषतः मोबाइल फोन ने किशोर जीवन में जिस गहराई से प्रवेश किया है, उसने बचपन की पारंपरिक लय को बदल दिया है। आज का किशोर केवल घर और विद्यालय तक सीमित नहीं है, वह निरंतर एक आभासी संसार में उपस्थित है। यह उपस्थिति केवल समय की खपत नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक ऊर्जा का भी पुनर्गठन है। प्रश्न यह है कि क्या 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को इस निरंतर डिजिटल परिवेश में पूर्ण स्वतंत्रता देना उनके विकास के अनुकूल है? सांस्कृतिक और साहित्यिक अध्ययन में 'माध्यम-पर्यावरण सिद्धांत' यह बताता है कि कोई भी नया माध्यम केवल सूचना का आदान-प्रदान नहीं बदलता, बल्कि वह एक नया वातावरण निर्मित करता है जिसमें मनुष्य की सोच और व्यवहार ढलने लगते हैं। मोबाइल फोन ने किशोर जीवन के चारों ओर ऐसा ही एक वातावरण निर्मित किया है, जहां निरंतर तुलना, प्रतिक्रिया और प्रदर्शन सामान्य हो गए हैं। यहां स्वीकृति संख्या में मापी जाती है और अस्वीकृति सार्वजनिक अपमान बन सकती है। इस परिवेश में किशोर का आत्मबोध बाहरी प्रतिक्रिया पर निर्भर होने लगता है। भारत में किशोर आत्महत्या के आंकड़े चिंताजनक संकेत देते हैं। राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो की रिपोर्टों के अनुसार विद्यार्थियों और युवाओं में आत्महत्या के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है। यह सत्य है कि आत्महत्या बहु-कारक घटना है- पारिवारिक तनाव, परीक्षा का दबाव, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां और सामाजिक अपेक्षाएं, सभी इसमें भूमिका निभाती हैं। परंतु हाल के वर्षों में कई घटनाओं की पृष्ठभूमि में मोबाइल फोन, सामाजिक माध्यमों पर अपमान, ऑनलाइन खेल की लत और डिजिटल टकराव जैसे तत्व भी उभरकर सामने आए हैं। हाल के समय में उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में तीन नाबालिग बहनों (12, 14 और 16 वर्ष) की आत्महत्या की घटना ने देश को गहराई से विचलित किया। प्रारम्भिक समाचारों में संकेत मिला कि मोबाइल खेल के अत्यधिक उपयोग और उस पर पारिवारिक रोक से उत्पन्न तनाव इस दुखद घटना की पृष्ठभूमि में था। इस प्रकरण को कई राष्ट्रीय समाचार माध्यमों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया। इसके पश्चात राज्यसभा में भी सामाजिक माध्यमों और मोबाइल खेलों के किशोर मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त की गई। यद्यपि किसी भी घटना का पूर्ण सत्य अनेक आयामों में निहित होता है, फिर भी यह स्पष्ट है कि डिजिटल परिवेश अब केवल निजी विषय नहीं रहा। किशोरावस्था आत्म-निर्माण की अवस्था है। इस समय पहचान, आत्मसम्मान और सामाजिक संबंधों की समझ विकसित होती है। जब यह विकास निरंतर आभासी तुलना और सार्वजनिक प्रतिक्रिया के बीच होता है, तो अस्थिरता बढ़ सकती है। पहले सामाजिक अपमान सीमित दायरे में रहता था। अब

मोबाइल फोन ने किशोर जीवन में जिस गहराई से प्रवेश किया है, उसने बचपन की पारंपरिक लय को बदल दिया है। आज का किशोर केवल घर और विद्यालय तक सीमित नहीं है, वह निरंतर एक आभासी संसार में उपस्थित है। यह उपस्थिति केवल समय की खपत नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक ऊर्जा का भी पुनर्गठन है। प्रश्न यह है कि क्या 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को इस निरंतर डिजिटल परिवेश में पूर्ण स्वतंत्रता देना उनके विकास के अनुकूल है? सांस्कृतिक और साहित्यिक अध्ययन में 'माध्यम-पर्यावरण सिद्धांत' यह बताता है कि कोई भी नया माध्यम केवल सूचना का आदान-प्रदान नहीं बदलता, बल्कि वह एक नया वातावरण निर्मित करता है जिसमें मनुष्य की सोच और व्यवहार ढलने लगते हैं।

वह डिजिटल मंचों पर स्थायी स्मृति बन जाता है। एक टिप्पणी, एक उपहास, एक असफलता- सब कुछ सैकड़ों लोगों तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में मानसिक संतुलन बनाए रखना कठिन हो जाता है। मनोवैज्ञानिक अध्ययनों ने संकेत दिया है कि अत्यधिक स्क्रीन समय, विशेषकर सामाजिक माध्यमों पर निर्भरता, अवसाद और चिंता के लक्षणों से जुड़ सकती है। नींद में कमी, ध्यान की कमी और वास्तविक सामाजिक संवाद में गिरावट भी देखी गई है। किशोर मस्तिष्क अभी विकासशील होता है। उसमें भावनात्मक नियंत्रण और निर्णय क्षमता क्रमशः विकसित होती है। ऐसे में निरंतर डिजिटल उत्तेजना और तुलना मानसिक दबाव को बढ़ा सकती है। विश्व स्तर पर भी इस विषय पर गंभीरता से विचार हुआ है। फ्रांस, चीन, इटली, ग्रीस, नीदरलैंड और डेनमार्क जैसे देशों ने विद्यालयों में किशोरों के लिए मोबाइल फोन पर सख्त प्रतिबंध लागू किए हैं। इन नीतियों का उद्देश्य तकनीक का विरोध नहीं, बल्कि शैक्षिक वातावरण को सुरक्षित और एकाग्र बनाए रखना है। जब कक्षा में मोबाइल अनुपस्थित होता है, तो छात्रों की सहभागिता बढ़ती है और ध्यान भटकाव कम होता है। भारत में भी अनेक विद्यालयों ने अपने स्तर पर मोबाइल प्रतिबंध लागू किए हैं, परंतु राष्ट्रीय स्तर पर एक समन्वित नीति की आवश्यकता अनुभव की जा रही है। यदि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए विद्यालय-समय में पूर्ण प्रतिबंध लागू किया जाए और घर पर नियंत्रित उपयोग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, तो यह मानसिक स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में सार्थक कदम हो सकता है। यह प्रतिबंध स्थायी वंचना नहीं, बल्कि आयु-अनुकूल संरक्षण होगा। यह भी आवश्यक है कि समाधान केवल प्रतिबंध तक सीमित न रहे। डिजिटल साक्षरता, अभिभावकीय संवाद और विद्यालयी परामर्श सेवाओं को भी सुदृढ़ किया जाए। बच्चों को यह सिखाया जाए कि आभासी दुनिया वास्तविक जीवन का विकल्प नहीं है। आत्मसम्मान संख्या से नहीं, अनुभव से बनता है। मित्रता प्रदर्शन से नहीं, विश्वास से बनती है। साहित्यिक दृष्टि से यह संकट आधुनिकता का दुष्परिणाम नहीं, बल्कि असंतुलित आधुनिकता का परिणाम है। जब माध्यम जीवन से बड़ा हो जाए, तो जीवन की सहजता संकट में पड़ जाती है। बचपन निरंतर प्रदर्शन में बदल जाए, तो आत्मचिंतन और आत्मविश्वास की प्रक्रिया बाधित हो सकती है। इसलिए प्रश्न केवल तकनीकी नियंत्रण का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक संतुलन का है। समाज को यह निर्णय लेना होगा कि वह अगली पीढ़ी को किस प्रकार का बचपन देना चाहता है- निरंतर स्क्रीन के प्रकाश में घिरा हुआ, या अनुभव, संवाद और वास्तविक संबंधों से समृद्ध। यदि हम माध्यम-पर्यावरण के प्रभाव को गंभीरता से समझें, तो स्पष्ट होगा कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए मोबाइल फोन पर कठोर नियंत्रित उपयोग केवल अनुशासन नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी है। यह कदम स्वतंत्रता का हनन नहीं, बल्कि स्वतंत्रता की रक्षा है- उस स्वतंत्रता की जिसमें किशोर बिना निरंतर तुलना और डिजिटल दबाव के स्वयं को पहचान सकें।

आप का नज़रिया

नीतीश अचानक राज्यसभा!

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अचानक राज्यसभा में जाने का निर्णय क्यों किया है? वह 105 दिन पहले ही 10वीं बार मुख्यमंत्री बने थे। वह 19 साल 4 माह इस पद पर रहे और अब भी 15 अप्रैल तक मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं। नया जनादेश भाजपा-जद (यू) और एनडीए को मिला था। विपक्षी राजद को करारी पराजय देकर सत्ता बरकरार रखी गई थी। मुख्यमंत्री की जिस कुर्सी के लिए नीतीश ने 'पलटूराम' जैसे विशेषण को भी झेल लिया था, उस कुर्सी को अचानक छोड़ने की इच्छा क्यों जताई है? इन सवालों के जवाब तो नीतीश या भाजपा नेतृत्व ही दे सकते हैं, लेकिन यह विस्फोटक राजनीतिक खबर है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे 'राजनीतिक अपहरण' करार दिया है। अब बिहार का नया मुख्यमंत्री कौन होगा? यह एक सामान्य सवाल है। निश्चित है कि भाजपा का बीते 20 सालों से संचित सपना साकार होने जा रहा है। नीतीश के बेहद करीबी नेता एवं पूर्व सांसद केसी त्यागी तक ने पुष्टि की है कि मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा। बहरहाल बिहार में चुनाव के दौरान भी नीतीश उम्रदराज और अस्वस्थ थे। विपक्ष के आरोपों को छोड़िए, लेकिन ऐसे कई क्षण सार्वजनिक हुए हैं, जब लगा कि नीतीश मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं। यदि जनादेश मिलने और मुख्यमंत्री बनने के 105 दिनों के बाद ही पद छोड़ कर राज्यसभा में जाने की इच्छा व्यक्त करनी थी, तो नीतीश कुमार मुख्यमंत्री की शपथ ही न लेते। सत्ता के नए पांच साल नीतीश को मिले थे। बढ़ती उम्र और गिरते स्वास्थ्य के बावजूद वह आराम से सरकार चला सकते थे। जनता से जिन वायदों के आधार पर जनादेश हासिल किया था, उन्हें पूरा करने के प्रयास कर सकते थे। यदि अब राज्यसभा में जाकर उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाया जाता है, तो उनके पास मंत्रालय, सरकार का नीतिगत एजेंडा, मंत्रालय के रोजमर्रा के दायित्व भी होंगे। यदि नीतीश मुख्यमंत्री बने रहने में असहज, असमर्थ थे, तो वही स्थितियां केंद्रीय मंत्री बनने पर भी होंगी। फिर उन्होंने यह फैसला क्यों किया? अथवा भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें बाध्य किया है? सवाल यह भी है कि अब केंद्रीय मंत्री बनकर नीतीश क्या साबित करेंगे? वह केंद्र सरकार में कृषि, रेल, सडक़ परिवहन मंत्री रह चुके हैं। नीतीश 6 बार सांसद चुने गए और 6 साल तक केंद्रीय मंत्री रहे। प्रधानमंत्री मोदी उन्हें गृह, वित्त, विदेश, रक्षा जैसे अहम मंत्रालय तो दे नहीं सकते, क्योंकि वहां उनके विश्वास-पात्र मंत्री विराजमान हैं। क्या प्रधानमंत्री नीतीश के लिए उपप्रधानमंत्री के पद का सृजन कर सकते हैं? हमें तो इसके आसार भी नगण्य लगते हैं। फिर नीतीश ने जनादेश को धोखा क्यों दिया है? मझधार में क्यों छोड़ा है? जद-यू के उन राजनीतिक कार्यकर्ताओं को रोने-बिलखने और सडक़ पर प्रदर्शन करने को क्यों छोड़ दिया है, जो अपने शीर्षस्थ नेता के बिना नहीं रह सकते, जो छला-ठगा महसूस कर रहे हैं? अभी तक माना जाता रहा है कि नीतीश पर कोई दबाव नहीं डाल सकता और न ही कोई उन्हें बाध्य कर सकता है, लेकिन यह निर्णय उनका अपना नहीं लगता, बेशक उन्होंने सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट लिखी है। उन्हें प्रधानमंत्री मोदी या गृहमंत्री अमित शाह के स्तर पर ही बाध्य किया गया लगता है कि अब आप दिल्ली चले आइए और राष्ट्रीय राजनीति में योगदान दीजिए। मुख्यमंत्री पद भाजपा को मिलना चाहिए। हमारा सवाल यह भी है कि यदि नीतीश केंद्र में सक्षम और सक्रिय रहेंगे, तो मुख्यमंत्री के तौर पर क्या दिक्कत थी? कुछ भी व्याख्या कर लें, लेकिन बिहार का मौजूदा जनादेश नीतीश के चेहरे और विजन पर ही दिया गया था। भाजपा ने 89 और जद-यू ने 85 सीटें जीतीं। नीतीश ने जिस तरह बेदाग, निर्विवाद, समावेशी, समाजवादी न्याय, अति पिछड़ों और महिलाओं की राजनीति 45 लंबे सालों तक की है, वह अद्वितीय रही है। उनके करीब 20 साल के मुख्यमंत्री काल में बिहार बदला है, लेकिन आज भी वह सबसे गरीब राज्य है और उस पर 3.61 लाख करोड़ रुपए का कर्ज है, लिहाजा भाजपा मुख्यमंत्री के सामने गंभीर चुनौतियां होंगी। चुनाव में जो वादे किए गए थे, उन्हें भी निभाना होगा। लगता है भाजपा अब कुछ बदलाव करना चाहेगी, ताकि जनता का विश्वास कायम रखा जा सके। वैसे बिहार को केंद्र से काफी मदद पहले भी मिली है और अब भी मिलने की संभावनाएं हैं। बहरहाल, बिहार में कुछ बदलाव देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री की जिस कुर्सी के लिए नीतीश ने 'पलटूराम' जैसे विशेषण को भी झेल लिया था, उस कुर्सी को अचानक छोड़ने की इच्छा क्यों जताई है? इन सवालों के जवाब तो नीतीश या भाजपा नेतृत्व ही दे सकते हैं, लेकिन यह विस्फोटक राजनीतिक खबर है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसे 'राजनीतिक अपहरण' करार दिया है। अब बिहार का नया मुख्यमंत्री कौन होगा? यह एक सामान्य सवाल है। निश्चित है कि भाजपा का बीते 20 सालों से संचित सपना साकार होने जा रहा है। नीतीश के बेहद करीबी नेता एवं पूर्व सांसद केसी त्यागी तक ने पुष्टि की है कि मुख्यमंत्री भाजपा का ही होगा। बहरहाल बिहार में चुनाव के दौरान भी नीतीश उम्रदराज और अस्वस्थ थे। विपक्ष के आरोपों को छोड़िए, लेकिन ऐसे कई क्षण सार्वजनिक हुए हैं, जब लगा कि नीतीश मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं हैं। यदि जनादेश मिलने और मुख्यमंत्री बनने के 105 दिनों के बाद ही पद छोड़ कर राज्यसभा में जाने की इच्छा व्यक्त करनी थी, तो नीतीश कुमार मुख्यमंत्री की शपथ ही न लेते। सत्ता के नए पांच साल नीतीश को मिले थे। बढ़ती उम्र और गिरते स्वास्थ्य के बावजूद वह आराम से सरकार चला सकते थे।

दृष्टि कोण

मानवता चुका रही है भीषण युद्ध की कीमत

अमेरिका इस्राइल और ईरान के बीच जो भीषण युद्ध छिड़ गया है, उसके बीच संवाद की कोई गुंजाइश नजर नहीं आती। बल्कि हर रोज युद्ध का विस्तार बढ़ता जा रहा है। एक ओर ईरान है और उसकी जुनूनी सैनिक ताकत, जो अपने शिया सुप्रीमो खामेनेई की मौत का बदला खून की आखिरी बूंद तक लेना चाहती है। दूसरी ओर है अमेरिका की महाशक्ति और मध्यपूर्व का चेहरा इस्राइल, जो कहने को तो ईरान के परमाणु शक्ति बनने पर अंकुश लगाने के लिए युद्ध में कूदा है। लेकिन उसके निरंकुश मंसूबे किसी से छिपे नहीं हैं। दुनिया में शांति के नाम पर तबाही का पहाड़ा पढ़ा जाने लगा। जहां-जहां भी यह पहाड़ा शुरू हुआ, चाहे यह यूक्रेन और रूस के बीच हो या अब नये युद्ध केन्द्र पाकिस्तान और अफगानिस्तान या संभावित युद्ध केन्द्र चीन और ताइवान, यह पहाड़ा तबाही का सबब बन रहा है। बहरहाल, ईरान और अमेरिका-इस्राइल संघर्ष दुनिया के युद्धरत और दूसरे देश भी संभावित तबाही के भय से कांप रहे हैं। जिस तरह से यह युद्ध आतंकवाद को नियंत्रित करने के नाम पर लेबनान और ब्रिटिश बेसों वाले साइप्रस तक फैल गया है, उससे सबकी चिंता और भी बढ़ गई है। सोचा गया था कि इतनी शक्तियां मिलकर इस युद्ध को कुछ दिन में निपटा देंगी। जिस तेजी से परेशानियां बढ़ रही हैं, उस तेजी से युद्ध निपटने के अवसर भी हैं। लेकिन जहां बड़ी ताकतें अपनी ताकत से मदमत्त हों, वहां हर दिन शांति की गुंजाइश कम होती है और युद्ध की भीषणता की आशंका बढ़ती है। लेकिन इस संभावना में एक और खतरनाक बात भी सामने आ रही है। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी आईआईए के न्यूक्लियर वॉच डॉग ने एक और चेतावनी जारी की है कि परमाणु शक्तियों सावधान हो जाओ! जिस तरह से भीषण जंग हो रही है, परमाणु बम चलाए बिना परमाणु तबाही हो सकती है। यह सही है कि अभी तक ऐसी तबाही नहीं हुई है लेकिन परमाणु एजेंसी के मुखिया राफेल ग्रामसी कहते हैं कि चाहे बम नहीं चलाओगे, लेकिन एक-दूसरे को पस्त करने के लिए वैश्विक शक्तियां अगर एक-दूसरे के

परमाणु केन्द्रों पर हमले करेंगी तो परमाणु रिसाव शुरू हो सकता है। अगर रेडियो-एक्टिव रिसाव शुरू हो गया तो तबाही के भय से घबराकर बड़े शहरों को खाली करने की गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। इसलिए राफेल ग्रामसी ने कहा कि जल्द से जल्द इस युद्ध को संवाद की सहायता से रोकिए। वैसे अभी तक रेडिएशन का स्तर सामान्य है, लेकिन यह सामान्य रहेगा, इसकी क्या गारंटी है? वैसे तबाही तो कई और आयामों से भी झांक रही है। इस लड़ाई में तेल आपूर्ति का सामान्य समुद्री मार्ग, जिसमें से तेल टैंकरों की बीस प्रतिशत आवाजाही है, वह ध्वस्त हो गया है। सऊदी अरब स्थित दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी ड्रोन हमले की शिकार हो गई है। उसे अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। कतर एनर्जी ने एलएनजी का उत्पादन बंद करने की घोषणा कर दी। पहले झटके में यूरोप में तेल और गैस की कीमतें उछल गई हैं। तीसरी दुनिया के देश और भारत कब तक बचेंगे? पूरा विश्व परेशान हो रहा है। अमेरिका को उम्मीद थी कि अगर ईरान में से खामेनेई और उनके साथी साफ कर दिए जाते हैं तो बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महंगाई से संत्रस्त जेन-जी युवा विरोध में सड़कों पर उठ खड़े होंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ बल्कि वहां सत्ता पर खामेनेई समर्थकों का ही वर्चस्व है और वे करो या मरो के अंदाज में लड़ाई लड़ रहे हैं। दूसरी ओर ट्रम्प अभी परेशान है कि ब्रिटेन और फ्रांस मौन समर्थन दे रहे हैं, युद्ध में कूदे क्यों नहीं? दूसरी ओर रूस और चीन का भी मूक समर्थन ईरान के साथ है। चीन ने अभी फिर अमेरिका द्वारा ईरान पर हमला करने पर नाराजगी जताई है। इस समय संघर्ष में बड़े हमले हो रहे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। सैर-सपाटे पर जाने का कार्यक्रम बन सकता है, जो आपकी ऊर्जा और उत्साह को तरोताज़ा कर देगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें। आज का दिन उन्माद में घिर जाने का है; क्योंकि आप अपने जीवनसाथी के साथ प्रेम के चरम का अनुभव करेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल-जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। आपके लिए अपने प्रिय से दूर रहना बहुत मुश्किल होगा। आज आपके बॉस का बढ़िया मिज़ाज पूरे कार्यालय के माहौल को अच्छा बना देगा। अपने व्यक्तित्व और रंग-रूप को बेहतर बनाने का कोशिश संतोषजनक साबित होगी। आपके जीवनसाथी की ओर से मिला कोई ख़ास तोहफ़ा आपके खिन्न मन को ख़ुश करने में काफ़ी मददगार साबित होगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। घरेलू कामकाज आपको ज़्यादातर वक़्त व्यस्त रखेंगे। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है। अगर हाल में आप व आपका जीवनसाथी बहुत ख़ुश महसूस नहीं कर रहे थे, तो आज हालात बदल सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

भागमभाग भरे दिन के बावजूद आपकी सेहत पूरी तरह दुरुस्त रहेगी। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। आपकी आकर्षक छवि मनचाहा परिणाम देगी। आज के दिन काम करते वक़्त आपको कोई ख़ास दिक़्क़त नहीं आएगी और आप एक विजेता की तरह उभरेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। आपको अपने जीवनसाथी की ओर से कुछ ख़ास देखने को मिल सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

किसी सृजनात्मक काम में ख़ुद को व्यस्त रखना बेहतर रहेगा। साथ ही बीमारी से जूझने के लिए ख़ुद को उत्साहित करते रहें। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। पुराने दोस्त मददगार और सहयोगी साबित होंगे। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। सहकर्मियों और वरिष्ठों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इज़ाफ़ा करेगा। आपको और आपके जीवनसाथी को कोई बहुत सुखद ख़बर सुनने को मिल सकती है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। समय और धन की कद्र आपको करनी चाहिए नहीं तो आने वाला वक़्त परेशानियों भरा रह सकता है। परिवार और बच्चों के साथ बिताया समय आपको फिर ऊर्जा से लबरेज़ कर देगा। यह दिन प्रसन्नता और ज़िन्दादिली के साथ किसी ख़ास संदेश को भी देगा । अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। आज आपको अपने कामों को समय पर निपटाने की कोशिश करनी चाहिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

स्वास्थ्य का ख़याल रखें, नहीं तो लेने के देने पड़ सकते हैं। आज आप घर से बाहर तो बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। असजता की वजह से आप वैवाहिक जीवन में ख़ुद को फँसा हुआ अनुभव कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाईयाँ हल हो जाएंगी। बच्चे आपके दिन को बहुत मुश्किल बना सकते हैं। प्यार-दुलार के हथियार का इस्तेमाल कर उन्हें समझाएँ और अनचाहे तनाव से बचें। कार्यक्षेत्र में प्रगतिशील और बड़े बदलाव करने में सहकर्मी आपका पूरा सहयोग करेंगे। आपको भी तेज़ी से क़दम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक़्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

खेलों और आउटडोर गतिविधियों में भागीदारी आपकी खोयी ऊर्जा को फिर से इकट्ठा करने में आपकी मदद करेगी। ग्रह नक्षत्रों की चाल आपके लिए आज अच्छी नहीं है, आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। बहादुरी भरे क़दम और फ़ैसले आपको अनुकूल पुरुस्कार देंगे। घर के कामों को पूरा करने के बाद ऐसा लगता है कि आपके जीवनसाथी आज आपके ऊपर ख़ास ध्यान देंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आपकी वजह से जिसे नुक़सान हुआ हो, उससे माफ़ी मांगने की ज़रूरत है। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं होगा। एक ख़ुशनुमा और बढ़िया शाम के लिए आपका घर मेहमानों से भर सकता है। अपने प्रेम-प्रसंग के बारे में इधर-उधर ज़्यादा बातें न करें। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। बिना किसी को बताए आज आप अकेले वक्त बिताने घर से बाहर जा सकते हैं। लेकिन आप अकेले तो होंगे लेकिन शांत नहीं आपके दिल में आज के दिन कई चिंताएं हैं होंगी। जीवनसाथी से बिना पूछे योजना बनाएंगे, तो उनकी ओर से नकारात्मक प्रतिक्रिया मिल सकती है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

सेहत अच्छी रहेगी। जिन व्यापारियों के संबंध विदेशों से हैं उन्हें आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए आज के दिन सोच समझकर चलें। घर वालों के साथ समय बिताना ख़ुशनुमा अनुभव रहेगा। आप महसूस करेंगे कि आपकी रचनात्मकता कहीं खो गयी है और फ़ैसले करने में आपको ख़ासी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। जिन रिश्तों को आप अहमियत देते हैं उन्हें समय देना भी आपको सीखना होगा नहीं तो रिश्ते टूट सकते हैं। आपको महसूस होगा कि आपका वैवाहिक जीवन बहुत ख़ूबसूरत है।

आज का पंचांग

दिनांक : 10 मार्च 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : चैत्र ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 01:57 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 07:05 तक
योग : हर्षण प्रातः 08:20 तक
करण : विष्टि दोपहर 12:43 तक
चन्द्रराशि : कन्या
सूर्योदय : 06:28 , सूर्यास्त 06:24 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:30, सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 06:22 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:19 , सूर्यास्त 06:16 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा दोपहर 12:41 तक ,
शीतला सप्तमी , गण्डमूल रात्रि 07:05 से

✲ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✲

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

आप और कांग्रेस का कल्चर चुनावी-रेवड़ी बांटने वाला रहा है : सैनी

चंडीगढ़, 09 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज पंजाब की आप सरकार पर चुनावी रेवड़ी बांटने का आरोप लगाते हुए कहा कि वहां की जनता मुख्यमंत्री भगवंत मान की सरकार से तंग आ चुकी है और आगामी चुनाव में लोगों ने सत्ता परिवर्तन का मन बना लिया है। इस अवसर पर कृषि और किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा भी उपस्थित रहे। नायब सिंह सैनी सोमवार को चंडीगढ़ में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान पत्रकारों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। पंजाब की आप सरकार द्वारा बजट में एससी वर्ग की महिलाओं को 1500 रुपए तथा अन्य महिलाओं को 1000 रुपए देने की घोषणा के सवाल पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को नजदीक देख कर आप सरकार रेवड़ी बांट रही है लेकिन इससे उनकी पार्टी को कोई फायदा नहीं होगा क्योंकि पंजाब की जनता सत्ता परिवर्तन का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि पंजाब में चाहे पूर्व में कांग्रेस की सरकार रही हो या वर्तमान आप पार्टी की सरकार, इनका इतिहास चुनाव के समय में जुमले छोड़ने और रेवड़ी बांटने का रहा है। सैनी ने चुटकी लेते हुए कहा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी चुनाव के समय लोक लुभावनी घोषणाएं करते थे, जैसा हाल उनका हुआ है वैसा ही हाल पंजाब में भगवंत मान की सरकार का अगले विधानसभा चुनाव में होगा।

उन्होंने कहा कि जब भी पंजाब के लोग उनसे मिलने आते हैं तो वे बताते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बनाई गई आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने में पंजाब की आप सरकार रोड़े अटका रही है। पात्र लोगों को इस

योजना का लाभ नहीं मिला पा रहा है। नायब सिंह सैनी ने पंजाब सरकार पर पिछले दिनों उनके पंजाब राज्य के दौरे के दौरान हुए कार्यक्रमों में अड़ंगा डालने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के हरियाणा आगमन पर उनके मुख्यमंत्री के प्रोटोकॉल का सम्मान करते हुए पूरा उन्हें पूरा आदर सम्मान दिया जाता है। उन्होंने पंजाब सरकार पर आरोप लगाया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन करने वाली महिला कर्मचारियों पर आंसू गैस के गोले बरसा कर महिला विरोधी होने का सबूत दिया है जबकि हरियाणा सरकार ने सिरसा में राज्य स्तरीय समारोह आयोजित करके उनको विभिन्न योजनाओं के करोड़ों रुपये की राशि डीबीटी के माध्यम से भेज कर उनका मान-सम्मान बढ़ाने का काम किया। बुजुर्गों की पेंशन के मामले में भी मुख्यमंत्री भगवंत मान को घेरा और कहा कि पंजाब में बुजुर्गों की आमदनी की सीमा 60 हजार रुपये निर्धारित करके गरीब बुजुर्गों का अपमान करके उन को इस सम्मान भत्ता से महरूम करने का काम किया जा रहा है जबकि हरियाणा में यह आय सीमा 3 लाख रुपए है ताकि अधिक से अधिक बुजुर्ग इस वृद्धावस्था सम्मान भत्ते का लाभ उठा सकें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब के लोग आप पार्टी की सरकार से तंग आ चुके हैं और उन्होंने वर्तमान सरकार को हटाकर आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा को सत्ता में लाने का मन बना लिया है। उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा की भांति पंजाब को भी विकास के मामले में नंबर वन प्रदेश बनाएंगे।

उन्होंने टी -20 वर्ड कप में भारत की जीत पर टीम के सभी खिलाड़ियों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। सैनी ने पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान वहां की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का सम्मान न करने की निंदा की और कहा कि वे देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हैं उनका सबको सम्मान करना चाहिए।

साढ़ौरा क्षेत्र की नदियों से गाद हटाने के प्रस्ताव पर सरकार कर रही विचार : श्रुति चौधरी

चंडीगढ़, 09 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी ने बताया कि साढ़ौरा विधानसभा क्षेत्र के चौतांग नाला, सोम नदी और नकटी नदी की गाद निकालने का प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन हैं। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी आज सदन में पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर दे रही थी। उन्होंने बताया कि चौतांग नाला बुर्जी संख्या 3000 से 48000 तक गाद निकालने का अनुमान तैयार किया जा रहा है। यह कार्य 30 जून 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। वहीं सोम नदी से गाद निकालने के लिए टेंडर जारी किए गए थे लेकिन छत्रद्ध (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) ने 11 फरवरी 2026 को इस काम पर रोक लगा दी। मामले की अगली सुनवाई 15 मई 2026 को है। इसलिए अभी टेंडर रद्द कर दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि नकटी नदी से कुछ हिस्सों में गाद निकालने का काम पहले ही हो चुका है। बाकी हिस्सों में काम वन भूमि से जुड़े मुद्दे सुलझने के बाद शुरू होगा।

कृषि भूमि को बचाने के लिए ठोस योजना बनाए सरकार : सैलजा

चंडीगढ़/सिरसा, 09 मार्च (एजेंसियां)।

फतेहाबाद और हिसार सहित हरियाणा के अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में सेम (जलभराव) की समस्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे हजारों एकड़ उपजाऊ कृषि भूमि बंजर होने की कगार पर पहुंच गई है। यह स्थिति न केवल किसानों की आजीविका के लिए गंभीर संकट पैदा कर रही है बल्कि प्रदेश की कृषि व्यवस्था के लिए भी अत्यंत चिंताजनक है। मीडिया को जारी एक बयान में सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि लंबे समय से सेम प्रभावित क्षेत्रों के किसान भारी नुकसान झेल रहे हैं। जलभराव के कारण उनकी जमीन पर खेती करना मुश्किल हो गया है और कई गांवों में हजारों एकड़ भूमि अनुपयोगी होती जा रही है। इसके बावजूद राज्य सरकार की ओर से अब तक कोई प्रभावी और स्थायी योजना सामने नहीं आई है।

उन्होंने कहा कि सरकार को चाहिए कि सेम की समस्या के स्थायी समाधान के लिए एक व्यापक और वैज्ञानिक योजना तुरंत तैयार करे। इसके अंतर्गत भूमिगत जल निकासी (ड्रेनेज सिस्टम) को मजबूत करना, पानी की निकासी के लिए नई योजनाएं बनाना तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रभावित भूमि को पुनः कृषि योग्य बनाने के ठोस कदम उठाए जाएं।कुमारी सैलजा ने यह भी मांग की कि जब तक सेम से प्रभावित भूमि पूरी तरह से कृषि योग्य नहीं हो जाती, तब तक किसानों को प्रति वर्ष उचित मुआवजा दिया जाए ताकि उनके आर्थिक नुकसान की भरपाई हो सके और उनका जीवनयापन प्रभावित न हो। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं को नजरअंदाज करना किसी भी सरकार के लिए उचित नहीं है।

सरकार तुरंत पेशेवर स्नातकों के रोजगार के वास्तविक आंकड़े सार्वजनिक करे : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 09 मार्च (एजेंसियां)।

सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने लोकसभा में चालू वर्ष सहित पिछले दस वर्षों के दौरान देशभर के सभी सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों से व्यावसायिक पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों की संख्या और रोजगार प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या से जुड़े आंकड़े मांगे तो जवाब में केंद्र सरकार के शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. सुकान्त मजूमदार ने बताया कि वर्ष 2014-15 में 8.92 लाख छात्रों ने पेशेवर पाठ्यक्रम पूरे किए थे, जो बढ़कर 2022-23 में 13.72 लाख हो गए हैं। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हर साल लाखों युवा डिग्री लेकर निकल रहे हैं, लेकिन उनके लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में सरकार पूरी तरह नाकाम रही है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि सरकार ने संसद में स्वीकार कर रही है कि पेशेवर स्नातकों को मिलने वाले रोजगार का अलग से कोई ठोस आंकड़ा उसके पास उपलब्ध नहीं है। बीजेपी सरकार को यह भी नहीं पता कि कितने पढ़े-लिखे युवाओं को नौकरी मिली है। जबकि, अकेले केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में ही लगभग 10 लाख सरकारी पद खाली पड़े हैं। भारतीय सेना में पक्की भर्ती को 'अग्निपथ योजना' की भेंट चढ़ाकर पहले ही खत्म किया जा चुका है। दीपेन्द्र हुड्डा ने मांग करी कि सरकार तुरंत पेशेवर स्नातकों के रोजगार के वास्तविक आंकड़े सार्वजनिक करे। केंद्र से लेकर राज्यों तक विभिन्न सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों पर तुरंत पक्की भर्ती की जाए। रोजगार सृजन के ठोस कदम उठाए, उद्योगों में निवेश बढ़ाए और शिक्षा को रोजगार से सीधे जोड़ने की स्पष्ट नीति बनाए। अन्यथा हर साल लाखों

डिग्रीधारी युवाओं की बेरोजगार फौज तैयार होती रहेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी बीजेपी सरकार की होगी। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि केंद्र सरकार केवल बातों की जलेबी तलती है, सत्ता में आने से पहले प्रतिवर्ष 2 करोड़ रोजगार देने के वायदे का क्या हुआ। रोजगार पर बीजेपी के वायदे के मुताबिक पिछले 12 साल में 24 करोड़ रोजगार मिलने चाहिए। देश में लगभग इतने ही घर हैं यानी हर घर में एक रोजगार मिलना चाहिए था। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार देश के नौजवानों से माफी मांगे कि उसने वोट लेने के लिए युवाओं से झूठ बोला था। उन्होंने कहा कि सरकार ने खुद स्वीकार किया है कि पिछले कुछ वर्षों में देशभर में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से निकलने वाले स्नातकों की संख्या तेजी से बढ़ी है, लेकिन उनके रोजगार से जुड़े ठोस आंकड़े सरकार के पास नहीं हैं।

बनेड़ी बांध पर अवैध बजरी खनन पर खनिज व पुलिस विभाग की संयुक्त कार्रवाई में पांच एक्सक्वेटर व चार डंपर जब्त

जयपुर, 09 मार्च (एजेंसियां)।

खान एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा पावटा के रामपुरा गांव के पास बनेड़ी बांध क्षेत्र में अवैध बजरी खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। अधीक्षण खनि अभियंता जयपुर एनएस शक्तावत ने बताया कि खान व पुलिस विभाग की टीम ने औचक कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी खनन में लिप्त 5 एक्सक्वेटर मशीन और 4 डंपर जब्त किये हैं। सहायक खनि अभियंता कोटपुतली अमीचंद ने 5

एक्सक्वेटर मशीनों को जब्त कर बनेड़ी राजकीय स्कूल के पास खड़ी करवाकर आरएसी जाब्ता लगाया गया है। इसी तरह से जब्त 4 डंपर पुलिस थाना प्रागपुरा में जब्त कर खड़ा कराया गया है। एएमई श्री अमीचंद द्वारा जब्त मशीनों के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई गई है। गौरतलब है कि खनिज विभाग व पुलिस की इस संयुक्त कार्रवाई में पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली, पुलिस उपाधीक्षक कोटपुतली, थानाधिकारी प्रागपुरा, सरुण्ड, पनियाला, भावरु, विराटनगर के साथ ही सहायक खनि अभियंता कोटपुतली अमीचंद, फोरमेन दिनेश कुमार, फोरमेन शिवांग पारीक व बोर्डर होमगार्ड के सदस्यों ने संयुक्त कार्रवाई की है।

रसोई गैस की कीमतों में बढ़ोत्तरी के खिलाफ कांग्रेस करेगी ब्लॉक मुख्यालयों पर प्रदर्शनः सूपा

भरतपुर, 09 मार्च (एजेंसियां)।

रसोई गैस की कीमतों में की गई बेतहाशा वृद्धि एवं केंद्रीय भाजपा सरकार कि गलत नीतियों के कारण बढ़ रही बेतहाशा महंगाई पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश सूपा ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए भाजपा सरकार से रसोई गैस की बड़ी हुई दरों को वापस लेने की मांग की है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष दिनेश सूपा ने कहा कि इन मुद्दों को लेकर भरतपुर जिले के समस्त ब्लॉक स्तरों पर आगामी दो दिवस के अंदर भाजपा सरकार के विरुद्ध धरना, प्रदर्शन, पुतला दहन एवं ज्ञापन प्रेषित किए जाएंगे।

कांग्रेस संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने बताया कि पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार उक्त मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ पूरे राजस्थान में प्रत्येक उपखंड स्तरों पर

प्रदर्शन आयोजित किया जा रहे हैं।

जिसके तहत भरतपुर जिले में भी डीसीसी चीफ दिनेश सूपा के निर्देशन में आगामी दो दिवस में भरतपुर जिले के समस्त ब्लॉक मुख्यालयों पर धरना, प्रदर्शन एवं पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसमें समस्त क्षेत्रीय कांग्रेस जन आवश्यक रूप से उपस्थित रहेंगे।

बृजनगर-सीकरी सड़क सुदृढ़ीकरण प्रोजेक्ट

4.17 करोड़ की नई प्रशासनिक और वित्तीय मंजूरी मिली

डीग, 09 मार्च (एजेंसियां)।

राजस्थान सरकार की आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता के अंतर्गत सोमवार को एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक उपलब्धि अर्जित की गई है। बृजनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक तथा गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के प्रयासों के फलस्वरूप जालुकी चौराहा से सीकरी वाया गोविंदगढ़ (डक-35) मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य हेतु 4,17,49,308 रुपये (चार करोड़ सत्रह लाख उनचास हजार तीन सौ आठ रुपये) की एक्सेस आइटम स्लिप को सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता द्वारा प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में स्वीकृत 21 करोड़ के अलावा यह अतिरिक्त राशि स्वीकृत हुई है। गृह राज्यमंत्री बेढ़म इस परियोजना की तकनीकी जटिलताओं को दूर करने और क्षेत्रवासियों को सुगम आवागमन सुनिश्चित करने हेतु लंबे समय से प्रयासरत थे, जिसके सुखद परिणाम स्वरूप इस परियोजना को उप-मुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री का भी अनुमोदन प्राप्त हुआ है।

मुख्य अभियंता (रोड), जयपुर द्वारा जारी आदेशानुसार इस स्वीकृत धनराशि का उपयोग सड़क की चौड़ाई को 7 मीटर से बढ़ाकर 10 मीटर करने के साथ-साथ डामरीकरण और आधुनिक सड़क सुरक्षा मानकों को पूर्ण करने में किया जाएगा। इस विस्तृत परियोजना के अंतर्गत सड़क मार्ग पर मिट्टी खुदाई, तटबंध निर्माण, कंक्रीट पेवमेंट और आधुनिक सड़क चिह्नों जैसे कैट्स आई और थर्मोप्लास्टिक पेंट का कार्य भी उच्च गुणवत्ता के साथ संपन्न किया जाएगा।

जयपुर में अमूल ब्रांड की डेढ़ लाख किलो एक्सपायरी खाद्य सामग्री नष्ट

जयपुर, 09 मार्च (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल और चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में मिलावट पर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में खाद्य सुरक्षा विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जयपुर में अवधि पार अमूल ब्राण्ड की करीब डेढ़ लाख किलो सामग्री नष्ट की है। उल्लेखनीय है कि इस अवधिपार सामग्री को तिथि मिटाकर नई तिथि अंकित कर बेचने की तैयारी थी, जिसकी शिकायत राज्य सरकार की हेल्पलाइन 181 पर मिली थी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि आमजन को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग लगातार बड़ी कार्रवाइयों को अंजाम दे रहा है। विगत दिनों 181 हेल्पलाइन पर किसी नागरिक ने शिकायत दर्ज करवाई कि जयपुर के खो नागोरियान क्षेत्र में मैसर्स एथलीट डिस्ट्रीब्यूटर द्वारा अवधिपार अमूल ब्राण्ड की खाद्य सामग्री को बेचने की तैयारी की जा रही है। इस पर विभाग ने सीएमएचओ जयपुर, द्वितीय की टीम को मौके पर निरीक्षण के लिए भेजा।

राठौड़ ने बताया कि टीम को एक बडे.गोदाम में भारी मात्रा में खाद्य सामग्री के कार्टन मिले, जिनमें मैसर्स कायरा डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर यूनियन, गुजरात द्वारा उत्पादित एवं मैसर्स एडवनसिस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सप्लाई किए गए अमूल ब्रांड के अनेक नॉन डेयरी फूड प्रोडक्ट नूडल्स, केचअप ,म्योनीज, एनर्जी ड्रिंक आदि उत्पाद थे। लगभग 12 हजार कार्टन एक्सपायरी डेट के मिले, जिनमें से 3000 कार्टून में रखे पैकेट से एक्सपायरी डेट मिटा दी गई थी। मौके पर डेट मिटाने के लिए थिनर, एसीटोन, केमिकल एवं अन्य सामग्री पाई गई। मैसर्स एथलीट डिस्ट्रीब्यूटर फर्म का कारोबारी गगन आहूजा इस खाद्य सामग्री पर नई डेट प्रिंट कर इसे 4500 नए अमूल ब्रांड के कार्टनों में भर कर मोटे मुनाफे में बेचने की तैयारी में था।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी शुभमंगला ने बताया कि इस गोदाम में अवैध तरीके से खाद्य सामग्री का बेचान किए जाने की जानकारी मिली है। पड़ोसियों ने बताया कि 10-12 कर्मचारी गोदाम में प्रवेश करने के बाद इसका मुख्यद्वार शाम तक बंद रहता था, किसी को अंदर नहीं जाने दिया जाता था। मैसर्स एथलीट स्टोर का फूड लाइसेंस एक्सपायर हो चुका था।

अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह ने बताया कि टीम इतनी भारी मात्रा में एक्सपायरी खाद्य सामग्री देख कर दंग रह गई। पूछताछ करने पर गगन ने बताया कि यू ट्यूब पर डेट बदल कर एक्सपायरी माल बेचने का तरीका सीखा। एक्सपायरी खाद्य सामग्री को आमजन को बेचे जाने का अंदेशा होने पर टीम ने नमूने लेने के बाद गोदाम में रखी खाद्य सामग्री, मशीनों एवं अन्य सामान को सीज कर परिसर को सील कर दिया है।

यादगिरीगुट्टा में रजिस्ट्रेशन एक्ट 1977 के विरोध में धरना

यादगिरीगुट्टा, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । भारतीय जनता पार्टी की ओर से एमआरओ ऑफिस के सामने रजिस्ट्रेशन एक्ट 1977 की धारा 22 ए लागू करने के विरोध में धरना दिया गया। इस धरने के दौरान जिला अध्यक्ष उत्कुर अशोक गौड़ ने कहा कि पहले सरकारें समाज के कमजोर तबके को सिर्फ प्लॉट देती थीं, लेकिन लोग अपनी मेहनत की कमाई से उनमें घर बना लेते थे।

उन्हें अपनी जरूरतों, जैसे स्वास्थ्य, बच्चों की शादी और शिक्षा के लिए ऐसे घरों को बेचकर अपनी जिंदगी चलानी पड़ती थी। परंतु, रजिस्ट्रेशन एक्ट 1977 की धारा 22 ए के तहत ऐसे घरों को रोक की लिस्ट में डाल दिया गया है, जिसके कारण राज्य भर में लाखों परिवारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

यादगिरीगुट्टा में बीसी कॉलोनी, इंदिरा कॉलोनी, एस सी कॉलोनी, बेड़ा, बुडगा, जंगला कॉलोनी में भी इसी तरह की रोक लगी हुई है, जिससे लोग अपने घर खरीद-बेच नहीं पा रहे हैं। इस कारण, भारतीय जनता पार्टी ने प्रभावित परिवारों के साथ बड़े पैमाने पर धरना दिया और इस एक्ट में बदलाव की मांग की।

जिला अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस सरकार, जो दावा करती है कि इंदिरा का राज गरीबों का राज था, दरअसल 22 ए एक्ट के माध्यम से लोगों को और परेशान कर रही है। उन्होंने सरकार से मांग की कि 760 घरों को तुरंत रेगुलराइज़ किया जाए।

हालांकि, सरकार का कहना है कि वह इन घरों को नहीं गिर-एगी, लेकिन पिछले हफ़्ते खम्मम में बिना किसी सूचना के इस तरह के एक्शन लेने का आरोप लगाया गया है। उन्होंने प्रश्न किया कि यदि खम्मम जिले में, जहाँ तीन मंत्री हैं, ऐसा हो सकता है, तो एक एम.एल.ए. पर भरोसा कैसे किया जा सकता है। उन्हेंने एम.एल.ए. बिरला अयलैया से कहा कि वे बकवास करना बंद करें और आव्हान किया कि लोग सब-रजिस्ट्रार के ऑफिस में आकर अपने रजिस्ट्रेशन करवा लें। उन्होंने फिर से मांग की कि सरकार इन घरों को बिना किसी शर्त के रेगुलराइज़ करे और यह सुनिश्चित करे कि इनकी खरीद-बिक्री हो सके।

इस कार्यक्रम में जिला मुख्य सचिव कदुरी अचैया, राज्य परिषद सदस्य राचा श्रीनिवास, जिला सचिव मल्लारेड्डी, टाउन अध्यक्ष करें प्रवीण, मंडल अध्यक्ष गुंटुपल्ली माहेश्वरी और कई अन्य प्रमुख नेता शामिल हुए।

बेल्लमपल्ली नगर मेन बाजार की समस्याओं पर नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

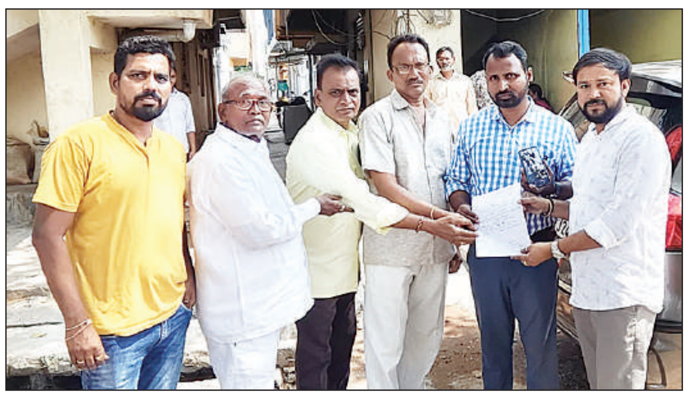

बेल्लमपल्ली, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । बेल्लमपल्ली नगर पालिका में प्रजा पालना प्रगति रिपोर्ट कार्यक्रम के हिस्से के रूप में सोमवार को स्थानीय 29 वार्ड मेन बाजार एरिया में नगर पालिका अधिकारी की बैठक आयोजित की गई, जिसमें वहां के लोगों से बातचीत की गई।

इस मौके पर बस्ती वासियों ने पिछले कई वर्षों से टूटे हुए अंदरूनी ड्रेनेज सिस्टम के कारण सड़क पर गांधी नहर का पानी बहने से उत्पन्न समस्याओं का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि पीने का पानी दस से पंद्रह दिनों में एक बार ही और केवल कुछ समय के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे हर दो-तीन दिनों में पेयजल की आपूर्ति के लिए निवेदन करना आवश्यक हो रहा है। मार्केट एरिया में उचित ड्रेनेज सिस्टम, सड़कों की मरम्मत और आस-पास की सफाई के संबंध में नगर आयुक्त जे. संपत रेड्डी को एक याचिका सौंपा गया। इस विषय पर उन्होंने सहानुभूतिपूर्ण प्रतिक्रिया व्यक्त की।इस कार्यक्रम में पार्षद मेडी पुन्नम चंद्रू, रंगा रामन्ना, श्रीनिवास तथा अन्य बस्ती वासी भी उपस्थित रहे।

बीआरएस ने काजीपेट कोच फैक्ट्री और विस्थापित परिवारों के लिए नौकरियों पर स्पष्टता मांगी

काजीपेट, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस (BRS) ने काजी-पेट में प्रस्तावित रेलवे विनिर्माण इकाई पर स्पष्टता की मांग की है और उन किसानों के लिए नौकरी की गारंटी मांगी है जिन्होंने परियोजना के लिए अपनी जमीन दी थी। पूर्व सांसद बी. विनोद कुमार, पूर्व विधायक आरूरी रमेश और अन्य वरिष्ठ नेताओं के एक बीआरएस प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को सिकंदराबाद में दक्षिण मध्य रेलवे के रेलवे महाप्रबंधक से मुलाकात की।

चर्चा के दौरान, उन्होंने काजीपेट में रेलवे विनिर्माण इकाई में स्थानीय लोगों के लिए रोजगार, रोलिंग स्टॉक आदि के निर्माण की इसकी क्षमता और काजीपेट रेलवे डिवीजन के गठन का मुद्दा उठाया।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक से मिलने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए विनोद कुमार ने कहा कि काजी-पेट में कोच फैक्ट्री की मांग लगभग चार दशकों से लंबित है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने पहले वैगन फैक्ट्री की घोषणा की थी, लेकिन किसानों से रियायती दरों पर भूमि अधिग्रहण के बाद प्रस्ताव को विनिर्माण इकाई में बदल दिया गया।

उन्होंने याद दिलाया कि तत्कालीन बीआरएस निर्वाचित प्रतिनिधियों के प्रयासों के बाद, अधिकांश किसानों ने क्षेत्र के विकास का मार्ग प्रशस्त करते हुए फैक्ट्री के लिए अपनी जमीनें दे दी थीं। उन्होंने बताया कि दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने प्रतिनिधिमंडल को सूचित किया है कि परियोजना का कार्य एक निजी फर्म द्वारा निष्पादित किया जा रहा है।

पूर्व विधायक आरूरी रमेश ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल ने अयोध्यापुरम में परियोजना के लिए जमीन खोने वाले परिवारों के लिए रोजगार की मांग की है। उन्होंने कहा कि लातूर सहित अन्य रेलवे परियोजनाओं की तर्ज पर स्थानीय लोगों को नौकरियों में प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जहां जमीन गंवाने वालों को रोजगार प्रदान किया गया था। बीआरएस नेताओं ने एक अलग काजीपेट रेलवे डिवीजन की मांग भी उठाई। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने आश्वासन दिया कि आवश्यक कार्रवाई के लिए इन मुद्दों को रेलवे बोर्ड तक पहुँचाया जाएगा।

हिंदी विश्वविद्यालय में 'अज्ञेय' की जयंती पर हुआ व्याख्यान

वर्धा, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' की जयंती पर 'प्रयोगवादी काव्य और अज्ञेय' विशेष पर आयोजित व्याख्यान में उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, भोपाल के अवकाश प्राप्त प्रोफेसर आनंद कुमार सिंह ने कहा कि हिंदी के महान कथाकार, उपन्यासकार व पत्रकार 'अज्ञेय' आधुनिकता के महाद्वीप हैं। प्रो. सिंह ने अज्ञेय के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि राम कमल राय ने 1986-87 में 'शिखर से सागर तक' शीर्षक से अज्ञेय की जीवनी को लिखी जिसमें अज्ञेय के जीवन से जुड़े अज्ञात पक्ष मिलते हैं। तार सप्तक का विस्तार से विवेचन करते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रयोगवाद का घोषणापत्र है। प्रगतिवाद और प्रयोगवाद को व्याख्यायित करते हुए उन्होंने कहा कि कविता को समझने के लिए उस कालखंड के राजनैतिक परिदृश्य को समझना आवश्यक होता है। कवि अज्ञेय ने परंपरा और प्रगति का द्वंद्व मिटाया, वे भारतीय परंपरा के प्रतीक माने जाते हैं।ग़ालिब सभागार में शनिवार, 7 मार्च को आयोजित कार्यक्रम का स्वागत एवं प्रास्ताविक वक्तव्य साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार ने दिया। उन्होंने कहा कि कविता में प्रयोगवाद को लाने का श्रेय अज्ञेय को जाता है। उनकी कविताओं में दार्शनिक और बौद्धिकता का स्वर प्रखर रूप से प्रदर्शित होता है। उन्होंने तार सप्तक की चर्चा करते हुए अज्ञेय के बहुआयामी व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। संचालन कार्यक्रम के सह- संयोजक, हिंदी साहित्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार ने किया तथा कार्यक्रम के संयोजक हिंदी साहित्य विभाग के एसोशिएट प्रोफेसर डॉ. अशोक नाथ त्रिपाठी ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का प्रारंभ अज्ञेय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। प्रारंभ कुलगीत से तथा समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर डॉ. रूपेश कुमार सिंह, डॉ. शैलेश मरजी कदम, डॉ. कोमल कुमार परदेसी, डॉ. रणंजय कुमार सिंह, बी.एस. मिरगे सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

12 वर्षीय कुचिपुड़ी नृत्यांगना ने यादद्री मंदिर में 3 किमी की 'गिरि प्रदक्षिणा' के साथ दी प्रस्तुति

यादद्री, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । कला, संस्कृति और आध्यात्मिकता के एक अद्भुत संगम में, हैदराबाद की 12 वर्षीय कुचिपुड़ी नृत्यांगना पी. श्री वैष्णो देवी ने स्वाति नक्षत्र के पावन अवसर पर श्री लक्ष्मी नरसिंहा स्वामी देवस्थानम में पवित्र 'गिरि प्रदक्षिणा' के दौरान अपनी तरह का पहला कुचिपुड़ी नृत्य प्रदर्शन प्रस्तुत किया।स्वाति नक्षत्र को भगवान लक्ष्मी नरसिंहा की पूजा के लिए अत्यधिक पवित्र दिन माना जाता है। इस अवसर पर हजारों भक्त गिरि प्रदक्षिणा करने, प्रार्थना करने और शांति, समृद्धि एवं सुरक्षा के लिए दैवीय आशीर्वाद लेने के लिए मंदिर आते हैं।एक दुर्लभ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहल में, वैष्णो देवी ने पूरे 3 किलोमीटर के गिरि प्रदक्षिणा मार्ग पर निरंतर कुचिपुड़ी नृत्य किया, जिसने पवित्र पहाड़ी की परिक्रमा कर रहे भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस गिरि प्रदक्षिणा में वैष्णो देवी की 86 वर्षीय परदादी ने भी परिवार के साथ भाग लिया।इस कुचिपुड़ी प्रस्तुति का आयोजन 'ज्योति कलाक्षेत्रम स्कूल ऑफ आर्ट्स' द्वारा किया गया था, जहाँ वैष्णो देवी अपनी गुरु ज्योति रेड्डी के मार्गदर्शन में शास्त्रीय नृत्य सीख रही हैं।

अक्षया फाउंडेशन महिलाओं के साथ खड़ा मंचेरियाल में आंदोलन की लहर

मंचेरियाल, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में, 'अक्षया फाउंडेशन' ने मंचरियाल के अक्केपल्ली गांव में गरीब आदिवासी महिलाओं को आवश्यक वस्तुएं, चादरें और कपड़े वितरित किए। इस कार्यक्रम का आयोजन ट्रस्ट के तत्वावधान में किया गया।

कार्यक्रम के दौरान, महिलाओं को शॉल भेंट करके सम्मानित किया गया। ट्रस्ट की सदस्य उषा सुरेश ने कहा कि यह कार्यक्रम दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाली गरीब महिलाओं के लिए महिला दिवस मनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। उन्होंने महिलाओं से जागरूक होने और सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ने का आग्रह किया।

उषा सुरेश ने बताया कि अक्षय ट्रस्ट पिछले छह वर्षों से मंचरियाल जिले के दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले गरीबों को आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराकर उनकी मदद कर रहा है। उन्होंने कहा, अगर महिलाएं शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकसित करें, तो उनके परिवार आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। देश का विकास तभी संभव है जब महिलाएं सशक्त बनें। इस कार्यक्रम में ट्रस्ट की सदस्य तिरुमाला, प्रीति श्रीवानी, पद्मा, राजिता और गांव की महिलाओं ने भाग लिया।

प्रजा पालना प्रगति योजना का सख्ती से क्रियान्वयन किया जाए : कुमार दीपक

मंचेरियाल, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि सरकार को देवद्दीन प्रजापालन प्रगति योजना कार्यक्रम को एकीकृत रूप से लागू करना चाहिए। जिले के बेल्लमपल्ली नगर पालिका क्षेत्र में 31-32 जून के कार्यक्रम का शुभारंभ नगर आयुक्त संपत, अध्यक्ष स्वाति और उपाध्यक्ष सत्यनारायण की उपस्थिति में किया गया।इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने बताया कि यह कार्यक्रम 12 मार्च से 12 जून तक 90 दिनों के लिए लागू किया गया है और इसे जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से कार्यान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम को ग्राम, मंडल, निर्वाचन क्षेत्र, जिला और राज्य स्तर पर लागू किया जाएगा।ग्राम पंचायतों में स्वच्छता पर विशेष जोर दिया जाएगा। सरकारी कार्यालयों में वेंडिंग मशीनों, शिक्षा, युवा, महिला, पर्यावरण आदि में सहायता भी प्रदान की जाएगी। संबंधित विभागों के अधिकारियों ने योजना तैयार कर ली है और इसे चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाना चाहिए।कुमार दीपक ने यह भी कहा कि सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों की संख्या बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए, पीने के पानी की समस्या का समाधान करने पर भी जोर दिया।इसके अतिरिक्त, उन्होंने वार्ड 17 स्थित शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा किया और वहां चिकित्सा विशेषज्ञों और वार्ड का निरीक्षण किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले लोगों के लिए बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

मंचेरियाल नसपुर हाइवे पर सड़क दुर्घटना : एक की मौत, एक घायल

बेल्लमपल्ली, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल जिला मुख्यालय के बाईपास रोड पर स्थित सीसीसी मुक्किडी पोचम्मा मंदिर के फ्लाईओवर के पास एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। इस दुर्घटना में, एक लॉरी ने डिवाइडर के बीच पेड़ों को पानी दे रहे एक टैंकर को टक्कर मार दी। हादसे के परिणामस्वरूप लॉरी के चालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के दौरान, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के एक कर्मचारी भी गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि वह डिवाइडर के बीच लगे पौधों को टैंकर से पानी दे रहा था। हादसे के स्थल पर स्थितियों का जायजा लेने पर पता चला कि कंपनी ने बिना सेफ्टी कोन लगाए काम किया था, जिससे टैंकर हाईवे पर पानी दे रहा था। इस दुर्घटना में कर्मचारी का पैर टूट गया। स्थानीय प्रशासन और पुलिस मामले की जांच कर रहे हैं।

मंचेरियाल में महिला दिवस का समारोह

मंचेरियाल, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । रविवार को मंचेरियाल नगर निगम के 17वें वार्ड के अंतर्गत इस्लामपुर सरकारी कम दर वितरण केंद्र में महिला दिवस समारोह का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम में राशन विक्रेता रीना रानी दास ने केक काटकर लाभार्थियों को मिठाई वितरित की। उन्होंने उपस्थित पात्र लाभार्थियों से केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया।

इस अवसर पर महिलाओं के सशक्तिकरण और कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

करीमनगर: चलती टीजीएसआरटीसी बस से निकला धुआं

करीमनगर, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार सुबह थिम्मापुर मंडल के अलगुनूर में एक चलती हुई टीजीएसआरटीसी बस से अचानक धुआं निकलने लगा।

यह घटना तब हुई जब बस करीमनगर से हुस्नाबाद की ओर जा रही थी। जैसे ही बस चपला कॉलोनी के पास पहुँची, वाहन से धुआं निकलने लगा।धुआं देख यात्रियों ने तुरंत ड्राइवर को सचेत किया, जिसने तत्परता दिखाते हुए बस को रोक दिया। इसके बाद सभी यात्रियों को दूसरी बस में स्थानांतरित किया गया।ड्राइवर ने आशंका जताई है कि ब्रेक जाम होने के कारण दो टायरों के बीच घर्षण (friction) होने से धुआं निकला होगा।

सूर्यापेट: लंबित बिलों को लेकर पूर्व सरपंचों का अर्धनग्न प्रदर्शन

नलगोंडा, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पिछले दो वर्षों से बकाया अपने लंबित बिलों के भुगतान की मांग को लेकर पूर्व सरपंचों ने सोमवार को सूर्यापेट में जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने अर्धनग्न होकर (शर्ट उतारकर) विरोध प्रदर्शन किया।पूर्व सरपंचों ने कहा कि उन्होंने सरकारी निर्देशों के अनुसार गांवों में कई विकास कार्य किए थे, लेकिन किए गए कार्यों से संबंधित बिलों का भुगतान पिछले दो वर्षों से नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव और हालिया ग्राम पंचायत चुनावों से पहले, कांग्रेस सरकार ने उन्हें आश्वासन दिया था कि लंबित बिलों का निपटान कर दिया जाएगा। हालांकि, सत्ता में आने के बाद पूर्व सरपंचों के मुद्दों को दरकिनार किया जा रहा है, उन्होंने शिकायत की। कई प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उन्होंने निजी साहूकारों से ऋण लेकर अपना व्यक्तिगत पैसा निवेश करके विकास कार्य किए थे। ऋण चुकाने में विफल रहने पर साहूकारों द्वारा किए जा रहे अपमान को सहन न कर पाने के कारण, कुछ पूर्व सरपंचों ने आत्महत्या तक कर ली है।

विश्व कप से पहले टूट चुके थे संजू, सचिन तेंदुलकर की सलाह से लौटा आत्मविश्वास

अहमदाबाद, 09 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन के लिए साल 2026 किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रहा। इस सफर में निराशा भी थी और शानदार वापसी भी। आखिरकार उन्होंने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप में दमदार प्रदर्शन करते हुए टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

जनवरी 2026 में तिरुवनंतपुरम में घरेलू दर्शकों के सामने सैमसन को बड़ा झटका लगा, जब ओपनर-विकेटकीपर की जगह ईशान किशन को विश्व कप टीम में प्राथमिकता दी गई।

2025 की शुरुआत से ही सैमसन खराब फार्म से जूझ रहे थे। बीच में टीम प्रबंधन ने उन्हें मिडिल आर्डर में भी भेजा ताकि शुभमन गिल को ऊपर मौका दिया जा सके। बाद में उन्हें फिर ओपनिंग पर लौटाया गया, लेकिन रन नहीं बने और अंततः किशन ने उनकी जगह ले ली।

सैमसन ने टी 20 विश्व कप जीत के बाद कहा, न्यूजीलैंड सीरीज के बाद मैं पूरी तरह टूट चुका था। मुझे लगा कि मेरा सपना खत्म हो गया है और अब मैं क्या कर सकता हूं।

विश्व कप की शुरुआत में सैमसन टीम से बाहर थे और बेंच पर बैठे थे। बाद में जब अभिषेक शर्मा बीमार पड़े तो उन्हें एक मैच खेलने का मौका मिला।

जब भारतीय टाप-आर्डर आफ स्पिन के खिलाफ संघर्ष करने लगा तो टीम ने फिर सैमसन को मौका दिया और यहीं से उनकी शानदार वापसी शुरू हुई।

जिम्बाब्वे के खिलाफ 15 गेंदों में 24 रन बनाकर सैमसन ने संकेत दे दिए थे कि उनका आत्मविश्वास लौट रहा है। लेकिन असली धमाका ईडन गार्डन्स, कोलकाता में देखने को मिला, जहां उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ वर्चुअल नाकआउट मुकाबले में 50 गेंदों पर 97 रन ठोक दिए।

इसके बाद उनका बल्ला लगातार चलता रहा। सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने क्रमशः 42 गेंदों पर 89 और 46 गेंदों पर 89 रन बनाकर भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई।

सैमसन ने खुलासा किया कि पिछले कुछ महीनों से वह क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर के लगातार संपर्क में थे।

उन्होंने कहा, पिछले कुछ महीनों से मैं सचिन सर के लगातार संपर्क में हूं। जब मैं आस्ट्रेलिया दौरे के दौरान टीम से बाहर बैठा था, तब मैंने सोचा कि अब किस मानसिकता की जरूरत है। इसलिए मैंने उनसे संपर्क किया और उनसे लंबी बातचीत हुई।

उन्होंने आगे बताया कि फाइनल से एक दिन पहले भी सचिन तेंदुलकर ने उन्हें फोन कर उनका हालचाल पूछा।

सैमसन 2024 में भी टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला था।

उन्होंने कहा, उस समय से ही मैं इस पल की कल्पना करता था। मैं लगातार मेहनत करता रहा और यही करना चाहता था। शायद भगवान की यही योजना थी कि मुझे अहम मैचों में मौका मिले और मैं देश के लिए अपना योगदान दे सकूं।

सैमसन ने कहा कि विश्व कप जीतना उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है और इस पल को शब्दों में बयां करना मुश्किल है।

न्यूज ब्रीफ

घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप फाइनल में प्लेयर आफ द मैच बनना बेहद खासः जसप्रीत बुमराह

अहमदाबाद। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में प्लेयर आफ द मैच बनना उनके लिए बेहद खास पल है, खासकर इसलिए क्योंकि यह जीत उनके घरेलू मैदान पर मिली। भारत ने न्यूजीलैंड को फाइनल में 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। यह टी20 विश्व कप के इतिहास में भारत की सबसे बड़ी जीत भी रही। यह मुकाबला नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला गया, वही मैदान जहां भारत को आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 2023 के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। बुमराह ने मैच के बाद कहा, यह बेहद खास महसूस हो रहा है क्योंकि मैंने अपने घरेलू मैदान पर पहले भी एक फाइनल खेला था, लेकिन तब हम जीत नहीं सके थे। आज यहां जीत हासिल करना बहुत खास है। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 255 रन का विशाल स्कोर बनाया। इसके जवाब में न्यूज़ीलैंड की टीम 159 रन पर सिमट गई। बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अपने ओवरों में 15 रन देकर 4 विकेट लेकर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया। उन्होंने कहा, मुझे पता था कि पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल है, इसलिए मुझे अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करना था। इस टूर्नामेंट से पहले मुझे लग रहा था कि मैं जरूरत से ज्यादा कोशिश कर रहा हूं। लेकिन इस बार मैंने खेल को अपने पास आने दिया और यह रणनीति कारगर रही। बुमराह ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की भी सराहना की और कहा कि पूरी टीम ने दबाव की स्थिति में भी धैर्य बनाए रखा। उन्होंने कहा, जब भी हम चर्चा करते हैं तो सभी खिलाड़ी विकल्प लेकर आते हैं। हमने कभी घबराहट नहीं दिखाई और संयम बनाए रखा। जो टीमें ऐसा करती हैं, वही टूर्नामेंट जीतती हैं और मुझे खुशी है कि हमने भी ऐसा किया। बुमराह ने कहा कि विश्व कप फाइनल में अपने घरेलू मैदान पर प्लेयर आफ द मैच बनना उनके करियर के सबसे यादगार पलों में से एक रहेगा।

अभिषेक के लिए लकी साबित हुआ शिवम से उधार लिया बल्ला

अहमदाबाद। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने टी20 विश्वकप 2026 के खिलाफ मुकाबले में शानदार अर्धशतकीय पारी खेलकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई है। अभिषेक के लिए इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक के मैच अच्छे नहीं रहे थे। ऐसे में उनके ऊपर फाइनल में बड़ी पारी खेलने का दबाव था जिसमें वह सफल रहे पर क्या आप जानते हैं जिस बल्ले से अभिषेक ने ये आक्रामक पारी खेली वह उन्होंने शिवम दुबे से उधार लिया हुआ था जो उनके लिए लकी साबित हुआ। बल्ला बदलने की योजना अभिषेक ने मैच की सुबह की। एक रिपोर्ट के अनुसार , अभिषेक ने फाइनल जीतने के बाद कहा, मैंने शिवम दुबे के बल्ले से बल्लेबाजी की, इसलिए उसे धन्यवाद देता हुं। सुबह मुझे कुछ अलग करने का मन हुआ और मैंने ऐसा किया। अभिषेक ने केवल 18 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा कर लिया था और भारतीय टीम को एक अच्छी शुरुआत दिलाई थी।

15 मार्च से होगी न्यूजीलैंड-दक्षिण अफ्रीका टी20 सीरीज, बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेंगी ली तहूहू

आकलैंड। न्यूजीलैंड टीम 15 मार्च से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। इसमें एकदिवसीय प्रारुप को अलविदा कहने वाली तेज गेंदबाज ली तहूहू का प्रयास बेहतर प्रदर्शन कर टी20 टीम में अपनी जगह पक्की करना रहेगा। तहूहू ने एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। वह हालांकि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलती रहेंगी। तहूहू ने कहा कि उनका प्रयास टीम को टी20 विश्व कप 2026 में जीत दिलाना है। उन्होंने कहा कि साल 2024 में टी20 विश्व कप जीतना टीम के लिए बड़ी उपलब्धि थी और वह इंग्लैंड में होने वाले टूर्नामेंट में खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस क्रिकेटर का कहना है कि अब अपना पूरा ध्यान टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर लगाएंगी।

एसजेएफआई के नेशनल कन्वेंशन की मेजबानी दो दशकों बाद करेगी दिल्ली, हीरो मोटोकार्प टाइटल स्पान्सर घोषित

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)।

स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट्स फेडरेशन आफ इंडिया (एसजेएफआई) के नेशनल कन्वेंशन की मेजबानी दो दशकों बाद एक बार फिर नई दिल्ली करने जा रही है। इस बार आयोजन पहले से अधिक भव्य और बड़े स्तर पर होगा। 13 से 16 मार्च तक होने वाले इस चार दिवसीय कन्वेंशन के लिए देश की अग्रणी दोपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकार्प को टाइटल स्पान्सर घोषित किया गया है। इस वर्ष एसजेएफआई के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इसका गोल्डन जुबली संस्करण मनाया जाएगा।

23 साझेदारों का मिला मजबूत समर्थन

गोल्डन जुबली कन्वेंशन को देश की कई प्रमुख कंपनियों और खेल संगठनों का समर्थन मिला है। टाइटल स्पान्सर हीरो मोटोकार्प के अलावा कुल 23 संस्थाएं इस आयोजन से जुड़ी हैं। इनमें सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क , दिल्ली डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन (डीडीसीए) , जिंदल स्टील, रेड बुल, पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स, राजस्थान यूनाइटेड एफसी और आर्चरी एसोसिएशन आफ इंडिया सहित कई संस्थाएं शामिल हैं। इसके अलावा एसजी स्पोर्ट्स, जेके टायर, डीडीए, विदा, ईएसजीएफ, वर्ड्सवर्क कम्युनिकेशन कंसल्टिंग और अन्य कई संगठनों ने भी इस आयोजन में साझेदारी की है।

खेल और मीडिया जगत का बड़ा मंच

डीएसजेए के सचिव साबी हुसैन ने कहा कि 50 साल के इस ऐतिहासिक पड़ाव की मेजबानी करना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि देश के बड़े ब्रांड्स का समर्थन यह दिखाता है कि भारतीय खेल मीडिया नेटवर्क कितनी तेजी से मजबूत हुआ है। इस आयोजन को युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारतीय ओलंपिक संघ और इंटरनेशनल स्पोर्ट्स प्रेस एसोसिएशन का भी समर्थन प्राप्त है।

खेल कान्क्लेव और प्रतियोगिताएं रहेंगी आकर्षण

चार दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में खेल और मीडिया जगत के कई दिग्गज हिस्सा लेंगे।

AIPS
INTERNATIONAL SPORTS PRESS ASSOCIATION
SJFI
SPORTS JOURNALISTS' FEDERATION OF INDIA
GOLDEN JUBILEE
★ 1976 - 2026 ★
DSJA (Regd.)

कार्यक्रम में ग्रैंड स्पोर्ट्स कान्क्लेव, जेके बोस इंटर-जोनल टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट, एसी बाली टेबल टेनिस टूर्नामेंट और माडर्न पिथियन गेम्स जैसी गतिविधियां आयोजित होंगी। इसके अलावा बास्केटबाल, फुटसल और गोल्फ पुटिंग प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। इस दौरान मीडिया, खेल प्रशासन और कार्पोरेट जगत से जुड़े लोगों को आपस में संवाद और नेटवर्किंग का बड़ा मंच मिलेगा। 250 से अधिक प्रतिनिधियों की भागीदारी एसजेएफआई का नेशनल कन्वेंशन देश का सबसे प्रतिष्ठित वार्षिक आयोजन माना जाता है, जिसमें 250 से अधिक वरिष्ठ खेल पत्रकार, खेल प्रशासक, खिलाड़ी और नीति निर्माता भाग लेते हैं। गोल्डन जुबली संस्करण विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एसजेएफआई के 50 वर्षों की यात्रा और भारतीय खेल पत्रकारिता में उसके योगदान का उत्सव भी है। यह आयोजन खेल पत्रकारिता, खेल प्रशासन और भारतीय खेल परिदृश्य में संवाद का एक प्रमुख मंच माना जाता है।

धोनी ने गंभीर की प्रशंसा करते हुए कहा, आपकी मुस्कान शानदार लग रही

मुम्बई, 09 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने आईसीसी टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर की प्रशंसा करते हुए उनके प्रति आभार जताया है। धोनी फाइनल के दौरान वीवीआईपी बाक्स में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ बैठे थे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपनी खुशी भी व्यक्त की है। धोनी ने लिखा, कोच साहब, आपकी मुस्कान बहुत शानदार लग रही है। मुस्कान के साथ आपकी जीत कमाल की है, बहुत अच्छा किया।, गौरतलब है कि गंभीर की छवि काफी सख्त कोच की रही है और वह अपने नाम के अनुरुप हमेशा ही गंभीर मुद्रा में दिखते हैं। इसके अलावा धोनी से भी उनके संबंध अच्छे नहीं माने जाते रहे हैं।

धोनी ने इस बार गर्मजोशी से गंभीर के प्रति अपनी बात कही है। उन्होंने टीम में नए नेतृत्व के तहत हुए बदलाव को भी सही बताया। उन्होंने साथ ही लिखा, अहमदाबाद में इतिहास बन गया। टीम, सहयोग स्टाफ और भारतीय क्रिकेट टीम के सभी प्रशंसकों को बहुत-बहुत बधाई। आप सभी को खेलते देखना बहुत खुशी की बात है। कोच साहब वाली टिप्पणी मजाकिया अंदाज में गंभीर के लिए थी, जो गंभीर छवि के लिए जाने जाते हैं।

धोनी की गंभीर की जीत के बाद मुस्कान पर की गई मजाकिया टिप्पणी से भी पता चलता है कि दोनों के बीच मतभेद की जो बातें आती रही हैं। वे सभी गलत हैं। सोशल मीडिया पर आम तौर पर गंभीर और धोनी को अच्छा दोस्त नहीं माना जाता पर इन दोनो ने ही कई बार उन्होंने इन अफवाहों को गलत साबित किया है। धोनी ने मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंसा की है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के शीर्ष क्रम को अपनी गेंदबाजी से ढ़हा दिया था। इसी को देखते हुए धोनी ने लिखाः बुमराह के बारे में कुछ ना लिखूं तो ही अच्छा है चैंपियन गेंदबाज। इससे साफ है कि बुमराह के बारे में कुछ भी लिखना बेकार है।

सबसे ज्यादा टी20 विश्वकप हारने वाली तीसरी टीम बनी न्यूजीलैंड

अहमदाबाद। भारतीय टीम के खिलाफ टी20 विश्वकप के फाइनल में मिली करारी हार के साथ ही न्यूजीलैंड की टीम अब सबसे अधिक टी20 विश्वकप फाइनल हारने वाली तीसरी टीम बन गयी है। इससे पहले पाकिस्तान और श्रीलंका सबसे ज्यादा टी20 विश्व कप फाइनल हारने वाली सूची में शामिल थीं। यह टी20 विश्व कप फाइनल में कीवी टीम की दूसरी हार है। इससे पहले न्यूजीलैंड की टीम 2021 टी20 विश्वकप कप फाइनल में आस्ट्रेलिया से हार गयी थी। टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में अब तीन टीमें ऐसी हो गईं है, जो दो बार फाइनल में हार हैं। न्यूजीलैंड से पहले पाकिस्तान और श्रीलंका की टीमों के नाम ये अनचाहा रिकार्ड था। पाकिस्तान को भारतीय टीम के खिलाफ 2007 टी20 विश्व कप फाइनल में हार के बाद 2022 में इंग्लैंड से हार मिली थी। वहीं श्रीलंका को 2009 में पाक जबकि 2012 के फाइनल में वेस्टइंडीज ने हराया था। पाकिस्तान और श्रीलंका ने हालांकि एक-एक बार खिताब जीता था पर कीवी टीम को एक भी जीत नहीं मिली है। न्यूजीलैंड के हाथ एक भी बार यह खिताब नहीं लगा है।

टी-20 वर्ल्ड कप ट्राफी के साथ हनुमान मंदिर पहुंचे कप्तान सूर्य, आईआईसी चेयरमैन जय शाह व कोच गंभीर भी रहे साथ

अहमदाबाद, 09 मार्च (एजेंसियां)।

आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में न्यूज़ीलैंड को हराकर भारत ने ऐतिहासिक जीत हासिल की। इस शानदार जीत के बाद भारतीय टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर और आईसीसी चेयरमैन जय शाह के साथ अहमदाबाद के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में कप्तान सूर्यकुमार यादव के हाथ में चमचमाती वर्ल्ड कप ट्राफी दिखाई दे रही है। जीत की खुशी के बीच कप्तान यादव, आईसीसी के चेयरमैन जय शाह और भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हनुमानजी के चरणों में माथा टेककर आशीर्वाद लिया। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद देशभर में जश्न मनाया जा रहा है। वहीं टीम के नेतृत्व की सादगी और आस्था ने भी लोगों का दिल जीत लिया।

उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में भारतीय टीम ने न्यूज़ीलैंड को 96 रन से हराकर लगातार दूसरी बार और कुल तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया है। इससे पहले वर्ष 2024 में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। इस जीत के साथ भारत टी-20 वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा तीन बार ट्राफी जीतने वाली टीम बन गई है।

टी20 विश्व कप जीत के बाद सूर्यकुमार यादव का अगला लक्ष्य ओलंपिक स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)।

टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप का खिताब जीतने के बाद अब अपना अगला बड़ा लक्ष्य तय कर लिया है। उन्होंने कहा कि टीम का अगला लक्ष्य ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतना और उसी साल होने वाला अगला टी20 विश्व कप जीतना है।

अहमदाबाद में न्यूज़ीलैंड को 96 रन से हराकर खिताबी जीत के बाद आयोजित प्रेस कान्फ्रेंस में सूर्या ने कहा, अब हमारा अगला लक्ष्य ओलंपिक है। ओलंपिक गोल्ड और उसी साल होने वाला टी20 विश्व कप भी। इसे भूलिए मत।

बता दें कि 2028 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक अगस्त 2028 में लास एंजेलिस में आयोजित होंगे। वहीं टी20 विश्व कप का अगला संस्करण उसी साल आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा।

सूर्यकुमार यादव के इस बयान से उनके भविष्य को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। इससे पहले रोहित शर्मा ने 2024 में टी20 विश्व कप जीतने के बाद अंतरराष्ट्रीय टी20 क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

सूर्यकुमार यादव ने कहा कि विश्व कप जीत का एहसास अभी पूरी तरह से महसूस नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा, अभी हम मैच से बाहर आए हैं, इसलिए इस जीत को पूरी तरह महसूस करने में थोड़ा समय लगेगा। जब हम घर जाएंगे और अगले दिन उठेंगे, तब शायद इस जीत का असली एहसास होगा। पिछले दो साल का सफर अविश्वसनीय रहा है।

भारत ने टूर्नामेंट में खेले गए नौ में से आठ मैच जीते। हालांकि शुरुआत आसान नहीं रही। टीम को पहले मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ संघर्ष करना पड़ा और सुपर-8 चरण में दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा।

कप्तान ने कहा कि चेन्नई में जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच के बाद टीम ने अलग अंदाज का क्रिकेट खेलना शुरू किया और आत्मविश्वास बढ़ता गया।

सूर्यकुमार यादव ने बताया कि 2024 के टी20 विश्व कप फाइनल में लिया गया उनका यादगार कैच उनके जीवन का टर्निंग प्वाइंट बना। उसी के बाद जब उन्हें कप्तानी मिली तो उन्होंने 2026 में भारत में होने वाले विश्व कप को लक्ष्य बनाकर टीम को तैयार करना शुरू किया।

उन्होंने कहा कि टीम ने 2024 के बाद से आक्रामक और अलग अंदाज का क्रिकेट खेलना शुरू किया। इसी रणनीति के साथ भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्राफी 2025 भी जीती और अब घरेलू मैदान पर टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। सूर्यकुमार यादव ने कहा, हम इसी तरह आक्रामक क्रिकेट खेलते रहना चाहते हैं और 2027, 2028 और 2029 में भी यही रवैया जारी रहेगा।

ग्लोबल मार्केट से जबरदस्त कमजोरी के संकेत एशिया में भी चौतरफा बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से जबरदस्त गिरावट के संकेत हैं। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमत में जोरदार उछाल आने की वजह से दुनिया भर के स्टाक मार्केट में हाहाकार मचा हुआ है। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बड़ी गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स भी जोरदार कमजोरी का शिकार हो गया। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही। वहीं एशियाई बाजार में भी चौतरफा बिकवाली हो रही है। पश्चिम एशिया के तनाव की वजह से पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में लगातार डर का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 90.69 अंक यानी 1.33 प्रतिशत टूट कर 6,740.02 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 348.72 अंक यानी 1.53 प्रतिशत लुढ़क कर 22,400.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 1,082.35 अंक यानी 2.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 46,419.20 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 129.19 अंक यानी 1.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,284.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.65 प्रतिशत फिसल कर 7,993.49 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 224.72 अंक यानी 0.95 प्रतिशत टूट कर 23,591.03 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में भी चौतरफा कमजोरी नजर आ रही है। एशिया के सभी नौ बजार के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। पश्चिम एशिया के तनाव की वजह से दक्षिण कोरिया और जापान के स्टाक मार्केट में एक बार फिर जबरदस्त गिरावट नजर आई। दक्षिण कोरिया के स्टाक मार्केट में जोरदार गिरावट की वजह से कोस्पी इंडेक्स शुरुआत में ही आठ प्रतिशत तक टूट गया, जिसकी वजह से सर्किट ब्रेकर चालू हो गए और ट्रेडिंग को 20 मिनट के लिए रोक दिया गया। कोस्पी इंडेक्स इस महीने दूसरी बार लोअर सर्किट का शिकार हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

एयर इंडिया बढ़ा रही यूरोप और अमेरिका के लिए अतिरिक्त उड़ानें, यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण एशिया के लिए 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित होंगी

नई दिल्ली। टाटा समूह की एयर इंडिया ने 10 से 18 मार्च के बीच यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण एशिया के लिए 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करने की घोषणा की है। इसमें न्यूयार्क (जेएफके), लंदन हीथ्रो, फ्रैंकफर्ट, पैरिस, एम्स्टर्डम और ज्यूरिख शामिल हैं। साथ ही माले और कोलंबो के लिए नई सेवाएं भी शुरू की जाएंगी। इन उड़ानों से नौ मार्गों पर कुल 17,660 सीटें जुड़ेंगी। इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया के हवाई क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगा हुआ है। कई एयरलाइनों को अपनी उड़ानें रद्द करनी पड़ीं या वैकल्पिक मार्गों से उड़ानें चलानी पड़ीं। एयर इंडिया ने वैकल्पिक और सुरक्षित मार्ग अपनाकर यूरोप और अमेरिका के लिए अपनी सेवाएं जारी रखी हैं। यूरोपीय उड़ानों के लिए बोइंग 787-8 और न्यूयार्क की उड़ानों के लिए बोइंग 777-300 ईआर का उपयोग किया जाएगा। इंडिगो ने भी मुंबई-लंदन मार्ग फिर से शुरू किया है, जिसमें नार्स अटलांटिक एयरवेज से लीज पर लिया गया बोइंग 787-9 इस्तेमाल हुआ। विमान अफ्रीका और लाल सागर मार्ग से यूरोप पहुंचता है, जिससे उड़ान लगभग 10 घंटे 30 मिनट लंबी हो गई। भारतीय एयरलाइनों के लिए पाकिस्तान-अफगानिस्तान कारिडोर बंद है। इसलिए वे सीमित विकल्पों में वैकल्पिक मार्ग अपनाने को मजबूर हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, लंबी उड़ानों से ईंधन लागत और संचालन जटिलताएं बढ़ रही हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए राजपूताना स्टेनलेस का आईपीओ लान्च, 16 मार्च को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)।

स्टील सेक्टर में काम करने वाली कंपनी राजपूताना स्टेनलेस लिमिटेड का 254.98 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लान्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 11 मार्च तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 12 मार्च को शेयरों का अलाटमेंट किया जाएगा, जबकि 13 मार्च को अलाटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 16 मार्च को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 116 रुपये से लेकर 122 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 110 शेयर का है। राजपूताना स्टेनलेस लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लाट यानी 110 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 13,420 रुपये का निवेश करना होगा। इसी तरह रिटेल इनवेस्टर 1,87,880 रुपये के निवेश से अधिकतम 14 लाट के लिए बोली लगा सकते हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 2.09 करोड़ शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें 179 करोड़ रुपये के 1,46,50,000 नए शेयर और 75.98 करोड़ रुपये के 62,50,000 शेयर आफर फार सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 50 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 35 प्रतिशत हिस्सा और नान इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 15 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए निर्भय कैपिलट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि केफिन टेक्नोलाजीज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रास्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 24.04 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 31.63 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 39.85 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 24.41 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में मामूली उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 950.69 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में कम होकर 915.50 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 937.49 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक कंपनी को 502.77 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है।

इस अवधि में कंपनी के कर्ज में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 79.83 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 79.76 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 99.75 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून 2025 की बात करें, तो इस दौरान कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 85.91 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

इस अवधि में कंपनी के रिजर्व और सरप्लस में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में ये 46.73 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 78.36 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह 2024-25 में कंपनी का रिजर्व और सरप्लस 83.75 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। वहीं मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये 108.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

इसी तरह ईबीआईटीडीए (अर्निंग बिफोर इंट्रेस्ट, टैक्सेज, डिप्रेशिएशंस एंड एमार्टाइजेशन) 2022-23 में 43.85 करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो 2023-24 में बढ़ कर 59.41 करोड़ रुपये हो गया। इसके बाद 2024-25 में कंपनी का ईबीआईटीडीए उछल कर 73.79 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से 30 सितंबर 2025 तक ये 45.92 करोड़ रुपये के स्तर पर था।

एआई एजेंट बन सकते हैं सबसे बड़ा साइबर खतरा
साइबर सुरक्षा फर्म

नई दिल्ली, 09 मार्च (एजेंसियां)।

साइबर सुरक्षा फर्म जीस्केलर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में कहा कि देश को स्वदेशी एआई (सावरिन एआई) के विकास में लगातार आगे बढ़ते रहना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एआई तकनीक में पाँच साल पीछे रहें, तो यह देश के लिए नुकसानदेह होगा। तीन साल की देरी भी प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने जैसा है। उन्होंने कहा कि साइबर सुरक्षा में तकनीकी समय की देरी सबसे महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि पिछड़ी तकनीक के कारण हैकर्स और खतरनाक एजेंट नेटवर्क में आसानी से प्रवेश कर सकते हैं।

जय चौधरी ने साइबर खतरों को दो श्रेणियों में बाँटा। पहला, हैकर समूह जो जल्दी पैसा कमाने के लिए हमले करते हैं। दूसरा, देश-स्तरीय एजेंट जो आईपी चोरी और युद्धकालीन फायदे के लिए नेटवर्क में बैकडोर और स्पाइवेयर एम्बेड करते हैं। उन्होंने बताया कि इंटरनेट पर हर खुला पाइंट अटैक सरफेस बन जाता है।

पहले हैकरों को हफ्तों लगते थे, अब एआइ 30 सेकंड में पूरी जानकारी जुटा सकता है। सिलिकन वैली में कार्यालय खोलने से पहले जीस्केलर ने बेंगलुरु में अपना आफिस खोला। भारत में कंपनी के लगभग 40 फीसदी कर्मचारी काम करते हैं, जिनमें बेंगलुरु, चंडीगढ़, पुणे और हैदराबाद शामिल हैं। साफ्टवेयर डेवलपमेंट और ट्रेनिंग टीम का लगभग आधा हिस्सा भारत में है, जो अमेरिका के बाहर कंपनी का सबसे बड़ा केंद्र बनाता है। जय चौधरी ने सावरिन एआई और उन्नत तकनीक के बीच संतुलन बनाए रखने पर जोर दिया। उनका कहना है कि भारत को न केवल एआई विकसित करना चाहिए, बल्कि सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए तत्पर भी रहना चाहिए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

क्लस्टर बम...

ईरान के हमलों में इजरायल को भी नुकसान उठाना पड़ा है। ईरान के मिसाइल अटैक में इजरायल में आज एक व्यक्ति की मौत हुई है। यह मौत सेंट्रल इजरायल के इलाके में हुई। इजरायल का कहना है कि इस युद्ध में अब तक उसके 11 लोगों की जान जा चुकी है। इजरायल के एंटी-ड्रोन और एंटी-मिसाइल सिस्टम को दुनिया के सबसे मजबूत सिस्टम में गिना जाता है। ये सिस्टम मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर देते हैं।

लेकिन ईरान लगातार बड़ी संख्या में मिसाइलें और ड्रोन दाग रहा है। ऐसे में कुछ मिसाइलें इजरायल तक पहुंच ही जाती हैं। इजरायल ने इस खतरे से निपटने के लिए व्यापक व्यवस्था कर रखी है। जैसे ही ईरान की तरफ से कोई मिसाइल दागी जाती है, पूरे इलाके में तुरंत सायरन बजने लगते हैं। सायरन बजते ही लोग तुरंत सुरक्षित ठिकानों और बम शेल्टर की ओर बढ़ जाते हैं।

हाइफा से सामने आई तस्वीरों में भी यही दृश्य दिखाई देता है। यहां ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों को इजरायल के इंटरसेप्टर निशाना बनाते नजर आते हैं। इसी दौरान पूरे शहर में सायरन बजने लगते हैं और लोग सुरक्षित जगहों की ओर बढ़ जाते हैं। इजरायल के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट को इस समय ज्यादा टारगेट किया जा रहा है। तेल अवीव से रिपोर्ट आई हैं कि वहां बम शेल्टरों की कमी नहीं है।

पाक को...

बयान में कहा गया कि यह फैसला क्षेत्र में बदलते समुद्री सुरक्षा हालात और अहम समुद्री मार्गों में खतरों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को ईरानी बैलेस्टिक मिसाइल अटैक की जानकारी दी। मंत्रालय ने एक्स पर शेयर किए एक बयान में कहा कि मिसाइल के कुछ मलबे दक्षिणी तुर्की के शहर गाजियांटेप के खाली इलाके में गिरे। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत या घायल होने की खबर नहीं है।

मंत्रालय ने कहा कि तुर्की अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंधों और क्षेत्रीय स्थिरता को बहुत महत्व देता है। साथ ही चेतावनी दी कि देश की सीमा और हवाई क्षेत्र को निशाना बनाने वाले किसी भी खतरे के खिलाफ 'सभी जरूरी कदम बिना किसी हिचकिचाहट के उठाए जाएंगे।' मंत्रालय ने ईरान को अप्रत्यक्ष तरीके से धमकी देते हुए कहा कि तुर्की की चेतावनी को मानना सभी संबंधित पक्षों के हित में होगा।

मिसाइल घटना के बाद तुर्की के करीबी दोस्त अजरबैजान ने पूर्ण समर्थन जताया है। अजरबैजान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस मामले में अजरबैजान तुर्की के साथ मजबूती से खड़ा है।

पिछले बुधवार को भी तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने बताया था कि ईरान से तुर्की की ओर दागी गई एक बैलेस्टिक मिसाइल को नाटो की डिफेंस यूनिट्स ने पूर्वी भूमध्यसागर में रोक दिया था।

रेस्टोरेंट्स बंद ...

उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को लेकर पेट्रोलियम मंत्री को पत्र लिखा गया है। महाराष्ट्र के सिविल सप्लाई मंत्री छगन भुजबल से भी संपर्क किया गया है।

मुंबई में रेस्टोरेंट संचालकों का कहना है कि उन्हें कमर्शियल डझ्रत्र सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। मुलुंड में होटल सागर चलाने वाली अन्नू शेट्टी ने बताया कि कई जगहों पर सिलेंडर की सप्लाई रुक गई है। जहां मिल भी रहे हैं वहां कीमत बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि 1750 रुपए में मिलने वाला कमर्शियल डझ्रत्र सिलेंडर अब करीब 1950 रुपए में दिया जा रहा है।

घरेलू उपभोक्ताओं पर भी असर

सप्लाई कम होने के साथ कीमत भी बढ़ रही है। गैस की कमी का असर घरेलू उपभोक्ताओं पर भी दिखाई दे रहा है। जिन घरों में दो सिलेंडर हैं, वहां लोग जल्दी-जल्दी रिफिल बुक कराने लगे हैं। इसके चलते डीलर आउटलेट्स पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया है। घरेलू 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर अभी उपलब्ध तो हैं, लेकिन उनकी डिलीवरी में देरी हो रही है।

बुकिंग के बाद गैस मिलने में 2 से 8 दिन तक का इंतजार करना पड़ रहा है। उधर रेस्टोरेंट इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का कहना है कि कमर्शियल गैस की कमी के कारण कुछ लोग घरेलू सिलेंडरों का इस्तेमाल कर सकते हैं। हालांकि डीलर इसे गैरकानूनी बताते हैं। इस बीच सरकार की ओर से कहा गया है कि कमर्शियल डझ्रत्र सिलेंडर की सप्लाई पर कोई रोक नहीं है।

25 दिन बाद...

इससे उन लोगों को आसानी से सिलेंडर मिल सकेगा जिन्हें वाकई जरूरत है।

21 दिन का नियम 25 दिन किया

पैनिक बुकिंग की वजह से डिमांड में अचानक आए उछाल को देखते हुए शुक्रवार को तेल कंपनियों ने घरेलू एलपीजी बुकिंग के लिए 21 दिन का लॉक-इन पीरियड लागू किया था। जिसे बढ़ाकर अब 25 दिन कर दिया गया है। इससे पहले बुकिंग को लेकर ऐसा कोई नियम नहीं था।

सिलेंडर के दाम 60 बढ़े

2 दिन पहले सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर 60 रुपए महंगा कर दिया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम की डझ्रत्र गैस अब 913 रुपए की मिल रही है। पहले यह 853 रुपए की थी। वहीं 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए का इजाफा किया गया है। यह अब 1883 रुपए का मिल रहा है। बढ़ी हुई कीमतें 7 मार्च से लागू हो गई हैं।

इससे पहले सरकार ने 8 अप्रैल 2025 को घरेलू सिलेंडर के दामों में 50 रुपए का इजाफा किया था। यानी ये बढ़ोतरी करीब एक साल बाद की गई है। वहीं 1 मार्च 2026 को कॉमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 31 रुपए तक बढ़ाए गए थे। सरकार ने गैस के दामों में बढ़ोत्तरी ऐसे वक्त की है जब अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते देश में गैस की किल्लत की आशंका जताई गई है।

राजस्थान में कॉमर्शियल सिलेंडर की डिलीवरी रोकी

इस बीच राजस्थान में तेल कंपनियों ने रसोई गैस के घटते स्टॉक को देखते हुए कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की डिलीवरी पर अघोषित रोक लगा दी है। एजेंसियों को मैसेज करके कॉमर्शियल सिलेंडर के ऑर्डर नहीं लगाने के आदेश दिए हैं। केवल घरेलू उपयोग के सिलेंडर की डिलीवरी पर ही फोकस करने के लिए कहा गया है। कंपनियों ने देर रात ये निर्देश जारी किए हैं।

निचली अदालत...

जिन्हें इस मामले में बरी किया गया था। इस मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च को होगी।

सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता तुषार मेहता ने न्यायालय से याचिका स्वीकार करने का अनुरोध करते हुए कहा कि यह देश के सबसे बड़े घोटालों में से एक है और 'राष्ट्रीय शर्म' का विषय है।

मोजतबा खामेनेई ...

एक बयान में, समूह की सुप्रीम पॉलिटिकल काउंसिल ने इस नियुक्ति पर ईरानी नेतृत्व और जनता को बधाई दी। बयान में कहा गया कि यह फैसला अत्यधिक महत्वपूर्ण और निर्णायक मोड़ पर लिया गया है।

नए नेता के चयन के साथ ही हमले जारी

ईरान ने अपने नये सर्वोच्च नेता के चयन के साथ ही इजरायल और अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर नये हमले किये हैं। इन हमलों में ड्रोन के साथ-साथ हाइपरसोनिक और बैलिस्टिक मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया गया। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अधिकारियों ने बताया कि राजधानी अबू धाबी में हुए हवाई हमलों को रोक लिया गया लेकिन रोके गये इन हमलों का मलबा दो अलग-अलग स्थानों पर गिरने से दो लोग घायल हो गये हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने द टाइम्स ऑफ इज़राइल के साथ एक टेलीफोन साक्षात्कार में कहा है कि ईरान के साथ जारी संघर्ष को कब समाप्त करना है इसका निर्णय इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ मिलकर लिया जाएगा।

ट्रम्प ने कहा, मुझे लगता है कि यह कुछ हद तक आपसी है। हम बात कर रहे हैं। मैं सही समय पर फैसला लूँगा लेकिन हर बात को ध्यान में रखा जाएगा। उन्होंने सुझाव दिया कि अंतिम फैसला उनका होगा, लेकिन श्री नेतन्याहू के विचारों पर भी विचार किया जाएगा।

इस बीच अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने सुरक्षा जोखिमों के कारण सऊदी अरब से गैर-आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को देश छोड़ने का आदेश दिया है।

एसिड पीड़ितों...

अगर सरकारी नौकरी देना संभव नहीं है, तो राज्य सरकारें पीड़ितों के लिए अनिवार्य जीवन निर्वाह भत्ता तय करें। सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा अब इस मामले में पीड़िता की पैरवी बिना किसी फीस के करेंगे। अदालत ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए इसे प्राथमिकता के आधार पर सुनने के संकेत दिए हैं।

शाहीन मलिक की याचिका पर सुनवाई

दरअसल सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एसिड अटैक पीड़िता शाहीन मलिक के मामले की सुनवाई हुई। इस सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों से कहा कि वे तेजाब हमले के पीड़ितों को सरकारी नौकरी देने के लिए नीति बनाएं। अगर नौकरी नहीं दे सकते तो उनको जीवन निर्वाह भत्ता देने की नीति बनाएं।सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉय माल्य बागची की पीठ ने कहा कि सभी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र कारण बताएंगे कि सरकारी विभागों/एजेंसियों में नौकरियों के माध्यम से तेजाब हमले के पीड़ितों के पुनर्वास के लिए योजना अब तक क्यों नहीं बनाई गई है!

रोजगार नहीं तो भत्ते की नीति बनाएं

चीफ जस्टिस ने कहा कि यदि एसिड हमलों के पीड़ितों को सरकारी रोजगार प्रदान करने में लॉजिस्टिक समस्याएं हैं, तो राज्य सरकारें एसिड हमले के पीड़ितों को निर्वाह भत्ता देने के लिए तो नीति बना ही सकती हैं। चीफ जस्टिस की कोर्ट में सुनवाई के दौरान पीड़िता शाहीन मलिक ने कहा कि वो सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा के जरिए अपनी पैरवी कराना चाहती है।

कोर्ट ने सिद्धार्थ लूथरा से ये मुकदमा प्रो बोनो यानी निःशुल्क करने का आग्रह किया। शाहीन ने कोर्ट से इस संवेदनशील मामले में समयबद्ध सुनवाई का आग्रह भी किया।

लोकसभा में...

'नाविकों की मौत: हमने दो भारतीय नाविकों (मर्चेंट शिपिंग) को खो दिया है, और एक अभी भी लापता है। मुंबई के शिपिंग डायरेक्टरेट जनरल ने 14 जनवरी को भारतीय नाविकों से कहा था कि वे एम्बेसी की एडवाइजरी मानें और किनारे पर बेवजह आने-जाने से बचें।

67,000 नागरिक सुरक्षित: वेस्ट एशिया से हमारे लोगों को वापस लाने की पूरी कोशिश की जा रही है। 8 मार्च तक हमारे लगभग 67,000 नागरिक इंटरनेशनल बॉर्डर पार कर चुके हैं। संबंधित मंत्रालय जवाब देने के लिए कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। लड़ाई लगातार बढ़ रही है। इलाके में सुरक्षा की स्थिति काफी खराब हो गई है। असल में, लड़ाई दूसरे देशों में भी फैल गई है। इससे तबाही और मौतें बढ़ रही हैं। युद्ध का विस्तार: इजराइल-यूएस और ईरान के बीच लड़ाई जारी है, बल्कि कुछ खाड़ी देशों पर हमले भी हुए हैं। ईरान में लीडरशिप लेवल पर कई लोग मारे गए हैं, साथ ही इस इलाके में इंफ्रास्ट्रक्चर भी तबाह हुआ है। ईरान से संपर्क मुश्किल: इस समय लीडरशिप लेवल पर ईरान के साथ कॉन्टैक्ट करना साफ तौर पर मुश्किल है। ईरान के विदेश मंत्री ने ईरानी वॉरशिप लावन को कोच्चि पोर्ट पर डॉक करने की इजाजत देने के भारत का शुक्रिया अदा किया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 10 मार्च, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रसेन कोऑपरेटिव अर्बन बैंक की द्वितीय साधारण सभा सम्पन्न

बेगम बाजार में नई शाखा खोलने की घोषणा, बैंक के कारोबार में 36% से अधिक वृद्धि

हैदराबाद, 09 मार्च (एजेंसियां)।

दि अग्रसेन कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की वर्ष 2025-26 की द्वितीय साधारण सभा रेड हिल्स स्थित एफटीसीसीआई में संपन्न हुई। इस अवसर पर बेगम बाजार में बैंक की नई शाखा आरंभ करने की घोषणा की गई।

आज यहाँ आयोजित साधारण सभा को संबोधित करते हुए अग्रसेन बैंक के चेयरमैन प्रमोद कुमार केड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि सभी ने मिलकर 28 वर्षों तक बैंक की शाखा, व्यवसाय के आकार, नेटवर्थ, डिजिटल बैंकिंग, साइबर सुरक्षा और सुशासन जैसी उपलब्धियों के साथ अपना सफर जारी रखा है। यह सब बैंक और उसके प्रबंधन पर ग्राहकों के अटूट विश्वास और समर्थन के कारण ही संभव हो पाया है। उन्होंने कहा कि हमारे विकास पथ में भागीदार बनने और हम पर भरोसा जताने के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि 31 अगस्त 2025 को आयोजित वार्षिक आम बैठक और 14 दिसंबर 2025 को आयोजित विशेष आम सभा की बैठक के बाद बैंक की वर्तमान प्रगति और प्रदर्शन के बारे में जानकारी साझा करते हुए उन्हें गर्व और प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भारतीय आर्थिक परिदृश्य के संबंध में चर्चा भी आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 की शुरुआत में भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत और व्यापक आधार वाली वृद्धि प्रदर्शित कर रही है, जिसमें वित्त वर्ष 2026 के लिए अनुमानित वास्तविक जीडीपी 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है और मुद्रास्फीति भी काफी कम है। बैंकिंग क्षेत्र 17-18 प्रतिशत की आय वृद्धि का अनुभव कर रहा है, जो 14-15 प्रतिशत ऋण विस्तार, डिजिटल अपनाने (यूपीआई) और बेहतर परिसंपत्ति गुणवत्ता के साथ-साथ शासन को मजबूत करने के उद्देश्य से किए गए नियामक सुधारों से प्रेरित है।

सकारात्मक दृष्टिकोण के बावजूद रूस-यूक्रेन संघर्षों से जुड़े मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव तथा अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़ी मध्य-पूर्व की बढ़ती अस्थिरता ऊर्जा सुरक्षा, आपूर्ति श्रृंखलाओं और मुद्रास्फीति के लिए जोखिम उत्पन्न कर सकती है, जिससे बैंकों के मार्जिन पर दबाव पड़ सकता है।

1225 करोड़ रुपये तक पहुँचा बैंक का कुल कारोबार

चेयरमैन प्रमोद केड़िया ने अग्रसेन बैंक के प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि 31 अगस्त 2025 को आयोजित पिछली वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में यह बताया गया था कि वित्तीय वर्ष 2024-2025 के दौरान बैंक के कारोबार के आकार, आय, मार्जिन, लाभप्रदता और परिसंपत्ति गुणवत्ता के सभी मापदंडों में शानदार वृद्धि दर्ज की गई है।

उन्होंने बताया कि 31 मार्च 2025 को पहली बार बैंक का कुल कारोबार 1,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया। उन्होंने 31 जनवरी 2026 की स्थिति की तुलना 31 जनवरी 2025 के आंकड़ों के साथ करते हुए कहा कि 31 जनवरी 2025 में बैंक का कुल कारोबार 901.23 करोड़ रुपये था, जो बढ़कर 31 जनवरी 2026 में 1225.94 करोड़ रुपये हो गया। इस प्रकार कुल कारोबार में 36.03 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसमें जमा और अग्रिम शामिल हैं।

इसी प्रकार ऋण और अग्रिम 31 जनवरी 2025 के 360.18 करोड़ रुपये से बढ़कर 31 जनवरी 2026 तक 503.80 करोड़ रुपये तक पहुँच गए, जो 39.87 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। बैंक की कुल जमा राशि भी 31 जनवरी 2025 के 541.05 करोड़ रुपये से बढ़कर 722.14 करोड़ रुपये हो गई, जिसमें 33.47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

उन्होंने बताया कि बैंक का आरक्षित और अधिशेष 31 जनवरी 2025 के 56.89 करोड़ रुपये से बढ़कर 31 जनवरी 2026 को 67.09 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं बैंक की शेयर पूंजी 31 जनवरी 2025 के 22.80 करोड़ रुपये से बढ़कर 31 जनवरी 2026 को 25.35 करोड़ रुपये तक पहुँच गई है। इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि बैंक वार्षिक आधार पर तेज़ी से वृद्धि दर्ज कर रहा है।

एग्रोहा बैंक के साथ विलय प्रक्रिया जारी

चेयरमैन प्रमोद केड़िया ने अग्रसेन बैंक में एग्रोहा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के विलय की वर्तमान स्थिति के संबंध में कहा कि 14 दिसंबर 2025 को आयोजित विशेष आम सभा की बैठक में स्वीकृति मिलने के बाद अग्रसेन बैंक ने एग्रोहा बैंक के साथ मिलकर अपनी स्वीकृति दे दी है और आरबीआई बैंकों के विलय के आवेदन पर सक्रिय रूप से कार्यवाही कर रहा है।

उन्होंने कहा कि उनकी स्वीकृति मिलते ही विलय प्रक्रिया को पूरा कर अग्रसेन बैंक के नाम से एकीकृत बैंक के रूप में कार्य किया जाएगा। प्रस्तावित विलय बैंक की स्थिति को मजबूत करने, पहुंच का विस्तार करने और सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है।

उन्होंने बताया कि कैलेंडर वर्ष 2025 के दौरान अत्तापुर, हिमायतनगर, अमीरपेट, गगन पहाड़, कुकटपल्ली और माधापुर में कुल सात नई शाखाओं तथा सिद्दिअम्बर बाजार, अमीरपेट, गगन पहाड़, कुकटपल्ली, बंजारा हिल्स और माधापुर में सात एटीएम का उद्घाटन किया गया है। इसी क्रम में मार्च 2026 में बेगम बाजार में सीधे मार्ग पर एक और शाखा खोलने का प्रस्ताव रखा गया है, जिससे शाखाओं की संख्या बढ़कर 12 हो जाएगी।

उन्होंने कहा कि आरबीआई द्वारा अनुमोदन प्राप्त होने पर एग्रोहा बैंक की एक शाखा भी इसमें जुड़ जाएगी, जिससे शहर के सभी हिस्सों में बैंक की छवि और व्यापक रूप से फैलेगी।

डिजिटल बैंकिंग को भी मिलेगा बढ़ावा

उन्होंने बैंक की डिजिटल और ई-बैंकिंग सेवा के संबंध में कहा कि बैंक ने आरबीआई से एचडीएफसी बैंक के एच-रूटिंग आईएफएस कोड का उपयोग करने के बजाय अपने स्वयं के आईएफएस कोड के साथ सीधे धन हस्तांतरण की मंजूरी के लिए आवेदन किया है। आरबीआई से मंजूरी मिलने के बाद अगला कदम इंटरनेट बैंकिंग के लिए आवेदन करना होगा। फिलहाल ग्राहकों को केवल 'देखने का अधिकार' (व्यू ओनली) उपलब्ध है।

उन्होंने शेयरधारकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी नवीनतम फोटो, पैन कार्ड की प्रति, आधार कार्ड की प्रति, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी जमा करें, ताकि सीकेवाईसी नंबर जनरेट किया जा सके। यदि पहले से ऐसा नहीं किया गया है तो अपने सीकेवाईसी नंबर को अपडेट कराएं।

उन्होंने सभी शेयरधारकों और उनके परिवार के सदस्यों से बचत बैंक और चालू खाता खोलने तथा संचालित करने का अनुरोध करते हुए कहा कि अपनी अतिरिक्त धनराशि बैंक में जमा रखें और अपने व अपने परिवार के लिए उपयुक्त ऋण लें। अग्रसेन बैंक अन्य बैंकों की तुलना में सभी जमा योजनाओं पर आकर्षक ब्याज दरें प्रदान कर रहा है।

उन्होंने बोर्ड और प्रबंधन बोर्ड की ओर से सभी शेयरधारकों, ग्राहकों, भारतीय रिज़र्व बैंक के अधिकारियों, एनएएफसीयूबी, एनयूसीएफडीसी, सहकारिता मंत्रालय, गृह मंत्री अमित शाह, सहकारिता विभाग और तेलंगाना सरकार के सहकारिता रजिस्ट्रार, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम, तेलंगाना राज्य सहकारी शहरी बैंकों, लेखा परीक्षकों, कानूनी सलाहकारों, मूल्यांकनकर्ताओं, प्रेस और मीडिया सहित सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

साथ ही अग्रसेन बैंक के वरिष्ठ वाइस चेयरमैन, बोर्ड के वाइस चेयरमैन, प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष तथा बोर्ड के समर्पित और निष्ठावान निदेशकों, प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों, विभिन्न समितियों, अंशधारकों, ग्राहकों और स्टाफ के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित किया।

सभा का संचालन अग्रसेन बैंक के एमडी-सीईओ सी. वी. राव ने करते हुए कार्यवृत्त प्रस्तुत किया और उसे सर्वसम्मति से पारित करवाया। इस अवसर पर सूरजमल कांकानी, विजयवर्गीय एवं भगवानदास अधिवक्ता सुरेश अग्रवाल ने अपने सुझाव दिए, जिन्हें नोट किया गया।

सभा के अंत में वरिष्ठ वाइस चेयरमैन सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बैंक अपनी शाखाओं के विस्तार के साथ निरंतर प्रगति कर रहा है और आगामी वर्ष तक शाखाओं की संख्या 20 तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि बेगम बाजार की नई शाखा का उद्घाटन संभवतः 25 या 26 मार्च को किया जाएगा।इस अवसर पर बैंक के वाइस चेयरमैन सुरेश कुमार अग्रवाल, बीओएम के चेयरमैन नारायणदत्त गुप्ता, निदेशक गोपालचंद अग्रवाल, सीए पंकज कुमार अग्रवाल, बजरंग प्रसाद गुप्ता, नरसिंगदास, अंजू केड़िया, अपूर्वा अग्रवाल, डीजीएम आनंद अग्रवाल, शाखा प्रबंधक सहित स्टाफ एवं अंशधारक उपस्थित थे।

राजस्थानी उत्सव फाउंडेशन का 'किस्मत कनेक्शन महा तंबोला' 15 को

समाजसेवी अमृत कुमार जैन होंगे मुख्य अतिथि

हैदराबाद, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थानी उत्सव फाउंडेशन के तत्वावधान में आगामी 15 मार्च को श्रृंग ऋषि भवन, फीलखाना, बेगम बाजार में किस्मत कनेक्शन महा तंबोला कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार इस मनोरंजक एवं सामाजिक कार्यक्रम में समाज के लोग बड़ी संख्या में भाग लेंगे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध समाजसेवी अमृत कुमार जैन को आमंत्रित किया गया है।

इस अवसर पर रामदेव नागला, श्रीलाल पारीक, अनिल जायलवाल, भगवानदास कौशिक, अमर जायलवाल एवं संदीप जायलवाल ने मुख्य अतिथि अमृत कुमार जैन को औपचारिक रूप से आमंत्रित करते हुए कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति का आग्रह किया। आयोजकों ने बताया कि यह आयोजन सामाजिक मेल-मिलाप और मनोरंजन के उद्देश्य से किया जा रहा है।

नेक्स्टजेन होप फाउंडेशन का महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन

जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनें वितरित

हैदराबाद, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नेक्स्टजेन होप फाउंडेशन द्वारा संस्कृति कम्युनिटी हॉल, हैदराबाद में महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्यामला देवी रहीं, जो प्रसिद्ध भारतीय अभिनेता प्रभास की माता हैं। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ स्त्री-रोग विशेषज्ञ एवं आईवीएफ स्पेशलिस्ट तथा पूर्व विधायक डॉ. उंडावली श्रीदेवी तथा परमाणु वैज्ञानिक शीला चौधरी उपस्थित रहीं।

इस अवसर पर बच्चों और वरिष्ठ महिला समूहों द्वारा पारंपरिक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिन्होंने कार्यक्रम में उत्साह और सांस्कृतिक रंग भर दिए।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीनों का वितरण रहा, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर बनने और अपने परिवार के लिए आजीविका कमाने में सहायता मिलेगी। सिलाई मशीनों का प्रायोजन श्रीमती मंजू डाकोतिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में भोजन व्यवस्था का सहयोग तमाशा वेज कैफे द्वारा किया गया।

नेक्स्टजेन होप फाउंडेशन की संस्थापक एवं अध्यक्ष आरोही रावत के नेतृत्व में, आदित्य रावत और सह-संस्थापक ए.के. सोलंकी के साथ संस्था समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। फाउंडेशन ने भविष्य में भी देशभर में ऐसे कई सामाजिक और सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

अग्रवाल शिक्षा समिति के तत्वावधान में

जीकेपीएस व एलबीएमटी स्कूल का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

400 विद्यार्थियों को किया गया सम्मानित

हैदराबाद, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल शिक्षा समिति के तत्वावधान में संचालित जीकेपीएस एवं एलबीएमटी स्कूल का वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह समिति के सेड़मल हॉल में उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ। समारोह का मुख्य उद्देश्य उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों की मेहनत को मान्यता देकर उन्हें सम्मानित करना, प्रेरित करना और भविष्य की उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित करना था, साथ ही विद्यार्थियों में छिपी प्रतिभाओं को उजागर करना भी इसका प्रमुख उद्देश्य रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ परंपरागत रूप से मातृभूमि की वंदना तथा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि शिक्षा समिति ट्रस्ट बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. श्याम सुंदर थे। इस अवसर पर शिक्षा समिति के मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल, मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. मोहन गुप्ता, आरकेडब्ल्यूसी के कॉरस्पोंडेंट डॉ. महेश केड़िया, बीबीएमएस के कॉरस्पोंडेंट श्री शेष कुमार गोयल, दोनों स्कूलों के कोऑर्डिनेटर श्री प्रदीप कुमार तथा समिति की अकादमिक निर्देशिका श्रीमती सरोज जैन मंचासीन रहे। मुख्य अतिथि का स्वागत पौधा भेंट कर किया गया।

विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती प्रीति वाला चौहान ने सभी आमंत्रित अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने संबोधन में कहा कि यह दिन विद्यालय के लिए अत्यंत गर्व का अवसर है। प्रत्येक पुरस्कार विजेता विद्यार्थी का सम्मान उसके परिश्रम और कर्मठता का परिणाम है। ऐसे अवसर विद्यार्थियों को चुनौतियों को स्वीकार करने और भविष्य में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं तथा उनकी सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि डॉ. श्याम सुंदर ने कहा कि ईश्वर हमें प्रतिभा प्रदान करता है और प्रतियोगिताएं हमें अपनी योग्यता सिद्ध करने का अवसर देती हैं। उन्होंने कहा कि लड़कियां ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ रचनाएं हैं, जिनमें दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती का वास होता है। उनमें अपार क्षमता, त्याग, क्षमाशीलता और सहनशीलता जैसे गुण होते हैं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों की सफलता की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मानद मंत्री सीए नवीन कुमार अग्रवाल ने कहा कि आज का दिन विद्यार्थियों के जीवन में एक यादगार दिवस बनेगा। जब वे अपने पुरस्कारों को देखेंगे तो उन्हें अपनी क्षमता और संभावनाओं का एहसास होगा। उन्होंने कहा कि जीवन में आने वाली चुनौतियों को स्वीकार कर परिश्रम और कर्मठता से सफलता प्राप्त करने की प्रेरणा ऐसे आयोजनों से मिलती है।

विद्यालय के समन्वयक श्री प्रदीप कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों के जीवन को आकार देने में शिक्षकों का अभूतपूर्व योगदान होता है। उनका परिश्रम विद्यार्थियों के भविष्य की मजबूत नींव रखता है और उनकी योग्यता को प्रोत्साहन देता है। उन्होंने कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए हमें निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए।

शिक्षा समिति की अकादमिक निर्देशिका डॉ. सरोज जैन ने कहा कि पुरस्कार प्राप्त करना एक उपलब्धि है और जो विद्यार्थी सम्मानित हुए हैं वे बधाई के पात्र हैं। वहीं जिन विद्यार्थियों को इस बार पुरस्कार नहीं मिला है, उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। जीवन में ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए कभी-कभी पीछे हटकर और हार को स्वीकार कर आगे बढ़ना पड़ता है। निरंतर परिश्रम ही सफलता की सीढ़ियां चढ़ने का मार्ग है।

इस अवसर पर लगभग 60 विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए करीब 400 पुरस्कार वितरित किए गए। समारोह में साहित्यिक, खेलकूद और मेधावी छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में गणमान्य अतिथियों के अतिरिक्त विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य, शिक्षकगण, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में अभिभावक उपस्थित रहे। समारोह के अंत में श्रीमती मेघा कुलकर्णी ने धन्यवाद ज्ञापन दिया और सामूहिक राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती रीता माथुर, श्रीमती रेवती माथुर, श्रीमती निधि कौशिक एवं श्रीमती प्रीति अनुप्रिता ने संयुक्त रूप से किया।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 162वां नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न

415 से अधिक रोगियों ने लिया लाभ

114 को नि:शुल्क चश्मे और 20 को मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था

हैदराबाद, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्री रोशनलाल अग्रवाल फाउंडेशन ट्रस्ट तथा डॉ. बी.आर. अंबेडकर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स के सहयोग से 162वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर बागलिंगमपल्ली स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन्स परिसर में आयोजित किया गया।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल, बेगमपेट की ओर से जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, रक्तचाप जांच तथा आरबीएस की सेवाएं प्रदान की गईं। इस दौरान ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. गायित्री, डॉ. मबरूर सहित नर्सिंग स्टाफ रानी, संगीता, मल्लेश्वरी, अनुषा, बीएमडी टेक्नीशियन अनिल, 2डी इको टेक्नीशियन अक्षिता और मार्केटिंग टीम के उदय कुमार ने सहयोग प्रदान किया।

शिविर में लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा की ओर से 226 रोगियों के नेत्रों की स्क्रीनिंग की गई, जिसमें से 114 लोगों को निशुल्क चश्मे प्रदान किए गए तथा 20 लोगों के मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। इस सेवा में अजीत कश्यप, एच. भगवान, प्रतीक्षा, के. नर्सिंग राव एवं के. भास्कर ने अपना योगदान दिया।

इसके अलावा डॉ. अखिल क्लिनिक (पूरनदास रणछोड़दास) के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी और डॉ. मीनल सुगंधी ने भी अपनी सेवाएं प्रदान कीं। वहीं फिजियोथेरेपी की सेवाएं बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा दी गईं। शिविर में दंत जांच वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ. एस. नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल राज द्वारा की गई। शिविर में श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा एक विकलांग रोगी को विशेष सहायता प्रदान की गई। कुल मिलाकर इस स्वास्थ्य शिविर में 415 से अधिक रोगियों ने विभिन्न चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रम एवं रोजगार मंत्री जी. विवेक वेंकटस्वामी तथा कृषि आयोग के चेयरमैन एन. कोडनाल रेड्डी उपस्थित रहे, जिनका ट्रस्ट द्वारा स्वागत किया गया।

शिविर में बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार शरद बी. पित्ती, संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, निखिल रानासारिया, दीपक गुप्ता, उर्मिला अग्रवाल सहित स्थानीय पार्टनर श्री रोशनलाल अग्रवाल फाउंडेशन ट्रस्ट तथा डॉ. बी.आर. अंबेडकर एजुकेशनल इंस्टिट्यूशन्स के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त टीपीसीसी भाषाई अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के चेयरमैन राजेश रोशनलाल अग्रवाल, बी. लक्ष्मण वर्मा, अंजी यादव, नव्वा राजू, के. रघुवीर, वी. नागभूषणम, नरसिंह राव, अनिल कुमार, तरकारी श्रीनिवास, बलराज, पी. बलराज गौड़, पी. गंगाधर, रामुलु मुदिराज, चौधरी, पेली साई, स्वयंसेवी अजय तुलस्यान, पवन भुवानिया, योगेश अग्रवाल, सुमन भुवानिया, अरुणा तुलस्यान, सुनयना नरसरिया, बी. शांता देवी, एम. मोहिनी देवी, अग्र महिला मंच की दीपा गर्ग, सरला अग्रवाल, वंदना अग्रवाल, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव तथा पित्ती लैमिनेशन के सदस्यों ने सहयोग प्रदान कर शिविर को सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

जीडीमेटला सीरवी समाज मंदिर में शीतला सप्तमी पर विशेष पूजा-अर्चना

महिलाओं ने श्रद्धा भाव से किया पूजन, सुख-समृद्धि की कामना

हैदराबाद, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडीमेटला स्थित सीरवी समाज मंदिर (बडेर) में शीतला सप्तमी के पावन अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज की महिलाओं ने श्रद्धा और भक्ति के साथ पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि तथा क्षेत्र की खुशहाली की कामना की।

मंदिर परिसर में आयोजित इस पूजा-अर्चना में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और परंपरागत विधि-विधान के साथ माता शीतला की आराधना की। पूरे वातावरण में भक्ति और आस्था का माहौल देखने को मिला।पूजा-अर्चना में प्रेमा लता मुलेवा, लाबुदेवी काग, नारंगी देवी काग, लीला देवी चोयल, मोहनी देवी, कमला देवी पंवार, लाबुदेवी बर्फा, कमला लचेटा, सुनीता हाम्बड़, गीता सोलंकी, रेखा हाम्बड़, रेखा गेहलोत, लक्ष्मी सोलंकी, भंवरी देवी सैणचा, मौनी देवी पंवार, प्रेमा देवी पंवार, ऊषा देवी पंवार, कमला देवी बर्फा, गणपति देवी, भावना, पीकी बर्फा, सुशीला गेहलोत, सुखिया देवी हाम्बड़, ज्योति बर्फा, भंवरी हाम्बड़, चंपा देवी सोलंकी, लक्ष्मी देवी पंवार, गुड़ी देवी पंवार, मुली बाई हाम्बड़, गीता गेहलोत, कमला देवी सीन्दड़ा, गंगा देवी चोयल सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं। इस अवसर पर उपस्थित महिलाओं ने माता शीतला से समाज और परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और स्वास्थ्य की कामना की। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं का उत्साह और आस्था देखने योग्य रही।

घटकेसर स्थित आन्नाजीगुड़ा शीतला सप्तमी माता जी की पूजा-अर्चना में भाग लेती हुईं कंचन देवी, पुष्पा देवी, अनीता देवी, ममता देवी, भुडी देवी, गीता देवी व अन्य।

वीणा वादिनी साहित्यिक समिति ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस व होली मिलन

कविता, भजन और संगीत से सजी साहित्यिक संध्या

समाज की महिलाओं का हुआ सम्मान

हैदराबाद, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। वीणा वादिनी साहित्यिक समिति ने 7 मार्च शनिवार 2026 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस और होली मिलन का भव्य आयोजन आर्य कन्या विद्यालय, सुल्तान बाजार में किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से किया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय और साहित्यिक बन गया।

इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रोफेसर शीला बालाजी, हिन्दी विभागाध्यक्ष, लिटिल फ्लावर डिग्री और पीजी कॉलेज रहीं। समिति के अध्यक्ष श्री श्रुतिकान्त भारती ने मुख्य अतिथि का परिचय देते हुए उनका स्वागत किया। इस अवसर पर प्रसिद्ध समाज सेविकाएं उमा गोपी नाथ, आदि प्रशान्ती, रजनी शिन्दे एवं लता प्रिया भी उपस्थित रहीं, जिनका समिति द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. रेखा देवी वर्मा, पद्मा टकसाली, अनिल कुमार गुप्ता, सत्य नारायण काकड़ा, राजकुमार यादव, सीताराम माने, डॉ. कुमुद बाला, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, डॉ. मुमताज सुलताना, निर्मला दीक्षित, कमल दीक्षित, मधु, परमेश्वरी शर्मा, विद्यादवे, पुष्पान्जली, सविता सोनी, अनीता, शोभा ठाकुर, गीता, गौरव कुमार, सुनीति मिश्रा, उमा तिवारी एवं सुधा ठाकुर सहित अन्य प्रतिभागियों ने अपनी कविताएं और भजन प्रस्तुत कर समा बांध दिया।इस अवसर पर प्रसिद्ध गायिका भाग्यश्री जी भी उपस्थित रहीं। समिति द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। भाग्यश्री जी ने अपने मधुर गायन से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।समिति के परामर्शदाता श्री प्रदीप जाजू और सत्यनारायण शर्मा ने शॉल ओढ़ाकर सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का सम्मान किया। कार्यक्रम में श्रीमती शारदा देशपांडे, मीरा आर्य, शकुन्तला त्रिपाठी, सतीश जाजू, सत्यनारायण जाधव और सुमन गुप्ता आदि ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।डॉ. मुमताज सुल्ताना द्वारा भोजन की व्यवस्था की गई, जिसके लिए वीणा वादिनी साहित्यिक समिति ने उनका हृदय से आभार व्यक्त किया। पूरे कार्यक्रम का संचालन समिति की सचिव सुधा ठाकुर ने कुशलता से किया। कार्यक्रम साहित्य, संगीत और आपसी सद्भाव के वातावरण में संपन्न हुआ।

पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर महिला विंग ने मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

हैदराबाद, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई), हैदराबाद चैप्टर की महिला विंग ने आज हैदराबाद के सेंट जोसेफ डिग्री और पीजी कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में जनसंपर्क पेशेवरों, महिला नेताओं और छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य अतिथि, डॉ. बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय की निदेशक (अकादमिक) प्रो. जी. पुष्पा चक्रपाणि ने इस अवसर पर शुभकामनाएं दीं और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए हैदराबाद चैप्टर की पहल की सराहना की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की उत्पत्ति को 1908 में संयुक्त राज्य अमेरिका में महिला श्रम आंदोलन से जोड़ते हुए बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने 1975 में औपचारिक रूप से 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मान्यता दी थी।प्रो. पुष्पा ने व्यापक जागरूकता और समर्थन पैदा करने के लिए महिला-केंद्रित कार्यक्रमों में पुरुषों की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं के बिना समाज का अस्तित्व संभव नहीं है और उन्होंने महिलाओं से एक प्रगतिशील समाज के निर्माण के लिए शिक्षा के अधिकार को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 की भूमिका पर भी प्रकाश डाला।

विशिष्ट अतिथि और अंतरराष्ट्रीय योग प्रशिक्षक यशस्विनी ने कहा कि परिवारों और समाज के सामंजस्य और कल्याण के लिए महिलाओं की उपस्थिति केंद्रीय है। उन्होंने महिलाओं को नियमित रूप से योग करने और अपने दिन की शुरुआत घरेलू कामों के बजाय ताजी हवा और सचेत गतिविधियों के साथ करने की सलाह दी।एक अन्य विशिष्ट अतिथि, प्रतिष्ठित कैरम खिलाड़ी और गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक डॉ. शेख हुस्ना समीरा ने अपनी प्रेरक यात्रा साझा की। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपनी माँ द्वारा सिखाए गए अनुशासन को दिया। उन्होंने महिलाओं से आह्वान किया कि वे बच्चों का पालन-पोषण व्यक्तिगत पहचान के बजाय राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना के साथ करें।इससे पहले, पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ. यादगिरी कंभमपति ने कहा कि चैप्टर के लिए एक समर्पित महिला विंग होना गर्व की बात है। महिला विंग की संयोजक श्रीमती अपर्णा राजहंस ने बताया कि उनका संस्थान जनसंपर्क के क्षेत्र में छात्राओं का समर्थन करने में हमेशा आगे रहा है।चैप्टर सचिव श्री राजेश कल्याण और सह-संयोजक डॉ. अनुराधा मेडा ने अतिथियों का परिचय कराया। इस अवसर पर 'पब्लिक रिलेशंस वॉयस' पत्रिका के संपादक श्री वाई. बाबूजी ने बताया कि हैदराबाद चैप्टर देश में अद्वितीय है क्योंकि इसकी अपनी समर्पित महिला विंग और संविधान है, जिसका प्रस्ताव उन्होंने 2002 में रखा था।कार्यक्रम में डॉ. जे. चेन्नैया, श्री पी. मोहन राव, श्री वी. मधुसूदन और बड़ी संख्या में महिला पेशेवर एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

गौ सम्मान आह्वान अभियान का गुजरात में प्रचार

गौमाता को राष्ट्र माता का दर्जा देने और केंद्रीय कानून बनाने की मांग

हैदराबाद, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। गौमाता को राष्ट्र माता, राष्ट्र आराध्य और राष्ट्र धरोहर का सम्मानित पद प्रदान करने तथा गो सेवा के लिए केंद्रीय स्तर पर कानून बनाए जाने की मांग को लेकर आगामी 27 अप्रैल को देशभर में आयोजित होने वाले गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत गुजरात के राजकोट, मोरबी सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

इसी क्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहन भाई कुंदरिया को अभियान से संबंधित पत्र सौंपा गया और उनसे इस मुहिम को समर्थन देने का आग्रह किया गया।

इस अवसर पर लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल के साथ नर्भराम लोदरिया, मनीष पटेल और नरभिराम राजपरा भी उपस्थित रहे। अभियान से जुड़े कार्यकर्ताओं ने बताया कि गोमाता के सम्मान और संरक्षण के लिए देशभर में जनजागरण किया जा रहा है तथा 27 अप्रैल को बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि गो सेवा के लिए मजबूत कानून बनाए जाने की दिशा में जनसमर्थन जुटाया जा सके।

जन सेवा संघ के तत्वावधान में मनाया गया भव्य होली मिलन समारोह

हैदराबाद, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के साउथ जोन के संयोजन में होली महोत्सव एवं मिलन समारोह का भव्य आयोजन संघ के संभागीय अध्यक्ष श्री ए.के. मिश्रा के निवास पर संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बिहारी परंपरा के अनुसार होली गायन की मनमोहक प्रस्तुतियां हुईं, जिन्होंने उपस्थित सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया।समारोह की शुरुआत भगवान के सम्मान में गाए गए होली गीत से हुईसुमिरत श्री भगवान आ रे लाल, सुमिरत श्री भगवान हो। इसके बाद राधा-कृष्ण के प्रेम से जुड़े लोकप्रिय फाग गीत जहवां नंदलाल ये उधो पाती ले जा गाए गए। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर योद्धा बाबू कुंवर सिंह की वीरता को समर्पित गीत बंगला में उड़ेला

अबीर, आ रे लाला बाबू कुंवर सिंह तेगवा बहादुर ने माहौल में जोश भर दिया।ढोलक, झाल और नाल जैसे पारंपरिक बिहारी वाद्य यंत्रों की थाप पर जोगीरा, हई या हई या जैसे बोलों के साथ गायकों की प्रस्तुतियां जारी रहीं। रंग-गुलाल-अबीर की उड़ती फुहारों के बीच बच्चे, युवा और वृद्ध सभी होली के रंग में सराबोर नजर आए। कार्यक्रम में भोजपुरी, मगही, मैथिली और अंगिका क्षेत्रों की होली शैली एक साथ सुनाई दी, जिसने हैदराबाद में बिहारी संस्कृति की अनोखी छटा बिखेरी।यह होली मिलन आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक समानता का प्रतीक रहा, जहां ऊंच-नीच का भेद मिट गया और वसंत के आगमन का उत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया।कार्यक्रम में जन सेवा संघ के अध्यक्ष श्री विश्वजीत सिंह, महासचिव प्रकाश चौधरी, कोषाध्यक्ष सुशील श्रीवास्तव, संभागीय अध्यक्ष ए.के. मिश्रा, अरुण सिंह राजपुरोहित, के.डी. चौबे, सुनील श्रीवास्तव, श्रीकांत पांडेय, सुधीर जायसवाल, जे.पी. सिंह, सत्यप्रकाश सिंह, कपिराज सिंह, परवेज खान, जी.डी. पाठक, बिनीत सिंह, आर.के. सिंह, राजेश चौबे, नारायण ओझा, मिंटू ओझा, श्री जितेंद्र सिंह, श्री बबलू ओझा सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।जन सेवा संघ के मीडिया प्रभारी श्री राजीव चौबे ने बताया कि यह आयोजन सदस्यों में नई ऊर्जा और एकता का संचार करने वाला रहा। सभी ने कार्यक्रम को अविस्मरणीय बनाने में योगदान दिया।

अग्रवाल समाज घांसीबाजार झूला शाखा की मासिक बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 9 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज घांसीबाजार झूला शाखा की मासिक बैठक श्री राणी सती दादी जी के मंदिर में शाखाध्यक्ष अनिल अग्रवाल धर-सूवाला की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक आयोजित हुई।

बैठक की शुरुआत में शाखाध्यक्ष ने सभी आगंतुक कार्यकारिणी सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया।

बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। शाखा द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी एकदिवसीय सामूहिक गणगौर पूजन का आयोजन 21 मार्च (शनिवार) को श्री राणी सती दादी जी मंदिर प्रांगण में किया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी महिला समिति की मुख्य संयोजिका शर्मिला अग्रवाल, राधा अग्रवाल, मीना अग्रवाल और मीनू गर्ग को सौंपी गई है।

शाखा ने सर्वसम्मति से फैसला लिया कि श्री राणी सती दादी जी मंदिर के स्वर्ण जयंती (50वें स्थापना दिवस) अवसर पर 5 अप्रैल को मंदिर प्रांगण से निकलने वाली कलश यात्रा का भव्य स्वागत आर. नानगराम के घर के समक्ष शीतल पेय एवं पुष्प वर्षा के साथ किया जाएगा। इस कार्यक्रम के लिए प्रधान संयोजक मनोज पचेरिया तथा सह-संयोजक शिव भगवान अग्रवाल बॉयवाला और अशोक अग्रवाल सौलानावाला को नियुक्त किया गया है।

एक अन्य प्रस्ताव पर शाखा की वार्षिक साधारण सभा 24 मई (रविवार) को आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में योगेन्द्र कटारुका को शाखा के प्रचार-प्रसार प्रभारी पद पर नियुक्त किया गया। फंड रेजिंग के लिए उपाध्यक्ष शिव भगवान अग्रवाल बॉयवाला, केंद्रीय समिति सदस्य सज्जन अग्रवाल बॉयवाला तथा परामर्शदाता योगेन्द्र कटारुका को जिम्मेदारी सौंपी गई।

शाखा के मानद मंत्री हरिनारायण अग्रवाल, सहमंत्री बबीता मीत्तल, कोषाध्यक्ष दिनेश सर्राफ तथा कार्यकारिणी सदस्य मनोज अग्रवाल गौशालावाला के त्यागपत्र स्वीकार कर लिए गए। उनके स्थान पर मानद मंत्री के लिए मनोज मित्तल, सहमंत्री के लिए मनोज अग्रवाल पचेरिया तथा कोषाध्यक्ष पद पर अशोक अग्रवाल सौलानावाला को नामित किया गया। शाखाध्यक्ष ने अपने विशेषाधिकार से मीनू गर्ग को कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मनोनीत किया। अवसर पर शाखा के पूर्व अध्यक्ष गोविंद राम पचेरिया, परामर्शदाता श्रीकिशन अग्रवाल, मानद मंत्री मनोज अग्रवाल मीत्तल, शीव कुमार अग्रवाल जाख-णीवाला, पवन अग्रवाल सौलानावाला, महेश कुमार कानोड़िया तथा दीपक अग्रवाल पचेरिया सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का समापन सज्जन अग्रवाल बॉयवाला के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर यूनियन बैंक में महिला विशेष हिन्दी कार्यशाला

लिंग समानता और महिलाओं के सम्मान पर दिया गया विशेष जोर

हैदराबाद, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, अंचल कार्यालय, हैदराबाद एवं क्षेत्रीय कार्यालय, सिकंदराबाद द्वारा महिला विशेष हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं की भूमिका, लिंग समानता तथा राजभाषा के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई।इस अवसर पर अपने विचार रखते हुए श्री एम. रवींद्र बाबु, मुख्य महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख ने कहा कि समाज में लिंग समानता के लिए यह आवश्यक है कि घरों में माँ-बाप अपने लड़कों को सही शिक्षा दें और महिलाओं का आदर-सम्मान करना सिखाएं। कार्यक्रम में श्री टी. कामेश्वर राव, महाप्रबंधक व उप अंचल प्रमुख, श्रीमती सी. एस. जननी, उप महाप्रबंधक व उप अंचल प्रमुख तथा श्री बी. भास्कर, क्षेत्र प्रमुख, सिकंदराबाद क्षेत्रीय कार्यालय ने भी महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता के विषय में अपने विचार व्यक्त किए।नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (बैंक व बीमा), हैदराबाद की प्रतिनिधि श्रीमती बी. सुशीला, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) ने राजभाषा नीति विषय पर विशेष सत्र लिया और राजभाषा के प्रभावी उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर बैंक के महिला ग्राहकों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को प्रोत्साहित करना, उनके योगदान को सम्मान देना तथा समाज में समानता और जागरूकता को बढ़ावा देना रहा।

भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति और सम्मान का प्रतीक माना : निराले बाबा

बीकानेर, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रसंत (निराले बाबा) जैनाचार्य, डॉ. दिव्यानंद सूरीश्वर महाराज साहब के पावन सान्निध्य में श्री जैन श्वेतांबर निराला संघ, सादुलगंज बीकानेर की तरफ से भव्यातिभव्य कार्यक्रम सुसम्मपन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते निराले बाबा दिव्यानंद महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को शक्ति और सम्मान का प्रतीक माना गया है। देश में महिलाओं को सर्वोच्च स्थान देने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर भी एक महिला आसीन है, जो भारत में बढ़ते महिला सम्मान और सशक्तिकरण का प्रतीक है।

निराले बाबा ने कहा कि ने नारी शक्ति को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला माना है। सर्जिकल स्ट्राइक के समय अभियान का नाम ऑपरेशन सिंदूर रखना भी नारी सम्मान के प्रति राष्ट्र की भावना को दर्शाता है। महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए कार्य होने चाहिए। आज देश में भी महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनमें उज्ज्वला योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, मातृ वंदन योजना और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना प्रमुख हैं। इन योजनाओं से देश की करोड़ों महिलाओं को सीधा लाभ मिला है और उनके जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन आया है। इस अवसर पर विशाल नाहटा (पालु), मनीष राठी, गौरव चलाना, पवन अग्रवाल, मनीष सिंगला, शिमला देवी गर्ग, कंचन जिंदल, नेहा गोयल, नीलम जिंदल, आदि अनेक भक्त गण मौजूद थे।

पशु संरक्षण पर जागरूकता बढ़ाने के कार्यक्रमों की आवश्यकता : अतिरिक्त कलेक्टर

हैदराबाद, 9 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । हैदराबाद जिले में पशु संरक्षण को लेकर अधिक जागरूकता फैलाने वाले कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए। यह बात अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) कदिरवन पलनि ने कही।सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर में हैदराबाद जिला सोसायटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स (एचएसपीसीए) द्वारा पशु संरक्षण विषय पर आयोजित बैठक में उन्होंने भाग लिया।

अतिरिक्त कलेक्टर ने कहा कि जिले में पशु प्रेमियों और निवारक संघ को पशु संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। बैठक में पशु संरक्षण से जुड़े कदमों, नियमों के कार्यान्वयन एवं सुदृढ़ीकरण की समीक्षा की गई। विभिन्न एजेंडा बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा के बाद उन्हें अनुमोदित किया गया।संघ को प्राप्त सदस्यता आवेदनों की भी समीक्षा की गई। जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए संबंधित विभागों और स्वैच्छिक संस्थाओं के समन्वय से कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया।पशुओं से जुड़ी दुर्घटनाओं तथा उनके परिवहन से संबंधित मामलों को प्रभावी ढंग से हल करने हेतु पुलिस अधिकारियों को सौंपने की प्रक्रिया पर चर्चा हुई और इसे मंजूरी दी गई।

बैठक में पशुओं के परिवहन के दौरान सुरक्षा नियमों का पालन न करने तथा वाहनों में अत्यधिक संख्या में पशु लादने के मुद्दों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। सदस्यों ने निर्धारित नियमों को सख्ती से लागू करने की मांग की।रिद्धिश जागीरदार ने पशु कल्याण के क्षेत्र में कार्यरत व्यक्तियों एवं संस्थाओं को पुरस्कारों के माध्यम से सम्मानित करने का सुझाव दिया। साथ ही पशु कल्याण कार्यकर्ताओं को पहचान पत्र जारी करने की बात भी रखी गई।उन्होंने जन जागरूकता के लिए विभिन्न प्रसारण माध्यमों के अलावा बसों, मेट्रो रेल आदि आउटडोर माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार का प्रस्ताव रखा।अवसर पर जागीरदार फाउंडेशन की ओर से अतिरिक्त कलेक्टर को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।जीएचएमसी के चीफ वेटरनरी ऑफिसर डॉ. वकील को ग्रेटर हैदराबाद क्षेत्र में आगामी 12 मार्च को जैन तीर्थंकर भगवान आदिनाथ एवं 29 मार्च को भगवान महावीर स्वामी जन्म कल्याणक के अवसर पर मांस विक्रय पर प्रतिबंध लगाने तथा कत्लखाने बंद रखने का निवेदन पत्र सौंपा गया।बैठक में जिला पशुपालन विभाग के अधिकारी डॉ. प्रवीन कुमार, जीएचएमसी के चीफ वेटरनरी ऑफिसर डॉ. वकील, जिला परिवहन अधिकारी पुरुषोत्तम रेड्डी, हैदराबाद जिला वन रेंज अधिकारी विजयकुमार, विद्यालय शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक श्रीनिवास रेड्डी, कार्यकारी सचिव रसील अहलूवालिया, सदस्य रिद्धिश रमेश जागीरदार, जसराज, श्रीश्रीमाल, विक्रम चाँदक आदि ने भाग लिया।पशुपालन विभाग से सहायक निदेशक डॉ. विद्यानंद गौड़, डॉ. संजीव राव तथा वेटरनरी असिस्टेंट सर्जन डॉ. उषा रानी भी उपस्थित रहीं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मारवाड़ी युवा मंच निजामाबाद द्वारा प्रतिभाशाली महिलाओं का सम्मान

निजामाबाद, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के पावन अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, निजामाबाद शाखा द्वारा नव्या 0 आधुनिक नारी पहचान को सम्मान कार्यक्रम के अंतर्गत मारवाड़ी समाज की प्रतिभाशाली महिलाओं के लिए भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा, परिश्रम और समर्पण से विशेष पहचान बनाने वाली लगभग 40 महिलाओं को सम्मानित किया गया। सम्मानित महिलाओं में डॉक्टर्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, लेखिका, इंटीरियर डिज़ाइनर्स, मेहंदी आर्टिस्ट्स, योगा ट्रेनर, जुम्बा डांस ट्रेनर्स, वॉयस ओवर आर्टिस्ट सहित अन्य कई क्षेत्रों में कार्यरत प्रतिभाशाली महिलाएं शामिल रहीं।कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं की प्रतिभा, उनके समर्पण और समाज के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करना तथा अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण मारवाड़ी युवा मंच, निजामाबाद शाखा के अध्यक्ष संदीप सारड़ा ने दिया। उन्होंने सभी अतिथियों एवं सम्मानित महिलाओं का स्वागत करते हुए कहा कि समाज में महिलाओं की प्रतिभा और योगदान को सम्मानित करना मंच के लिए गर्व की बात है।इसके पश्चात उपाध्यक्ष डॉ. अंकित अग्रवाल तथा प्रांतीय उपाध्यक्ष सीए श्रीकांत झंवर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए महिलाओं की उपलब्धियों की सराहना की और उन्हें समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।समारोह के दौरान सभी सम्मानित महिलाओं को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं सदस्यों ने महिला शक्ति के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए इस आयोजन की सराहना की।कार्यक्रम का मंच संचालन कोषाध्यक्ष संदीप राठी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन मंत्री कृष्णा मालू द्वारा प्रस्तुत किया गया।इस अवसर पर उप मंत्री रमेश पांडे, पूर्व अध्यक्ष पवन मुंदडा, अनुराग भांगड़िया, सुधीर मालू, सिद्धांत तिवारी, धीरज मालू, तरुण उपाध्याय, मिखिल शर्मा, गोविंद झावर सहित मंच के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

समारोह के अंत में सभी सम्मानित महिलाओं का अभिनंदन किया गया तथा महिला शक्ति के सम्मान में कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

सेवा ही सबसे बड़ा धर्म-नामपल्ली में राधे-राधे ग्रुप का अन्नदान कार्यक्रम

हैदराबाद, 9 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265ए के पास सोमवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने जरूरतमंद लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित कर सेवा भाव का परिचय दिया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने कहा कि मानव सेवा ही सच्चा धर्म है। जरूरतमंद और वंचित लोगों की सहायता करना समाज के प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा समय-समय पर ऐसे सेवा कार्यों का आयोजन कर समाज में सहयोग और संवेदना का संदेश दिया जाता है।

इस अन्नदान कार्यक्रम में जय प्रकाश सारड़ा, नंद किशोर अग्रवाल, भगतराम गोयल, रोहित अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, संजय गोयल, जगन इलाकुर्ती, सुशील गुप्ता, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, मनीष अग्रवाल, किरण गोयल, निशा गुप्ता और सुमन अग्रवाल सहित कई सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में अपना योगदान दिया।

बाल भवन सोसाइटी, कब्बन पार्क में समर कैंप02026 का आयोजन 10 अप्रैल से

बेंगलूरु, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। बाल भवन सोसाइटी, कब्बन पार्क, बेंगलूरु द्वारा 5 से 16 वर्ष आयु के बच्चों के लिए समर कैंप02026 का आयोजन आगामी 10 अप्रैल से 15 मई 2026 तक किया जाएगा। इस समर कैंप में बच्चों के लिए पेंटिंग, हस्तशिल्प, स्ट्रीट ड्रामा, क्ले आर्ट, कराटे, योग, मेहंदी, तबला, वेस्टर्न डांस तथा पारंपरिक खेल (लगोरी, कबड्डी आदि) जैसी रचनात्मक एवं मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। यह जानकारी बाल भवन के चेयरमैन बीआर.नायडू ने दी। उन्होंने बताया कि सभी गतिविधियां अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में कराई जाएंगी।

समर कैंप की फीस (सामग्री सहित) 1000 निर्धारित की गई है। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को 50% शुल्क में छूट दी जाएगी, जबकि दिव्यांग एवं वंचित वर्ग के बच्चों को आवश्यक दस्तावेजों के आधार पर निःशुल्क प्रवेश प्रदान किया जाएगा। बाल भवन के सदस्य बच्चों को 25% की छूट भी उपलब्ध होगी। इच्छुक अभिभावक बाल भवन सोसाइटी, कस्तूरबा रोड, कब्बन पार्क, बेंगलूरु से सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक (सरकारी अवकाश छोड़कर) आवेदन पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए बाल भवन के चेयरमैन बीआर.नायडू से संपर्क किया जा सकता है।

शुभ लाभ Classifieds — FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, NEERAJA P Spouse of No.JC 333335W Sub Maj SURESH KUMAR PILLALAMARRI, Residing at H.No.5-9-300/154, CBR Krishnaveni Estates, Yapral, Secunderabad, Medchal Malkajgiri District, Telangana-500087 have changed my name from NEERAJA P to NEERAJA PILLALAMARRI vide affidavit dt:9-3-2026 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad

CHANGE OF NAME
I, PREETI W/o MOHAN SINGH, R/o Gram Moosakhiriya, Farrukhabad, U.P- 209739, have changed my name from PREETI to PRITI, vide affidavit No.dt.9-3-2026, before Sec-Bad Court

CHANGE OF NAME
I, Service No-14670583Y,Rank-NK, Name- Sachin Chipparge, Residing at A/P Kagwad,Teh-Kagwad, Dist-Belagavi, PIN-591223, State-Karnataka. I have changed my Mother name from KASTURI * to *KASTURI BALACHANDRA CHIPPARGE Affidavit dated 07 Mar 2026 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No-14670583Y,Rank-NK, Name- Sachin Chipparge, Residing at A/P Kagwad,Teh-Kagwad, Dist-Belagavi, PIN-591223, State-Karnataka. I have changed my Daughter name from PRARTHANA * to *PRARTHANA SACHIN CHIPPARGE Affidavit dated 07 Mar 2026 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

CHANGE OF NAME
I, SHASHIKALA is legally wedded Spouse of Service No-14670583Y, Rank-NK, Name- Sachin Chipparge, Residing at A/P Kagwad, Teh-Kagwad, Dist-Belagavi, PIN-591223, State-Karnataka. I have changed my name from SHASHIKALA * to *SHASHIKALA SACHIN CHIPPARGE Affidavit dated 07 Mar 2026 before B A Gane Advocate, Kagwad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No-14689719M, Rank-HAV, Name- Moorthi R Residing at H.No-27A, Aiyar Thevar Street, Markayankottai,Teh-Uthamapalayam, Dist-Theni, PIN-625552, State-Tamilnadu. I have changed my Mother name from MUTHULAXMI * to *MUTHULAKSHMI and also Date of Birth changed from 18/08/1969 to 02/03/1970 Affidavit dated 07 Mar 2026 before G Ramchander Advocate Secunderabad.

तेलंगाना सरकार शहर के सभी टैंकों के जीर्णोद्धार के लिए प्रतिबद्ध : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार रात कुकटपल्ली में नल्ला चेरुवु के जीर्णोद्धार का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सरकार हैदराबाद को एक बेहतर शहर बनाने के लिए झीलों को बहाल करने और शहरी बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

राजनीति से ऊपर उठकर विकास का संकल्प

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में मलकजगिरी लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कुकटपल्ली का दौरा करने पर बेहद खुशी है। उन्होंने आश्वासन दिया कि संसदीय क्षेत्र के सभी विधानसभा क्षेत्रों में राजनीतिक भेदभाव को दरकिनार कर विकास निधि प्रदान की जाएगी। रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार की नीति राजनीतिक संबद्धता पर विचार किए बिना विकास और कल्याण को बढ़ावा देना है। उन्होंने उल्लेख किया कि जब उन्होंने शहर में टैंकों के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू किया था, तब सरकार को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था, लेकिन नल्ला चेरुवु के विकास के बाद लोगों के चेहरों पर खुशी देखकर उन्हें लगा कि वे आलोचनाएं वास्तव में 'आशीर्वाद' के समान थीं।

अतिक्रमण पर स्पष्ट रुख और मानवीय दृष्टिकोण

अतिक्रमण पर सरकार के रुख को स्पष्ट करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का इरादा गरीबों को परेशान करना या उनके घर गिराना नहीं है, बल्कि बाढ़ को रोकना और जल निकायों की रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि सरकार बहाली कार्य करते समय टैंकों और नहरों पर कब्जा करने वाले लोगों को न्याय दिलाना सुनिश्चित करेगी। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि सरकार नवीनीकृत झीलों के आसपास महिलाओं को स्टाल लगाने के अवसर प्रदान करेगी और टैंकों के किनारे बच्चों के लिए खेल के मैदान विकसित किए जाएंगे।

हैदराबाद के सतत विकास की कार्ययोजना

प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि देश भर के कई महानगर गंभीर पर्यावरणीय और शहरी समस्याओं का सामना कर रहे हैं और हैदराबाद को उनके अनुभवों से सीख लेनी चाहिए। उन्होंने मूसी नदी की सफाई, मुख्य शहरी क्षेत्र में टैंकों के जीर्णोद्धार, नहरों के अतिक्रमण को हटाने और सड़कों के विस्तार के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। रेवंत रेड्डी ने आश्वासन दिया कि सरकार विकास के लिए आवश्यक धन उपलब्ध कराने के लिए तैयार है और हैदराबाद को सतत विकास के पथ पर आगे ले जाने के लिए जनता से सहयोग का आह्वान किया।

तेलंगाना के विकास के लिए कानून-व्यवस्था सर्वोपरि : मुख्यमंत्री

हैदराबाद, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को जोर देकर कहा कि राज्य के विकास के लिए सुदृढ़ कानून-व्यवस्था बनाए रखना अनिवार्य है। उन्होंने साइबर अपराध जैसी उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए पुलिस प्रणाली को अपग्रेड करने का आह्वान किया। आरबीवीआरआर तेलंगाना पुलिस अकादमी में आयोजित तेलंगाना पुलिस ऑफिसर्स रिट्रीट-2026 को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने जनता को बेहतर सेवाएं प्रदान करने के लिए पुलिस अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की।

3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून-व्यवस्था विकास की धुरी है। उन्होंने बताया कि सरकार ने 'तेलंगाना राइजिंग 2047' नीति दस्तावेज जारी किया है और राज्य को 2047 तक 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में काम कर रही है। निवेश को आकर्षित करने के लिए सरकार हैदराबाद आउटर रिंग रोड के भीतर 2,100 वर्ग किमी के क्षेत्र को मुख्य शहरी क्षेत्र मानकर विकसित कर रही है। उन्होंने दिल्ली के प्रदूषण, बेंगलुरु के ट्रैफिक और मुंबई-चेन्नई की बाढ़ जैसी समस्याओं से सीख लेने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

साइबर अपराध और आधुनिक चुनौतियों से मुकाबला

अपराध की बदलती प्रकृति पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह पूर्व में आतंकवाद से निपटने के लिए ग्रेहाउंड्स और 'ऑक्टोपस' जैसी प्रणालियाँ बनाई गई थीं, उसी तरह अब साइबर अपराध और नशीले पदार्थों के नियंत्रण के लिए प्रणालियों को मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने उन्नत तकनीकी कौशल वाले अधिकारियों की भर्ती और प्रशिक्षण पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि रिट्रीट के दौरान अधिकारियों द्वारा दिए गए प्रस्तावों की जांच मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति करेगी, जिसे आवश्यकता पड़ने पर कानून का रूप भी दिया जा सकता है।

पुलिस प्रणाली में सुधार और बजट योजना

रेवंत रेड्डी ने जनसंख्या की आवश्यकता के अनुसार पुलिस कर्मियों के युक्तिकरण और प्रदर्शन के आधार पर पोस्टिंग सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने सुझाव दिया कि पुलिस विभाग हर साल दिसंबर में इस तरह के 'रिट्रीट' कार्यक्रम आयोजित करे ताकि महत्वपूर्ण प्रस्तावों को राज्य के बजट की तैयारी के दौरान शामिल किया जा सके। कार्यक्रम में डीजीपी बी. शिवधर रेड्डी और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

कीसरा मंडल चिरियाल स्थित राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा आयोजित शीतला सप्तमी माता की पुजा में भाग लेती हुई- मीरा देवी कुमावत, मैना देवी सीरवी, इन्द्रा देवी कुमावत, पुजा कुमावत, लीला देवी कुमावत, सुशीला कुमावत, सरोज सीरवी,सरीता चौधरी व अन्य।

अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर रविवार, दि. 8 मार्च को ऋषि श्रृंग भवन में सिखवाल प्रगति समाज द्वारा डॉ. लक्षा का शॉल व माला से लीलादेवी व्यास ने सम्मानित किया। साथ ही गौ सम्मान आह्वान अभियान के प्रमुख श्रीराम जोशी का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर रादेव नागला, अनिल जयलवाल, विनोद ओझा, महावीर तिवाडी, महेश उपाध्या, सरपंच धर्मेंद्र तिवारी, हेमंतदाव व अन्य उपस्थित थे।

गुरु नानक इंस्टीट्यूशन्स (जीएनआईटीसी एवं जीएनआईटी), इब्राहिमपट्टनम में बहुप्रतीक्षित टेक्नो-कल्चरल फेस्ट : ब्रूमस फिएस्टा 2के26 का आयोजन बड़े उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों और शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी सक्रिय रूप से देखने को मिली। इस फेस्ट ने विद्यार्थियों को सीखने, आपसी संवाद बढ़ाने तथा नेतृत्व, तकनीकी और टीमवर्क कौशल विकसित करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया।

गगनपहाड़ स्थित सत्यम् शिवम् सुंदरम् गौनिवास में पहली रोटी गाय की अभियान के तहत गौमाता को रोटी खिलाते हुए लव फॉर काऊ फ़ाउण्डेशन के मुकेश जैन चौहान, लता चौहान, अर्हम चौहान, भुविक बंदामुथा, आर्या चौहान एवं अन्य।

डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में ग्रुप-1 अधिकारियों के दूसरे बैच का फाउंडेशन कोर्स शुरू

हैदराबाद, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के 228 ग्रुप-1 अधिकारियों के दूसरे बैच के लिए संयुक्त फाउंडेशन कोर्स सोमवार को डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान में शुरू हुआ। इस अवसर पर संस्थान की महानिदेशक व मुख्य सचिव शांति कुमारी ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया। अपने मुख्य भाषण में शांति कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को इन अधिकारियों से बहुत उम्मीदें हैं। उन्होंने अधिकारियों को पीपुल-सेंट्रिक (जन-केंद्रित) दृष्टिकोण अपनाने और सार्वजनिक सेवा को प्राथमिकता देने की सलाह दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस कोर्स का उद्देश्य अधिकारियों को आधुनिक चुनौतियों और विकास के मानवीय पहलुओं से अवगत कराना है। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सिक्ता पटनायक, विशेष सचिव (वित्त), ने अधिकारियों से 'आर्मचेयर एडमिनिस्ट्रेशन' (दफ्तर तक सीमित प्रशासन) को छोड़कर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों तक पहुँचने का आह्वान किया। उन्होंने समस्याओं के समाधान के लिए उभरती हुई प्रौद्योगिकियों के उपयोग पर भी बल दिया।

रसूलपुरा, सिकंदराबाद स्थित नागम्मा मंदिर के पास 350 जरूरतमंदों में सब्जी वितरित करते हुए समाज सेवी संतोष चंद।

केंद्रीय मंत्री ने रेवंत से रामागुंडम परियोजना के लिए एनटीपीसी के साथ समझौता करने का किया आग्रह

हैदराबाद, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने तेलंगाना सरकार से रामागुंडम में दूसरे चरण के तहत प्रस्तावित 800 मेगावाट की तीन थर्मल पावर ईकाइयों के लिए राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) लिमिटेड के साथ बिजली खरीद समझौता (पीपीए) करने का आग्रह किया है।

श्शी रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को पत्र लिखकर तेलंगाना सरकार से इस परियोजना को लागू करने में एनटीपीसी का सहयोग करने और कंपनी को पूरे 800 मेगावाट की पांच बिजली परियोजनाओं के लिए आवश्यक कोयला जुटाने की पर्याप्त स्वतंत्रता देने का अनुरोध किया है। केन्द्रीय मंत्री ने याद दिलाया कि 2023 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामागुंडम में 800 मेगावाट की दो थर्मल पावर इकाइयों का उद्घाटन कर राष्ट्र को समर्पित किया था।

इन ईकाइयों को लगभग 12,000 करोड़ रुपये की लागत से उन्नत अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल तकनीक से बनाया गया है। दूसरे चरण के हिस्से के रूप में, एनटीपीसी ने शेष तीन इकाइयों को स्थापित करने के लिए कदम उठाए हैं जिनकी संयुक्त क्षमता 2,400 मेगावाट होगी। पहले चरण की तरह, दूसरे चरण से उत्पन्न होने वाली लगभग 85 प्रतिशत बिजली भी तेलंगाना को मिलने की उम्मीद है। श्री किशन रेड्डी ने उल्लेख किया कि तेलंगाना में तीन मार्च, 2026 को 18,139 मेगावाट की अभूतपूर्व बिजली मांग दर्ज की गई थी और आने वाले वर्षों में यह मांग और बढ़ने की संभावना है। उन्होंने उप-मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के हालिया संबोधन का भी उल्लेख किया, जिसमें ग्रिड स्थिरता बनाए रखने के लिए राज्य में थर्मल पावर उत्पादन को 5,000 से 6,000 मेगावाट तक बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया था। श्री रेड्डी ने आगे बताया कि उप-मुख्यमंत्री ने यह भी अनुमान लगाया है कि 2047 तक राज्य की बिजली मांग एक लाख मेगावाट तक पहुंच सकती है और राज्य मंत्रिमंडल पहले ही 2,400 मेगावाट की थर्मल पावर परियोजना स्थापित करने का निर्णय ले चुकी है।

तेलंगाना में ओलंपिक स्तर की खेल सुविधाओं का निर्माण करें : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 09 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को अधिकारियों को राज्य में खेलों के विकास के लिए एक व्यापक योजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य ''ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करना'' और राज्य के खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जिताने के लिए तैयार करना है।

यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में अंतर्राष्ट्रीय मानक

खेलों पर मंत्रियों और अधिकारियों के साथ आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित 'यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी' सहित राज्य भर में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप सुविधाएं स्थापित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न संरचनाओं से संबंधित डिजाइनों का बारीकी से निरीक्षण किया और अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

स्टेडियमों का आधुनिकीकरण और विस्तार

मुख्यमंत्री ने गचीबोवली आउटडोर स्टेडियम के नवीनीकरण के साथ-साथ यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि स्टेडियम परिसर के भीतर ही इंडोर स्टेडियम, विश्वविद्यालय परिसर, हॉस्टल भवन और सभी प्रकार के खेल के मैदान उपलब्ध हों। उन्होंने शहर के कोटला विजयभास्कर रेड्डी स्टेडियम, एलबी स्टेडियम और सरूरनगर स्टेडियमों को भविष्य की जरूरतों के अनुसार आधुनिक बनाने का आदेश दिया, ताकि वहां एथलीटों के लिए प्रशिक्षण और खेल प्रतियोगिताओं के आयोजन की उत्तम व्यवस्था हो सके।

बुनियादी ढांचे में सुधार और सरकारी प्रतिबद्धता

रेवंत रेड्डी ने जीएमसी बालयोगी स्टेडियम और कोटला विजय भास्कर रेड्डी स्टेडियम में सुविधाओं को अपग्रेड करने का भी निर्देश दिया। इस बैठक में राज्य के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी शीनिवास रेड्डी, खेल मंत्री वाकिटी श्रीहरि और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सरकार का विजन तेलंगाना को देश का प्रमुख स्पोर्ट्स हब बनाना है।

राधे-राधे ग्रुप की सेवा परंपरा जारी, बेगम बाजार में किया अन्नदान

हैदराबाद, 9 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस सेवा कार्य में जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया। राधे-राधे ग्रुप लंबे समय से समाज सेवा के विभिन्न कार्यों के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता करता आ रहा है।

ग्रुप के सदस्यों ने बताया कि अन्नदान सबसे बड़ा दान माना जाता है और इसी भावना के साथ यह सेवा निरंतर जारी रखी जा रही है। इस अवसर पर रवि अग्रवाल, अनिल भाई, गोविंद राम जी, अरुण विजयवर्गी, महेश गोयल, लता गोयल, नीलम विजयवर्गी, पूजा सांघी, मीना अग्रवाल एवं अनीता सुगंधा सहित कई सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग दिया।

अग्रवाल समाज खम्मम का गठन, नई कार्यकारिणी घोषित

हैदराबाद, 9 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो) । दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज के सह मंत्री महेश अग्रवाल की अध्यक्षता में रविवार को खम्मम में अग्रवाल समाज खम्मम का औपचारिक गठन किया गया। इस अवसर पर सर्वसम्मति से कार्यकारिणी का गठन करते हुए रिछपाल गोयल को अध्यक्ष, सुनील अग्रवाल को मानद मंत्री तथा पंकज अग्रवाल को कोषाध्यक्ष घोषित किया गया। बताया गया कि पिछले कई वर्षों से खम्मम में निवास कर रहे अग्रवाल परिवारों को एक मंच पर संगठित करने के प्रयास किए जा रहे थे। इसी क्रम में समाजसेवी ओमनारायण खंडेलवाल की पहल पर अग्रवाल समाज खम्मम का गठन संभव हो सका। नवगठित कार्यकारिणी के साथ ही समाज के सक्रिय सदस्यों के रूप में महेश अग्रवाल, राकेश अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, बालकिशन अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सुमित अग्रवाल, हरीश गर्ग, सुनील गोयल तथा एन. डी. गुप्ता को नामित किया गया है।

इस अवसर पर श्री महेश अग्रवाल ने बताया कि अग्रवाल समाज सदैव सेवा, सहयोग और परोपकार की परंपरा के लिए जाना जाता है। समाज के सदस्य समय-समय पर गरीब विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, जरूरतमंद परिवारों को सहायता, चिकित्सा शिविर, रक्तदान शिविर, गौसेवा तथा धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते रहे हैं। खम्मम में समाज के गठन से इन सामाजिक गतिविधियों को अब एक संगठित मंच मिलेगा और समाज सेवा के कार्यों को और अधिक गति मिलेगी। उल्लेखनीय है कि विगत कई दशकों से खम्मम के अग्रवाल परिवार व्यक्तिगत स्तर पर समाज सेवा के क्षेत्र में अग्रणी रहे हैं। समाज के गठन से शिक्षा, स्वास्थ्य, गौसंरक्षण तथा जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्यों को संगठित रूप से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर श्री महेश अग्रवाल एवं अग्रवाल समाज मैरेज डाटा ब्यूरो के उपाध्यक्ष सुनील मित्तल ने नवगठित पदाधिकारियों को सम्मानित कर उन्हें शुभकामनाएं दीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.